THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 251 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.2 2081 मंगलवार, 3 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'हम दो–हमारे दो' का नारा हुआ पुराना

> आंध्र के बाद तेलंगाना भी रद्द कर सकता है टू चाइल्ड पॉलिसी

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में पिछले कुछ सालों में 'हम दो-हमारे दो' का नारा चर्चा में रहा है। यह नारा इसलिए दिया गया था क्योंकि भारत की बढ़ती आबादी पर रोक लगाई जा सके लेकिन अब एक नई चर्चा शुरू हो गई है कि ज्यादा बच्चे पैदा किए जाने चाहिए।

रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम में तीन बच्चे पैदा करने की वकालत की जबकि दक्षिण भारत में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश के राज्य ज्यादा बच्चे पैदा करने की बात कह चुके हैं।

इसी साल अक्टूबर में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा था कि दक्षिण में विशेषकर आंध्र प्रदेश में लोगों को कम से कम दो या उससे ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए जबकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तो 16 बच्चे पैदा करने तक की बात कह दी थी। गिरती जनसंख्या दर और कम बच्चे होने के साथ ही आबादी के जल्दी बूढ़ा होने को लेकर दक्षिण भारत में ज्यादा चिंता जताई जा रही है। भारत में फर्टिलिटी रेट यानी प्रजनन दर लगातार गिरती जा रही है और इस वजह से देश में वृद्धावस्था यानी बुजुर्गों की आबादी बढ़ रही है। ऐसा अनुमान है कि 2050 तक हर पांच में से एक शख्स 60 साल या इससे अधिक की उम्र का होगा और दक्षिण के राज्यों में इसका असर कहीं ज्यादा होगा और इससे नायडू और स्टालिन की चिंता को समझा जा सकता है।

यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड और और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज (आईआईपीएस) की ओर से तैयार की गई। इंडिया एजिंग रिपोर्ट-2023 के मुताबिक आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना में बुजुर्गों की आबादी न केवल उत्तर भारत के राज्यों जैसे- बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, राजस्थान और मध्य प्रदेश की तुलना में पहले से ही ज्यादा है बल्कि 2021 और 2036 के बीच यह और अधिक दर से बढ़ेगी। इंडिया एजिंग रिपोर्ट-2023 के मुताबिक प्रति 100 बच्चों (15 वर्ष से कम) पर बुजुर्गों (60 वर्ष से अधिक) की संख्या मध्य और पूर्वोत्तर क्षेत्रों की तुलना में दक्षिण और पश्चिम में अधिक होगी। दक्षिणी राज्यों में 2036 तक प्रति 100 बच्चों पर 61.7 बुजुर्ग होंगे, वहीं जम्मू -कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान में कुल मिलाकर यह संख्या प्रति 100 बच्चों पर 38.9 बुजुर्ग होगी।

कैसे बनी टू चाइल्ड पॉलिसी?

टू चाइल्ड पॉलिसी तब अस्तित्व में आई थी जब यह पता चला था कि 1981 और 1991 की जनगणना के बीच जनसंख्या नियंत्रण के लिए उठाए गए कदम उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं दे रहे थे। राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) ने इस मामले में एक समिति बनाई थी जिसकी अध्यक्षता उस समय केरल के मुख्यमंत्री के. करुणाकरण ने की थी। समिति ने सुझाव दिया था कि जिन लोगों के दो से ज्यादा बच्चे हैं, उन्हें पंचायत से लेकर संसद तक सरकारी पदों पर रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

तेलंगाना को बच्चों, युवाओं की जरूरत

कुछ दिन पहले ही आंध्र प्रदेश की सरकार ने टू चाइल्ड पॉलिसी को खत्म कर दिया था। इस पॉलिसी के तहत दो या उससे ज्यादा बच्चे वालों के स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने पर रोक थी और अब यह माना जा रहा है कि आंध्र प्रदेश का पड़ोसी राज्य तेलंगाना भी ऐसा कर सकता है। तेलंगाना सरकार के एक आला सरकारी अफसर ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि इस संबंध में जल्द ही कैबिनेट की होने वाली बैठक में प्रस्ताव लाया जा सकता है। एक अफसर ने बताया कि हमारे पास ऐसे बहुत सारे ठोस तथ्य हैं, जो बताते हैं कि हम उस वक्त की ओर बढ़ रहे हैं जब राज्य की आबादी बूढ़ी हो जाएगी और 2047 तक तेलंगाना को अधिक युवाओं और बच्चों की जरूरत होगी।

आंध्र प्रदेश की सरकार ने जब टू चाइल्ड पॉलिसी को रद्द किया था तो कम प्रजनन दर और लोगों की बढ़ती उम्र को लेकर चिंता जताई थी। आंध्र प्रदेश के सूचना और जनसंपर्क मंत्री पार्थसारथी ने पिछले महीने कहा था कि आंध्र का टोटल फर्टिलिटी रेट टीएफआर बेहद कम है। उन्होंने कहा था कि राष्ट्रीय स्तर पर टीएफआर 2.11 है, जबकि आंध्र में यह केवल 1.5 है।

13 राज्यों ने इस नीति को लागू किया था। अगर इसे खत्म कर दिया जाता है, तो तेलंगाना इस नीति को खत्म करने वाला देश का छठा राज्य बन जाएगा। आंध्र प्रदेश से पहले छत्तीसगढ़ , हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश ने इसे खत्म कर दिया था। साल 2026 में देश भर में लोकसभा सीटों का परिसीमन होना है और दक्षिण भारत के राज्यों को इस बात का डर है कि परिसीमन में उत्तर भारत में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ सकती है जबकि दक्षिण की हिस्सेदारी कम हो सकती है। देश भर में लोकसभा सीटों की सीमाएं और उनकी संख्या आबादी के हिसाब से तय की जाती हैं।

अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे : केटी रामा राव

चंद्रबाबू नायडू के अलावा तेलंगाना में 10 साल तक सरकार चलाने वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने द इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में बताया था कि परिसीमन के रूप में किसी भी तरह के अन्याय को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दक्षिण भारत के लोग इसके खिलाफ एकजुट होंगे। उन्होंने कहा था कि उन्हें ऐसी उम्मीद है कि केंद्र सरकार लोकसभा सीटों की संख्या को लेकर किसी तरह की गड़बड़ी नहीं करेगी।

चंद्रबाबू नायडू भी कर चुके हैं आबादी बढ़ाने की वकालत

मोहन भागवत से पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने भी दो से अधिक बच्चा पैदा करने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत के राज्यों के लोगों को ज्यादा बच्चा पैदा करने की जरूरत है। दक्षिण में बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय प्रजनन दर 2.1 है। जबकि दक्षिण के राज्यों में 1.6 फीसदी है। आंध्र प्रदेश की सरकार दो से अधिक बच्चा पैदा करने वाले परिवारों को प्रोत्साहन राशि देने पर भी विचार कर रही है। सरकार यह भी कानून बनाने की तैयारी में है कि दो से अधिक बच्चे वाले लोग ही स्थानीय निकाय का चुनाव लड़ने के योग्य होंगे।

बीजेपी नेता राजा दोषी करार : पेरियार की मूर्ति तोड़ने व कनिमोझी पर टिप्पणी करने को लेकर कोर्ट का फैसला

चेन्नई , 2 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में एक विशेष अदालत ने भाजपा नेता एच. राजा को दो मामलों दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। जिसमें से एक मामला डीएमके सांसद कनिमोझी पर टिप्पणी और दूसरा मामला कुछ साल पहले राज्य में पेरियार की मूर्ति को ध्वस्त करने का है। बता दें कि सांसदों/विधायकों से संबंधित आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालत ने भाजपा के राष्ट्रीय सचिव को दोनों मामलों में छह महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई और कुल 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। हालांकि, विशेष अदालत ने उन्हें अपने आदेश के खिलाफ अपील दायर करने के लिए 30 दिनों के लिए सजा निलंबित कर दी। भाजपा नेता ने कहा कि उनके अधिवक्ताओं की टीम कानूनी रूप से मामले का सामना करेगी।

बता दें कि, एच. राजा ने कथित तौर पर 2018 में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली थी, जिसमें उन्होंने तमिलनाडु में ईवी रामासामी 'पेरियार' की मूर्तियों को तोड़ने की बात कही थी, जिसके बाद त्रिपुरा में कम्युनिस्ट नेता लेनिन की मूर्ति गिरा दी गई थी। इस मामले में न्यायाधीश ने राजा को छह महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई और भाजपा नेता पर 3000 रुपये का जुर्माना लगाया। इसी तरह, पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम करुणानिधि की बेटी कनिमोझी के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों से संबंधित दूसरे मामले में अदालत ने राजा को दोषी पाया। इस पर अदालत ने छह महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई और 3,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

दोनों मामलों में, राजा को दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा, उन्हें कनिमोझी के बारे में उनकी टिप्पणियों के लिए आईपीसी की धारा 509 (किसी महिला की गरिमा का अपमान करने के इरादे से शब्द, इशारा या कृत्य) के तहत दोषी पाया गया।

मणिपुर में मारे गए सभी 10 कुकी उग्रवादियों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आई

ज्यादातर को पीछे से गोली मारी गई, 4 शवों की 1-1 आंख गायब

इंफाल, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। 11 नवंबर को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट (पीएम रिपोर्ट) सामने आ गई है। इसमें पता चला है कि ज्यादातर को पीछे से गोली मारी गई थी। सभी के सिर से लेकर पैर तक पूरे शरीर में गोलियां लगी हैं। कुछ को 10 से ज्यादा गोलियां लगी हैं। इसके अलावा उनके शरीर पर कोई अन्य घाव या टॉर्चर के निशान नहीं हैं। हालांकि, चार शवों की एक-एक आंख गायब है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जब शवों को असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एसएमसीएच) में पोस्टमार्टम के लिए लाया गया तो ज्यादातर वर्दी और खाकी पोशाक में थे।

मणिपुर पुलिस ने बताया था कि 11 नवंबर को हाईटेक हथियारों से लैस कुछ वर्दीधारियों ने जिरीबाम में बोरोबेक्रा पुलिस स्टेशन और उससे सटे सीआरपीएफ कैंप पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इसके बाद हुई मुठभेड़ में 10 आतंकवादी मारे गए थे। इनमें से एक नाबालिग था।

कुछ की 24 घंटे तो कुछ की 96 घंटे पहले मौत

रिपोर्ट में अहम बात यह भी सामने आई है कि मुठभेड़ के अगले दिन यानी 12 नवंबर को 6 लोगों के शव एसएमसीएच लाए गए थे। उनकी मौत का अनुमानित समय 24 से 36 घंटे पहले था। 14 नवंबर को 4 लोगों के शव लाए गए थे, जिनकी मौत का अनुमानित समय 72 से 96 घंटे पहले का था। ये 4 शव सड़ने लगे थे। जबकि एक की मौत का अनुमानित समय 48 से 72 घंटे पहले था।

मौत के करीब 1 महीने बाद 5 दिसंबर को अंतिम संस्कार होगा

कुकी समुदाय के प्रमुख संगठन इंडीजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम के प्रमुख ने बताया कि इन 10 युवकों के साथ दो अन्य कुकी पुरुषों का अंतिम संस्कार 5 दिसंबर को (मौत के करीब 24 दिन बाद) चुराचांदपुर में होगा। इससे पहले फोरम ने कहा था कि अंतिम संस्कार तब तक नहीं होगा जब तक उनकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट परिवारों को नहीं सौंप दी जाती। फोरम ने यह भी दावा किया था कि मृतक गांव के वॉलेंटियर थे। शव 16 नवंबर को सिलचर से चुराचांदपुर एयरलिफ्ट किए गए थे और तभी से यानी करीब 15 दिन से स्थानीय अस्पताल की मॉर्चुरी में ही रखे हैं।

पोस्टिंग लेने जा रहे आईपीएस अधिकारी की हादसे में मौत

बंगलूरू, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां के हासन जिले में अपनी पहली पोस्टिंग के बाद कार्यभार संभालने जा रहे भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक अधिकारी की दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कर्नाटक कैडर के 2023 बैच के आईपीएस अधिकारी हर्षबर्धन मध्यप्रदेश के रहने वाले थे। उनकी उम्र महज 26 साल थी।

पुलिस वाहन का टायर फटा

पुलिस ने कहा कि दुर्घटना रविवार शाम की है, जब हासन तालुक के किट्टाने के निकट पुलिस वाहन का टायर फट गया। इससे चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क किनारे एक घर और पेड़ से जा टकराया।

आम आदमी पार्टी में शामिल हुए अवध ओझा

दिल्ली सरकार की शिक्षा क्रांति से हुए प्रभावित

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जाने-माने एजुकेटर और मोटिवेशनल स्पीकर अवध ओझा आज आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। पार्टी मुख्यालय में उन्होंने अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया की मौजूदगी में पार्टी सदस्यता ली। खबर है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में अवध ओझा चुनाव लड़ सकते हैं। आम आदमी पार्टी में शामिल होने पर अवध ओझा ने कहा कि मैं अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मुझे राजनीति में आकर शिक्षा के लिए काम करने का मौका दिया। शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जो परिवार, समाज और राष्ट्र की आत्मा है। आगे कहा कि आज अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत में मैं आप सभी से यह साझा करना चाहता हूं कि अगर मुझे राजनीति और शिक्षा में से किसी एक को चुनना पड़े तो मैं निश्चित रूप से शिक्षा को चुनूंगा।

राजनीति में आकर शिक्षा का विकास ही मेरा सर्वोत्तम उद्देश्य है। जानकारी तो यह भी है कि उनका टिकट भी फाइनल हो गया है। यूपी के गोंडा जिले के रहने वाले अवध ओझा को लेकर पहले यह भी अटकलें लगाई गई थीं कि वह लोकसभा का चुनाव लड़ सकते हैं। खबरें थीं कि वह प्रयागराज से लोकसभा के टिकट के लिए भाजपा के संपर्क में थे। लेकिन उस समय उन्हें टिकट नहीं मिल पाया था। ओझा सर के नाम से प्रसिद्ध अवध एक शिक्षक के साथ-साथ मोटिवेशनल स्पीकर भी हैं। उधर, आम आदमी पार्टी को उम्मीद है कि अवध ओझा के पार्टी से जुड़ने से फायदा होगा।

'राजनीति असंतुष्ट आत्माओं का सागर, यहां हर व्यक्ति दुखी और महत्वाकांक्षी'

गडकरी के बेबाक बोल

नागपुर , 2 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने राजनीति को असंतुष्ट आत्माओं का समुद्र बताया। उन्होंने कहा कि यहां सभी लोग दुखी हैं और अपनी वर्तमान स्थिति से ऊंचे पद की इच्छा रखते हैं। नागपुर में अपनी किताब 50 गोल्डन रूल्स ऑफ लाइफ (जीवन के 50 स्वर्णिम नियम) के लॉन्च के अवसर पर उन्होंने बताया कि जीवन समझौतों, मजबूरियों, सीमाओं और विरोधाभासों का खेल हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि व्यक्ति चाहे पारिवारिक, सामाजिक, राजनीतिक या कॉर्पोरेट में हो, उसका जीवन चुनौतियों से भरा रहता है। समस्याओं का सामना करने के लिए व्यक्ति को जीवन जीने की कला आनी चाहिए।

नागपुर में एक कार्यक्रम में बोले गडकरी

राजस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम को याद किया, जहां उन्होंने कहा था, राजनीति असंतुष्ट आत्माओं का समुद्र है, जहां सभी लोग दुखी हैं। जो पार्षद बनता है वह इस बात से दुखी होता है कि उसे विधायक बनने का मौका नहीं मिला। एक विधायक इसलिए दुखी होता है, क्योंकि उसे मंत्री पद नहीं मिला। उन्होंने आगे कहा, एक विधायक इसलिए दुखी होता है, क्योंकि उसे अच्छा मंत्रीस्तरीय विभाग नहीं मिला और वे मुख्यमंत्री नहीं बन सके। मुख्यमंत्री इस बात से तनाव में है कि पता नहीं कब आलाकमान उन्हें पद छोड़ने के लिए कह दे।

भाजपा नेता ने कहा, जीवन में समस्याएं एक बड़ी चुनौती है। इन चुनौतियों का सामना करके आगे बढ़ना ही जीवन जीने की कला है। उन्होंने बताया कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की आत्मकथा में एक बात कही गई है कि जब कोई व्यक्ति हार जाता है तो वह खत्म नहीं होता है। जब वह उस काम को छोड़ देता है तो वह खत्म हो जाता है'। उन्होंने सुखी जीवन के लिए संस्कारों पर जोर दिया। गडकरी ने जीवन जीने और सफल होने के लिए अपने सुनहरे नियमों को साझा किया। उन्होंने व्यक्ति और पार्टी के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

फिलहाल नदी में स्नान नहीं कर पाएंगे सबरीमाला आने वाले तीर्थयात्री

बारिश की वजह से प्रतिबंध का फैसला

तिरुवनंतपुरम, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के पथनमथिट्टा और इडुक्की जिलों में भारी बारिश को देखते हुए सबरीमला मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों के नदियों में प्रवेश को पूरी तरह से वर्जित करने के आदेश दिए गए। इसके साथ ही साथराम के रास्ते जंगल से पहाड़ी मंदिर तक तीर्थयात्रियों की यात्रा पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। दोनों जिलों के जिलाधिकारियों ने अलग-अलग आदेशों में इसकी जानकारी दी। जिलाधिकारी एस. प्रेमकृष्ण ने आदेश में कहा कि भारी बारिश की चेतावनी जारी रहने तक पथनमथिट्टा में नदियों और घाटों पर तीर्थयात्रियों के जाने पर प्रतिबंध लागू रहेगा। भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में बाढ़, जलभराव और भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। आदेश में कहा गया, तेज बारिश के कारण पहाड़ी क्षेत्र और जंगल, बाढ़, भूस्खलन और भूधंसाव को लेकर विशेष रूप से संवेदनशील हैं। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अत्यधिक सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। आदेश में जलाशयों से पानी छोड़े जाने की भी संभावना का उल्लेख किया गया है।

खबरें जरा हटके

'भाई ने पाकिस्तान का पूरा खज़ाना पहन लिया'

दूल्हे की 35 फीट की माला देख चकराए लोग, सजे थे नोट ही नोट! शादियों में दूल्हे को नोटों की माला पहनाने का ट्रेंड कोई नया नहीं है. शादी चाहे छोटी हो या फिर बड़ी, लोग नोटों की माला दूल्हे को पहनाने में अपनी शान समझते हैं. कुछ शादियों में तो दूल्हे की माला में ही इतने नोट होते हैं कि इसमें से चोरी भी हो जाती है. हालांकि इस वक्त जो दूल्हा चर्चा में है, वो पड़ोसी देश का है. जहां एक ओर वहां पर नोटों की तंगी है, वहीं दूसरी ओर वो नोटों की लंबी सी माला पहनकर तैयार है. पाकिस्तान के आर्थिक हालात किसी से छिपे नहीं हैं. यहां पैसे की जितनी कमी है, उस हिसाब से लोग अपने खर्चे कम नहीं कर रहे. हाल ही में एक पाकिस्तानी दूल्हे ने इतनी लंबी नोटों की माला पहनी कि लोगों ने कहना शुरू कर दिया कि देश का खज़ाना लूट लाया है क्या? आप देखेंगे कि माला भी ऐसी वैसी नहीं है, पूरे 35 फुट लंबी है.

पाकिस्तान कंगाल, दूल्हा मालामाल

वायरल हो रहा वीडियो पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भक्कर जिले का बताया जा रहा है. यहां पर जाम शहर के रहने वाले दूल्हे की शादी को और भी खास बनाने के लिए दूल्हे के भाई ने उसे एक माला गिफ्ट की. ये माला 35 फीट लंबी है, जिसमें इसमें एक लाख पाकिस्तानी रुपयों के नोटों का इस्तेमाल किया गया था. यूट्यूब पर इस शादी और माला का वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें दूल्हा माला पहनने के बाद काफी खुश नज़र आ रहा है.

8 दिन में 22 बार लगी आग, किसान के घर में हो रहीं अजीब चीजें

हरियाणा के सोनीपत के गांव फरमाणा से ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुन और देख कर सब हैरान हैं. लोगों को समझ नहीं आ रहा है कि ऐसा कैसे हो रहा है. दरअसल, किसान हरिकिशन के घर में अचानक किसी भी जगह आग चर्चा का विषय बनी हुई है. जिसके चलते अब पीड़ित परिवार के साथ ही ग्रामीणों को भी डर लगने लगा है. जानकारी के अनुसार किसान के घर लॉकर में रखे आभूषणों में 8 दिन पहले आग लगी थी. जिसके बाद से घर में करीब 22 बार आग लग चुकी है. ऐसे में परिजन व ग्रामीण पहरा देने को मजबूर हैं. साथ ही किसान के घर पर लोगों का ताता लगा हुआ है. इसके अलावा आसपास के गांव के लोग भी घर में लगी आग को देखने के लिए पहुंच रहे हैं.

8 दिन पहले किसान के घर की अलमारी में पहली बार आग लगी थी. जिससे चांदी के आभूषण पिघल गए थे. उसके बाद से घर के अंदर अलग-अलग स्थानों पर करीब 22 बार आग लग चुकी है. आग से कपड़े, फर्नीचर और अन्य सामान जल चुके हैं. हालांकि, आग कैसे लग रही है, इसके कारणों का पता नहीं चल पा रहा है. इस घटना से पीड़ित परिवार बुरी तरह से घबराया है. परिवार का कहना है कि घर से कोई सामान लेने तक नहीं आता. पीड़ित परिवार के लोगों ने बताया कि उनके पास आठ भैंस हैं. जिनका दूध बेचकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं. अब महज दो भैंस दूध दे रही हैं. लेकिन बार-बार आग लगने की घटना से ग्रामीण डर गए हैं और उनसे दूध तक लेने नहीं आ रहे हैं. हालांकि सुरक्षा के लिए ग्रामीण किसान के घर पर पहरा जरूर दे रहे हैं. परिवार का कहना है कि रात को जब बच्चे सो जाते हैं तो परिवार के सदस्य जागते हैं. डर बना रहता है कि कहीं आग लगने से परिवार के सदस्य को नुकसान न हो जाए.

अरे बाप रे! दहेज में दिए नकद 2.5 करोड़, जूते चुराई के दिए 11 लाख

विवाह के दौरान लोग हर पल को कैद करने के लिए वीडियो बनाते हुए नजर आते हैं. जिसे वह सोशल मीडिया पर शेयर कर देते हैं. कई बार यही वीडियो वायरल हो जाती हैं और लोगों के बीच चर्चा का विषय बन जाती हैं. कुछ इसी तरह की एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर ट्रेड हो रही है. जो मेरठ-दिल्ली-देहरादून हाईवे के एक रिसोर्ट की बताई जा रही है. जिसमें दहेज के नाम पर ढाई करोड़ रुपए नगद दिए जा रहे हैं. जो भी इस वीडियो को सोशल मीडिया पर देख रहा है. वह तरह-तरह के कमेंट करते हुए ही नजर आ रहा है. दरअसल वायरल वीडियो के अनुसार एक विवाह कार्यक्रम के दौरान एक सूटकेस में दो करोड़ 56 लाख रुपए नगद दहेज में दिए गए.

जूते चुराई की रस्म देखकर भी उड़े होश

जूते चुराई की रस्म चर्चा का विषय हमेशा से ही रहती है. क्योंकि इसके शगुन को लेकर कई बार बार वर वधु दोनों पक्ष के लोग स्नेह पूर्वक बहस करते हुए भी दिखाई देते हैं. लेकिन वायरल वीडियो में जिस प्रकार जूते चुराई की रस्म के तौर पर 11 लाख रुपए दिए गए. उसे देखकर जूते चुराने वाले लोगों के भी होश उड़ गए. क्योंकि उन्होंने भी नहीं सोचा था कि उन्हें रस्म के तौर पर इतनी बड़ी रकम मिलेगी. इतना ही नहीं अन्य प्रकार की रस्म में भी 800000 रुपए अलग से दिए गए हैं. इसके बाद से ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा का विषय बना हुआ है.

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद अब यूजर तरह-तरह के कमेंट करते हुए भी दिखाई दे रहे हैं. कुछ यूजर लिख रहे हैं समाज में इस तरह की वीडियो गलत संदेश पहुंचाती है. हालांकि कुछ यूजर इसे निजी मामला बता रहे हैं. बताते चलें कि कुल मिलाकर यह वीडियो लोगों के लिए काफी चर्चा का विषय बन गयी है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 251 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.2 2081 मंगलवार, 3 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अगले साल भारत आएंगे रूसी राष्ट्रपति पुतिन

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले साल की शुरूआत में भारत का दौरा करेंगे। हालांकि अभी तक पुतिन के दौरे की तारीख तय नहीं है। रूसी राष्ट्रपति, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्योते पर भारत आ रहे हैं। रूसी दूतावास ने यह जानकारी दी है। क्रेमलिन के प्रवक्ता यूरी उशाकोव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारे नेता की साल में एक बार बैठक करने का समझौता है। इस बार हमारी बारी है। हमें प्रधानमंत्री मोदी का न्योता मिला है और हम इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। अगले साल की शुरूआत में कोई तारीख तय हो सकती है। रूस और यूक्रेन में जंग शुरू होने के बाद यह व्लादिमीर पुतिन का पहला भारत दौरा है।

भाजपा पर्यवेक्षकों के नाम घोषित

सीतारमण-रूपाणी की मौजूदगी में चुना जाएगा महाराष्ट्र का सीएम

रांची, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महाराष्ट्र के लिए पर्यवेक्षकों के नाम का एलान कर दिया है। पार्टी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में यह घोषणा की गई। इनकी मौजूदगी में ही पार्टी विधायक दल के नेता का चयन होगा। इस बात की प्रबल संभावना है कि वह ही महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री होगा।

भाजपा महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि पार्टी के संसदीय बोर्ड ने महाराष्ट्र में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए विजय रूपाणी और निर्मला सीतारमण को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। सूत्रों के मुताबिक, जो भी विधायक दल का नेता चुना जाएगा, उनका राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनना लगभग तय हो जाएगा। हालांकि, इसे लेकर भाजपा ने चुप्पी साध रखी है, लेकिन माना जा रहा है कि इस दौड़ में पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सबसे आगे हैं।

ऐसे रहे परिणाम :

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति को भारी जीत मिली है। महायुति ने 288 सदस्यीय विधानसभा में 230 सीट पर जीत हासिल की है। भाजपा ने सबसे ज्यादा 132 सीट पर जीत दर्ज की, जबकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 57 और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को 41 सीट मिलीं।

अब तक महाराष्ट्र में नई सरकार का गठन नहीं हो पाया :

चुनावी नतीजों की घोषणा के एक सप्ताह से अधिक समय बाद भी महाराष्ट्र में नई सरकार का गठन नहीं हो पाया है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि वह नए मुख्यमंत्री के चयन को लेकर भाजपा के फैसले का समर्थन करेंगे। उनकी इस घोषणा के बाद लगभग यह स्पष्ट हो गया है कि महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री भाजपा से होगा।

चार दिसंबर को पार्टी विधायक दल की बैठक?

वहीं, भाजपा ने घोषणा की है कि नई महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह पांच दिसंबर की शाम दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में होगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक, चार दिसंबर को पार्टी विधायक दल की बैठक हो सकती है।

फेंगल तूफान-तिरुवन्नामलाई में लैंडस्लाइड

> मकानों पर गिरी 40 टन की चट्टान, 7 लोग लापता

तिरुवन्नामलाई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी से उठे फेंगल तूफान के असर के चलते सोमवार को केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र में भारी बारिश हो रही है। फेंगल तूफान 30 नवंबर शाम 7:30 बजे पुडुचेरी के कराईकल और तमिलनाडु के महाबलीपुरम के बीच समुद्र तट से टकराया था। तूफान अब केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में पहुंच गया है।

तमिलनाडु में तिरुवन्नामलाई में पहाड़ी पर भूस्खलन हुआ। एनडीआरएफ के मुताबिक, लगभग 40 टन वजनी चट्टान पहाड़ से लुढ़ककर वीयूसी नगर की सड़क पर बने घरों पर गिरी जिससे 2 घर जमींदोज हो गए। 7 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। लापता लोगों के नाम राजकुमार, मीना, गौतम, इनिया, राम्या, विनोदिनी और महा भी लापता हैं। एनडीआरएफ हाईड्रोलिक लिफ्ट से चट्टान हटाने की कोशिश कर रही है।

तूफान फेंगल रविवार को कमजोर पड़ गया था। इसके असर से हुई मूसलाधार बारिश से 3 लोगों की मौत हो गई। पुडुचेरी जिले में 24 घंटे में 49 सेमी बारिश हुई। यह 20 साल की सबसे अधिक बारिश है। शहरी इलाकों में पानी भरने से सेना को बुलाया गया। सेना ने 200 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। एक हजार लोगों को राहत शिविरों में भी पहुंचाया गया है।

फेंगल तूफान-कहां क्या असर :

> **तेलंगाना :** 10 जिलों में आंधी-तूफान की चेतावनी- सोमवार को तेलंगाना के 10 जिलों में आंधी-तूफान की आशंका जताते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। इनमें जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा और जनगांव में तेज हवाओं और भारी बारिश की संभावना है।

> **केरल :** 8 जिलों में रेड अलर्ट : एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर और पलक्कड़ के लिए बहुत भारी वर्षा की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि पथानामथिट्टा, अलप्पुझा और कोट्टायम के लिए भारी बारिश का यलो अलर्ट है। इडुक्की बारिश के कारण कुमिली से सबरीमाला तक मुक्कुझी-सत्रम वन मार्ग पर तीर्थयात्रियों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है।

> **कर्नाटक :** स्कूल-कॉलेज बंद, ठंड बढ़ने के आसार- बेंगलुरू में बारिश का अनुमान है। चामराजनगर में 2 दिसंबर को एग्जाम वाले डिग्री कॉलेजों को छोड़कर स्कूल और कॉलेज बंद करने की घोषणा की गई है।

यूएस में ट्रंप प्रशासन का आना व्यापारिक नजरिए से महत्वपूर्ण : जयशंकर

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के भागीदारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका में दूसरी बार ट्रंप प्रशासन का आना व्यापार के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण बदलाव है और इस पर चर्चा होना भी स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि अगल-अलग देशों की पहले की सरकार के अनुभवों से ही अगली सरकार के बारे में नीति तैयार की जाती है।

जयशंकर ने कहा, भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक सहयोग समय के साथ और गहरा हुआ है। दोनों देशों ने एक ऐसा माहौल बनाया है, जिसमें अधिक सहयोग की संभावनाओं की तलाश की जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापारिक संबंध में हमेशा कुछ न कुछ समझौते होंगे और यह जरूरी है कि दोनों देशों के लिए लाभकारी समझौते बनाए जाएं। विदेश मंत्री ने यह भी कहा, भारत जितना अधिक योगदान देगा, उतने ही हमारे संबंध मजबूत होंगे।

दिल्ली में पाबंदियां लागू रहेंगी

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में जीआरएपी-IV को 5 दिसंबर तक बढ़ा दिया। जस्टिस अभय ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा, 5 दिसंबर तक एक्यूआई लेवल में गिरावट देखने के बाद ही जीआरएपी-IV उपायों में ढील दी जाएगी। इसके साथ ही कोर्ट ने एनसीआर राज्यों दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और यूपी के मुख्य सचिवों को 5 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा, सचिवों को बताना पड़ेगा कि जीआरएपी-IV उपाय लागू होने के बाद कितने कंस्ट्रक्शन मजदूरों को भुगतान दिया गया।

सर्वदलीय बैठक में बनी बात, आज से संसद में थमेगा हंगामा!

13-14 दिसंबर को संविधान पर चर्चा

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत से ही विपक्ष अपने तमाम मुद्दों को लेकर हंगामा कर रहा है, वहीं उसका आरोप है कि सत्ता पक्ष की तरफ से उनकी मांगें न माने जाने के कारण संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल पा रही है। जिसकी वजह से संसद के महत्वपूर्ण छह दिन हंगामे की भेंट चढ़ गए। इसे लेकर आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तमाम दलों के साथ एक बैठक भी की है। इस बैठक में टीडीपी के लवू श्री कृष्ण देवरायलू, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई, डीएमके सांसद टी आर बालू, एनसीपी-एसपी सांसद सुप्रिया सुले, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव, जेडी(यू) के दिलेश्वर कामैत, आरजेडी के अभय कुशवाह, टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत और सीपीआई(एम) के राधाकृष्णन शामिल हुए। वहीं इस बैठक में दोनों पक्षों (सरकार और विपक्ष) में गतिरोध खत्म करने के साथ संविधान पर बहस की सहमति बन गई है। इस बैठक के बाद जानकारी देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि, आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सर्वदलीय फ्लोर लीडर्स की बैठक हुई। कुछ दिनों से संसद में गतिरोध चल रहा है, सभी ने इस पर अपनी चिंता व्यक्त की है। हमने भी कहा कि सभी चुने हुए प्रतिनिधि भारत की संसद में अपनी बात रखने आते हैं और पिछले कई दिनों से संसद का न चलना ठीक नहीं है।

'हमने आपको जमानत दी और अगले दिन आप मंत्री बन गए'

> सुप्रीम कोर्ट ने सेंथिल बालाजी से जताई नाराजगी

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। डीएमके नेता वी सेंथिल बालाजी को कैश-फॉर-जॉब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत मिलने के कुछ दिनों बाद तमिलनाडु सरकार में मंत्री बनाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी हैरानी जताई। सोमवार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गवाहों पर दबाव बनाने की आशंका जताने वाली याचिका पर सुनवाई की सहमति दे दी। हालांकि, जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने बालाजी को जमानत देने के सुप्रीम कोर्ट के 26 सितंबर के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

सेंथिल बालाजी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें :

बालाजी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी अदालत में पेश हुए। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि, हमने आपको जमानत दी और कुछ दिनों बाद आप मंत्री बन गए। कोई भी व्यक्ति ये सोच सकता है कि अब वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री के रूप में गवाहों पर दबाव होगा। ये क्या हो रहा है? न्यायमूर्ति ओका ने आगे कहा कि अदालत जमानत के फैसले पर कोई नोटिस जारी नहीं करेगी, लेकिन इस पर सुनवाई होगी कि क्या अब गवाहों पर दबाव होगा। पीठ ने इस मामले पर सुनवाई के लिए 13 दिसंबर की तारीख तय की है। गौरतलब है कि कैश फॉर जॉब घोटाले के शिकायतकर्ताओं में से एक के विद्या कुमार ने ताजा याचिका दायर की है और इस बात पर सवाल उठाए कि जमानत मिलने के तुरंत बाद बालाजी को कैबिनेट मंत्री बना दिया गया। सर्वोच्च अदालत ने बीती 26 सितंबर को ही डीएमके के नेता सेंथिल बालाजी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दी थी। जमानत मिलने के तुरंत बाद 29 सितंबर को सेंथिल बालाजी को फिर से डीएमके सरकार में कैबिनेट मंत्री बना दिया गया। तमिलनाडु की करूर सीट से विधायक सेंथिल बालाजी को बीते साल 14 जून को ईडी ने गिरफ्तार किया था।

लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और अन्य किसान नेताओं से कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने किसान नेताओं से कहा कि वे प्रदर्शनकारी किसानों को राजमार्गों को बाधित न करने और लोगों को असुविधा न पहुंचाने के लिए मनाएं। दरअसल किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने सुप्रीम कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। इस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की सदस्यता वाली पीठ ने सुनवाई की।

पीठ ने कहा कि हमने देखा कि उन्हें (डल्लेवाल) रिहा कर दिया गया है और उन्होंने शनिवार को एक साथी प्रदर्शनकारी को भी आमरण अनशन समाप्त करने के लिए राजी किया है। पीठ ने कहा कि किसानों द्वारा उठाए गए मुद्दों को अदालत ने नोट कर लिया है और इन पर विचार किया जा रहा है। पीठ ने याचिकाकर्ता डल्लेवाल की वकील से कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में आप शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं, लेकिन इससे लोगों को असुविधा नहीं होनी चाहिए।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को शुभेंदु की चेतावनी

पेट्रापोल (पश्चिम बंगाल), 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार को लेकर पूर्वी राज्य पश्चिम बंगाल में भी आक्रोश देखने को मिल रहा है। इस बीच, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने पड़ोसी देश की अंतरिम सरकार को चेतावनी दी कि अगर उनके यहां अल्पसंख्यक हिंदुओं और उनकी संस्थाओं पर हो रहे हमलों को नहीं रोका गया, बंगाल की जमीनी सीमा से बांग्लादेश को निर्यात पर अनिश्चितकाली प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

शुभेंदु अधिकारी ने पेट्रापोल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक विरोध सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से व्यापार पर चरणबद्ध तरीके से प्रतिबंध लगाया जाएगा, जिससे बांग्लादेश भारत से जरूरी वस्तुओं पर निर्भर होगा। इस कार्यक्रम में भाजपा के अन्य नेताओं ने भी भाग लिया। हालांकि, वे पार्टी के निशान के बिना यहां मौजूद रहे।

कर संग्रह में दखल कम और तकनीक का हो इस्तेमाल : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि कर संग्रह को कम दखल वाला बनान के लिए प्रयास किए जाने चाहिए और इस प्रक्रिया में तकनीकी का अधिक इस्तेमाल करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि कर प्रशासन के क्षेत्र में नए विचार और समाधान लाने की जिम्मेदारी युवा अधिकारियों पर है। मुर्मू यहां राष्ट्रपति भवन में भारतीय राजस्व सेवा (शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रहीं थीं।

कराधान विकास के लिए जरूरी

राष्ट्रपति ने कहा कि कराधान केवल देश की आय बढ़ाने का एक तरीका नहीं है। बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है।

देश के नागरिकों के करों का उपयोग देश और उसके लोगों के विकास के लिए किया जाता है। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि अगर वे अपने काम को समर्पण और निष्ठा से करेंगे, तो वे देश के विकास में महान योगदान दे सकेंगे। मुर्मू ने कहा कि इस नए और बदलते दौर में कर संग्रह में कम दखल और अधिक तकनीकी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

राष्ट्र निर्माण में आईआरएस अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण

उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय राजस्व सेवा (शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) देश की अर्थव्यवस्था को एक समान प्रणाली और साझा प्रशासनिक मूल्यों के जरिए जोड़ती है और यह सेवा देश में कर प्रशासन की बराबरी को बढ़ावा देती है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि यह सेवा देश के संसाधनों का उपयोग आर्थिक विकास, ढांचा निर्माण, सामाजिक-आर्थिक योजनाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन करती है, जिससे स्पष्ट होता है कि आईआरएस अधिकारियों की भूमिका राष्ट्र निर्माण में कितनी महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रपति ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि अपने प्रशासनिक दायित्वों को निभाने के लिए उन्हें ऐसी प्रणालियों और प्रक्रियाओं को विकसित करना चाहिए, जो पारदर्शी हों और जवाबदेही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आईआरएस अधिकारी केंद्र सरकार, व्यवसाय और विभिन्न राज्यों में कर प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

'बांग्लादेश में शांति के लिए यूएन से मदद लेने की अपील'

कोलकाता, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में फिलहाल तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं। इस पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चिंता जताई है। उन्होंने सोमवार को केंद्र से पड़ोसी देश में शांति लाने के लिए संयुक्त राष्ट्र से संपर्क करने का आग्रह किया। इसके साथ ही विदेशी धरती पर सताए गए भारतीयों को वापस लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने यह भी मांग की कि विदेश मंत्री को बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति पर भारत के रुख से संसद को अवगत कराना चाहिए।

सीएम ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी खुद यह काम करने के लिए उपलब्ध नहीं हैं तो विदेश मंत्री को मौजूदा शीतकालीन सत्र के दौरान इस पर बात रखनी चाहिए। दिन के सत्र के पहले चरण के दौरान विधानसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर टिप्पणी करना उनके अधिकार क्षेत्र से परे है।

अकाल तख्त से सुखबीर बादल को टॉयलेट धोने की सजा

राम रहीम को माफ करने समेत 4 आरोप, पूर्व सीएम प्रकाश सिंह से सम्मान छीना

अमृतसर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को 9 साल पहले माफी देने और केस वापस लेने के मामले में श्री अकाल तख्त साहिब ने सोमवार को पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल को बर्तन धोने और टॉयलेट साफ करने की सजा सुनाई। उन्हें गोल्डन टेंपल में 2 दिन सेवा करनी होगी। इसी मामले में पंजाब के पूर्व सीएम स्वर्गीय प्रकाश सिंह बादल से पंथ रत्न 'फख्र ए कौम सम्मान' वापस लिया जाएगा।

श्री अकाल तख्त के प्रमुख जत्थेदार रघबीर सिंह ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर परिसर में यह सजा सुनाई। राम रहीम मामले में श्री अकाल तख्त में 5 सिंह साहिबानों की बैठक हुई, जिसमें उन्हें और शिरोमणि अकाली दल सरकार के दौरान अन्य कैबिनेट सदस्यों को धार्मिक दुराचार के आरोपों के लिए सजा सुनाई गई। इस मामले में 30 अगस्त 2024 को सुखबीर सिंह बादल को श्री अकाल तख्त ने 'तनखैया' (धार्मिक दुराचार का दोषी) घोषित किया था। सुखबीर को श्री दरबार साहिब (गोल्डन टेंपल) के घंटाघर के बाहर ड्यूटी करनी होगी। इस दौरान उनके गले में तख्ती और हाथ में बरछा रहेगा। ये सजा उन्हें 2 दिन के लिए दी गई है। इसके बाद 2 दिन श्री केशगढ़ साहिब, 2 दिन श्री दमदमा साहिब तलवंडी साबो, 2 दिन श्री मुक्तसर साहिब और 2 दिन श्री फतेहगढ़ साहिब में सेवादारों वाला चोला पहनकर हाथ में बरछा लेकर ड्यूटी करेंगे। जत्थेदार ने कहा कि सुखबीर इन साहिबों में ड्यूटी के बाद एक-एक घंटा लंगर घर में जाकर संगत के जूठे बर्तन साफ करेंगे। साथ ही एक घंटा बैठकर कीर्तन सुनना होगा और श्री सुखमणि साहिब का पाठ करना होगा। बाथरूम साफ करने की सजा सुखबीर बादल को सुनाई गई, पर चूंकि उनके पैर में फ्रैक्चर है इसलिए उन्हें इससे छूट भी दे दी गई है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने किसानों की समस्या के समाधान पर दिया जोर, कहा-मेरे दरवाजे 24 घंटे खुले हैं

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के भारत मंडपम में राजा महेंद्र प्रताप की 138वीं जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम हुआ। इसमें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किसानों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्या का समाधान करने के लिए मेरे दरवाजे 24 घंटे खुले हैं। उन्होंने किसानों की समस्याओं को राष्ट्रीय विकास की प्रगति में एक प्रमुख बाधा बताया। उन्होंने कहा कि टकराव पूर्ण रुख एक खराब कूटनीति है। किसानों और सरकार के बीच समाधान के लिए चर्चा और संवाद को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यदि भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनना है, तो किसानों को संतुष्ट करना और उनकी समस्याओं का हल निकालना एक पहला शर्त है।

हम अपनों को धोखा नहीं देते :

राजा महेंद्र प्रताप की 138वीं जयंती के अवसर पर रविवार को उन्होंने कहा, हमें याद रखना चाहिए कि हम अपनों से नहीं लड़ते हैं, हम अपनों को धोखा नहीं देते हैं। धोखा दुश्मन के लिए है, जबकि हमारे अपने को गले लगाना है। कोई कैसे चैन से सो सकता है जब किसानों के मुद्दों का तेजी से समाधान नहीं हो रहा है?

धनखड़ ने किसानों की चिंताओं को दूर करने के लिए पहले से ही चर्चा में शामिल होने के लिए कृषि मंत्री शिवराज चौहान की भी सराहना की। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि सरकार सक्रिय रूप से समाधान पर काम कर रही है, लेकिन उनसे तेजी से समाधान के लिए रचनात्मक बातचीत में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने टकराव के रवैये को समाप्त करने और कूटनीति और आपसी सम्मान की वकालत करने का आह्वान करते हुए कहा, हमें खुले तौर पर सोचने और खुली चर्चा में शामिल होने की जरूरत है क्योंकि यह देश हम सभी का है। उपराष्ट्रपति ने कहा, हमें समाधान के लिए खुला रहना होगा, चर्चा के लिए खुला रहना होगा, क्योंकि यह देश हमारा है, देश ग्रामीण परिवेश से प्रभावित है और मैं चाहता हूं कि मेरे किसान भाई जहां भी हैं और जो भी आंदोलन में सक्रिय हैं, मेरी बात उन तक पहुंचे।

नौसेना प्रमुख बोले-अगले महीने होगा 26 राफेल मरीन का सौदा

पुरी, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। नेवी चीफ एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने सोमवार को बताया कि फ्रांस के साथ नेवी वैरिएंट वाले 26 राफेल-एम (मरीन) की डील फाइनल होने वाली है। इसके साथ ही 3 स्कॉर्पीन सबमरीन की डील पर भी बातचीत लास्ट स्टेज में है। जनवरी 2025 तक डील पक्की होने की संभावना है।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा कि आने वाले 10 सालों में भारतीय नौसेना में 96 जहाज और पनडुब्बियां शामिल की जाएंगी। 62 जहाज और एक सबमरीन अभी अंडर कंस्ट्रक्शन हैं। दिसंबर 2025 तक हर महीने एक जहाज नौसेना के बेड़े में शामिल किया जाएगा। जुलाई 2023 में रक्षा मंत्रालय ने फ्रांस से राफेल-एम जेट विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी, जिसे स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाएगा। पाकिस्तान के 50 जहाजों वाले नौसैनिक बेड़े के सवाल पर एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को देखकर हैरानी होती है कि उन्हें जहाज-सबमरीन कैसे मिल रहे हैं। हम चीन-पाकिस्तान से होने वाले हर संभावित खतरे से निपटने के लिए तैयार हैं। नेवी चीफ ने बताया कि भारत में बनी पहली न्यूक्लियर पावर्ड सबमरीन (एसएसएन) 2036-37 तक कमिशन हो जाएगी। इसके निर्माण के लिए 2 महीने पहले ही सरकार से मंजूरी मिली थी। पहली सबमरीन के कमीशन होने के दो साल के अंदर दूसरी सबमरीन को भी कमिशन कर दिया जाएगा। भारतीय नेवी ऐसी 6 सबमरीन बनाएगी। न्यूक्लियर पावर्ड स्ट्राइक सबमरीन लंबे समय तक पानी के अंदर रह सकती है। इसके अलावा भारत के पास डीजल इलेक्ट्रिक और डीजल समबरीन हैं। डीजल-इलेक्ट्रिक सबमरीन को दिन में कम से कम एक बार बैटरी चार्ज करने के लिए पानी की सतह पर लाना पड़ता है।

संभल जाने से रोकने पर कांग्रेसियों और पुलिस में झड़प

अजय राय बोले-प्रतिबंध हटने के बाद जाएंगे

लखनऊ, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय आज संभल जाने का प्रयास कर रहे हैं। उनके साथ दर्जनों कांग्रेस नेता वहां जाने के लिए पहुंचे हैं। पुलिस ने उन्हें पार्टी कार्यालय के गेट पर ही रोक लिया । कार्यकर्ता पुलिस व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हंगामा कर रहे हैं। पुलिस के अलावा दो गाड़ी पीएसी भी बुलाई गई थी।

संभल जाने से रोकने पर कार्यकर्ताओं और पुलिस में हल्की झड़प भी देखने को मिली। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय धरने पर बैठ गए। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए हंगामा किया। अजय राय ने कहा कि जब भी प्रतिबंध हटेगा तो कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल संभल जरूर जाएगा। हम संभल जाकर वहां की स्थिति की अपने स्तर पर जांच करेंगे।

यह भी खुलासा करेंगे कि पुलिस प्रशासन के लोग किस तरह से गलत जांच रिपोर्ट पेश करते हैं। अजय राय ने कहा कि जब भी प्रतिबंध हटेगा तो कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल संभल जरूर जाएगा। हम संभाल जाकर वहां की स्थिति का अपने स्तर पर जांच करेंगे और यह भी खुलासा करेंगे कि पुलिस प्रशासन के लोग किस तरह से गलत जांच रिपोर्ट पेश करते हैं। कांग्रेस ने इसकी तैयारी पहले से कर ली थी। रविवार की रात पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यालय में ही रात बिताई। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से नेता रविवार की शाम को ही लखनऊ पहुंच गए थे, ताकि सभी सोमवार की सुबह एक साथ रवाना हो सकें। संभल जाने के लिए निकलने से पहले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पार्टी कार्यालय पर गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद वह संभल जाने के लिए निकले। पुलिस ने उन्हें गेट पर ही रोक लिया। उधर प्रशासन ने दस दिसंबर तक संभल आने पर रोक लगा रखी है। बीते दिनों सपा के कई नेताओं ने वहां जाने के कोशिश की थी। सपा विधानमंडल दल के नेता और प्रदेश अध्यक्ष को वहां जाने से रोक दिया गया था। इकरा हसन सहित कुछ और सांसदों को भी वहां नहीं जाने दिया गया था।

कांग्रेस पार्टी मुख्यालय पर भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात

कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधिमंडल संभल में मारे गए परिवार वालों से मिलने के लिए जाने की तैयारी कर रहा था। उधर सुबह ही पुलिस भारी मात्रा में कार्यालय के बाहर पहुंच गई थी। कार्यालय की तरफ जाने वाले मार्गों पर रोक लगा दी गई है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल यादव ने कहा कि संभल की घटना सरकार द्वारा कराई गई सुनियोजित घटना है। सपा को सरकार द्वारा गठित की गई न्यायिक टीम पर भरोसा नहीं है। वर्तमान सीनियर न्यायाधीशों की निगरानी में जांच होनी चाहिए। सरकार मुस्लिम समाज के लोगों का मनोबल गिराने का काम कर रही है। भाजपा सरकार में बैठे लोग सुबह से शाम तक केवल झूठ बोलने का कार्य कर रहें हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार प्रदेश में विकास कराने में नाकाम साबित हो रही है। सरकार प्रदेश में केवल और केवल दंगे कराने का काम कर रही है। जबकि सरकार में बेईमानी व भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। इस पर कोई बोलने वाला नहीं है। प्रदेश में भाजपा का पुरजोर विरोध केवल सपा कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में महंगी बिजली है। जितनी बिजली देने का वादा किया था, वो प्रदेश में किसी को नहीं मिल रही है। ऊपर से जनता से अधिक वसूली और की जा रही है। इतना ही नहीं प्रदेश में किसानों को खाद नहीं दे पा रही है।

पप्पू यादव को धमकी देने वाला बिहार पुलिस के हत्थे चढ़ा

खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बताया था

पूर्णिया, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के एकमात्र निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को हत्या की धमकी देने वाले आरोपी को बिहार पुलिस की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। वह पटना में नहीं बल्कि आरा में छिपा था। बिहार पुलिस ने वैज्ञानिक अनुसंधान के जरिए उसे ढूंढ निकाला। उसकी पहचान आरा के डुमरिया शाहपुर निवासी राम बाबू राय के रूप में हुई है। एक दिन पहले ही उसने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया था। पप्पू यादव को हत्या की धमकी दी थी। इसके बाद पप्पू यादव ने इसकी शिकायत पूर्णिया पुलिस से की।

विशेष टीम का गठन

पूर्णिया एसपी ने फौरन संज्ञान लिया और जांच करवाई। जांच में मामला सही पाया गया। इसके बाद वीडियो भेजने वाले की तलाश शुरू की गई। पता चला कि राम बाबू राय नाम के आरोपी ने पूर्णिया सांसद को धमकी दी है। उसने पटना पहुंचने का दावा किया था। लेकिन, उसका आईपी एड्रेस भोजपुर जिले में मिला। इसके बाद रामबाबू की गिरफ्तारी के विशेष टीम का गठन किया गया। भोजपुर पुलिस की मदद से उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पूर्णिया पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से उसका क्या संबंध है? इसकी भी जांच चल रही है।

लॉरेंस भाई से माफी मांग लें, नहीं तो...

बता दें कि एक दिसंबर को आरोपी राम बाबू राय ने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के बिहार टीम का सदस्य बताते हुए निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को 5 से 6 दिन के भीतर जान से मारने की धमकी दी थी। 7480840395 व्हाट्सएप नंबर से धमकी देते हुए राम बाबू राय ने कहा था कि पप्पू यादव को 5 से 6 दिन में खत्म का आर्डर मिला है, हम लोग उसे जल्द मारेंगे। हम पटना पहुंच चुके हैं। राम बाबू राय ने सांसद के व्हाट्सएप नंबर पर ऑडियो कॉल भेजकर कहा था कि -'पप्पू यादव से कहिए कि वो लॉरेंस भाई से माफी मांग लें। अगर वो माफी नहीं मांगते हैं, तो हम लोग उन्हें मारकर ही दम लेंगे। हम जिस मिशन पर आए हैं उसे किसी भी कीमत पर पूरा करेंगे।

वजूखाना सर्वे मामले में सुनवाई टली

अब 10 दिसंबर को होगी ज्ञानवापी पर सुनवाई

प्रयागराज, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बनारस स्थित ज्ञानवापी परिसर में कथित वजूखाने के एएसआई सर्वे की मांग वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई नहीं हो सकी। ज्ञानवापी से संबंधित मामले में न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की कोर्ट लंच के बाद सुनवाई के लिए नहीं बैठी। सुनवाई की अगली तिथि 10 दिसंबर को दोपहर दो बजे नियत की गई है।

याचिका में ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाना क्षेत्र की एएसआई सर्वे कराने की मांग की गई है।

पिछली सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष के वकील सौरभ तिवारी की दलील दी थी कि कथित वजूखाना की एएसआई सर्वे से ही विवादित स्थल के धार्मिक चरित्र का निर्धारण सुनिश्चित होगा। वहीं मुस्लिम पक्ष की दलील है कि सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थित बनाए रखने का आदेश दिया है। इसपर हिंदू पक्ष की दलील है कि सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ शिवलिंग के सर्वे पर रोक लगाई है न कि पूरे वजूखाना की। 22 अक्तूबर को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष से कहा था कि स्पष्ट करिए कि किस भाग का व कितने क्षेत्र का सर्वे चाहते हैं। इस पर हिंदू पक्ष ने ई फाइलिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण तस्वीर, कागजात शपथपत्र के साथ न्यायालय में दाखिल किया। साथ ही सभी पक्षकारों को शपथपत्र की प्रति उपलब्ध कराई गई है।

लखनऊ में नाइट शिफ्ट में नर्स से रेप

लखनऊ, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के प्राइवेट अस्पताल में नाइट शिफ्ट के दौरान नर्स से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी हॉस्पिटल का ही ओटी टेक्निशियन है। आरोप है कि मेडिकल सामान लेने के बहाने वह नर्स को स्टोर रूम में ले गया। वहां मुंह दबाकर दबोच लिया और रेप किया। घटना ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के एसकेवाई हॉस्पिटल का है। पीड़िता का आरोप है कि रेप के बाद ओटी टेक्निशियन ने जान से मारने की धमकी दी।

अगले दिन जब इसकी शिकायत अस्पताल के मालिक से की तो उसने गंदे सवाल पूछे और बेइज्जत करके पीड़िता को नौकरी से निकाल दिया। शनिवार को नर्स ने पुलिस केस दर्ज कराया और मामले की जांच शुरू की गई।

टोल वसूली भाजपाइयों के जेब में न जाकर सड़क के गड्ढे भरने और रखरखाव में काम आए : अखिलेश यादव

लखनऊ, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रोड सेफ्टी के बहाने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि टोल वसूली भाजपाइयों के जेब के गड्ढे न भरकर सही में सड़क के गड्ढे भरने और रखरखाव में काम आए।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से रोड सेफ्टी कार्यक्रम की तस्वीर शेयर करते हुए भाजपा पर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने लिखा कि रोड सेफ़्टी' मतलब 'सड़क सुरक्षा' कार्यक्रम में 80 प्रतिशत दुर्घटनाओं के मूल कारण में भ्रष्टाचार होता है। अगर पीडब्ल्यूडी में करप्शन खत्म हो जाए तो सड़क सही बनेंगी, चेतावनी चिन्ह सही होंगे। स्पीड ब्रेकर बनेंगे, गाड़ी बेक्रर नहीं। उन्होंने आगे लिखा कि अगर आरटीओ में करप्शन खत्म हो जाए तो सही गाड़ियां ही चलेंगी, अनफिट नहीं। सही में गाड़ी चलाना सीखे हुए लोगों को ही ड्राइविंग लाइसेंस मिलेगा। अगर ट्रैफिक पुलिस में करप्शन खत्म हो जाए तो वो चौराहों पर खड़े होकर नियमों का पालन करवाएंगे, न कि कोने में छिपकर नियम तोड़ने का इंतज़ार करेंगे। अब तो गूगल पर किसी और नंबर पर पैसे से ले लेते हैं। भाजपा राज में डिजिटल इंडिया का ये अजब इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने लिखा कि सबसे बड़ी बात ये है कि अगर टोल वसूली भाजपाइयों के जेब के गड्ढे न भरकर सही में सड़क के गड्ढे भरने और रखरखाव में काम आए और सत्ता में बैठे लोग अगर ज़रा भी ईमानदारी बरतते हुए टेक्नोलॉजी का सही इस्तेमाल करें तो मीडिया को रोड सेफ्टी पर कार्यक्रम नहीं करने पड़ेंगे और सच्चे मीडिया वाले संविधान सेफ्टी, लोकतंत्र सेफ्टी, सामाजिक न्याय सेफ्टी, जस्टिस सेफ्टी समानता सेफ्टी और मीडिया सेफ्टी जैसे दूसरे विषयों पर भी कुछ ऐसे प्रोग्राम कर सकेंगे।

सपा मुखिया ने लिखा कि रोड सेफ़्टी' के लिए ट्रैफ़िक नियमों को बचपन से ही पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर, उनमें जीवन के मूल्य के लिए चेतना जगाकर, जनता को रचनात्मक तरीके से समझाकर ही सार्थक परिणाम निकाले जा सकते हैं।

शातिरों ने ऑनलाइन सीखी करामात : अंतरराज्यीय कार चोर गिरोह का पर्दाफाश, छह कारें बरामद-दो आरोपी गिरफ्तार

मुरादाबाद, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद पुलिस ने अंतरराज्यीय कार चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की छह कारें, एक तमंचा, एक कारतूस, सात मोबाइल फोन, दो वाई-फाई डिवाइस, कार की दस चाबियां और लॉक तोड़ने के उपकरण बरामद किए गए हैं।

एसपी सिटी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजू सिंह उर्फ योगेश, निवासी संजय नगर, हरिद्वार और सरताज अहमद, निवासी भवानी नगर, मेरठ के रूप में हुई है।

सिविल लाइंस थाने में रोहित कुमार ने अपनी सफेद ब्रेजा कार (यूपी 23 एए 9832) चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। विवेचना के आधार पर एक दिसंबर की रात रामगंगा नदी के पास पीएम हाउस के सामने से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। मौके से तीन अन्य आरोपी फरार हो गए। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वह पुरानी गाड़ियों के कागजात का इस्तेमाल कर उन्हीं मॉडल की गाड़ियां चुराते थे। आरोपी चोरी की गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन नंबर, इंजन और चेसिस नंबर बदलकर फर्जी कागजात तैयार करते थे। इन गाड़ियों को फाइनेंस की बताकर भोले-भाले लोगों को बेच दिया जाता था। आरोपियों का साथी अनिल पंवार फर्जी दस्तावेज बनाने में माहिर है और उसने यूट्यूब से इसे सीखा है। गिरोह के तीन अन्य सदस्य अनिल पंवार, रिंकू और आशु उर्फ आस मोहम्मद अब भी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की छह गाड़ियां, जिनमें चार मारुति ब्रेजा और दो मारुति स्विफ्ट शामिल हैं। इसके अलावा सात मोबाइल, दो वाई-फाई डिवाइस, दस कार की चाबियां, एक तमंचा, कारतूस और लॉक तोड़ने के उपकरण बरामद किए। गिरफ्तार आरोपी राजू सिंह उर्फ योगेश के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें गाजियाबाद, हरिद्वार और मुरादाबाद में दर्ज मामले शामिल हैं। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

प्रयागराज, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बस की टक्कर से दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फाफामऊ क्षेत्र के मोरहूं गांव का मिथिलेश उर्फ कल्लू यादव (40) पुत्र भोला यादव ठेले पर अंडा लगाकर अपने परिवार का गुजर बसर करता था। वह सोमवार को अपने साथी गद्दोपुर निवासी लालचंद्र (38) पुत्र रामनाथ के साथ घर से बीबीएस इंजीनियरिंग कॉलेज की ओर जा रहा था। शहर की ओर जा रही रोडवेज बस ने बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे दोनों छिटककर सड़क पर जा गिरे। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। मिथिलेश यादव की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल लालचंद्र को फाफामऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उसे एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया।

यूपी कॉलेज के छात्रों ने फूंका वक्फ बोर्ड का पुतला

वाराणसी, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। वाराणसी के यूपी कॉलेज के छात्र वक्फ बोर्ड के खिलाफ आंदोलित हैं उनका गुस्सा थमता नजर नहीं आ रहा। आज छात्रों ने यूपी कॉलेज परिसर में मार्च निकाला और वक्फ बोर्ड बोर्ड का पुतला फूंककर विरोध दर्ज किया। मामले पर गौर करें तो वर्ष 2018 में वसीम अहमद द्वारा परिसर में स्थित मस्जिद सहित पूरे कॉलेज को वक्फ संपत्ति होने का दावा करते हुए वक्फ बोर्ड कार्यालय को आवेदन दिया गया।

बाद में वक्फ बोर्ड ने कॉलेज प्रबंधन को नोटिस भेजकर इस पूरे परिसर की संपत्ति वक्फ बोर्ड की होने का दावा किया। इस नोटिस का जवाब देते हुए यूपी कॉलेज प्रबंधन ने बातों को भ्रामक और निराधार बताया। कहा कि कॉलेज परिसर की जमीन ट्रस्ट की रही है जिसके न खरीदा जा सकता है।

अफेयर में 9वीं के छात्र का कत्ल-गांव में तनाव

प्रयागराज, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज के उतरांव थाना क्षेत्र के सराय इस्माइल लाला का पूरा में शनिवार रात नौवीं के छात्र की प्रेम प्रसंग में फावड़े से प्रहार कर हत्या कर दी गई। इससे पहले गला भी दबाया गया था। घर से करीब 200 मीटर दूर खेत में उसका शव मिला। मौके से प्रेमिका के पिता का मोबाइल फोन, चप्पल और फावड़ा बरामद किया गया है। मामला दो समुदायों से जुड़ा होने के कारण गांव में तनाव है। पुलिस तैनात की गई है।

सराय इस्माइल लाला का पूरा निवासी अश्वनी कुमार यादव सैदाबाद फीडर में मीटर रीडर के पद पर तैनात हैं। शनिवार को उनका बेटा शैलेश कुमार यादव (15) गांव में ही 13वीं भोज में शामिल होकर घर लौटा। लेकिन फिर कहीं चला गया। कुछ देर बाद जब नहीं आया तो परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। वे खोजबीन करने लगे। रात 10 बजे घर के समीप खेत में शैलेश का खून से लथपथ शव मिला। सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। हत्या की सूचना पर एसीपी हंडिया सुनील कुमार सिंह, उतरांव पुलिस के अलावा सराय ममरेज की पुलिस भी पहुंच गई। मौके की फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड ने जांच की व सैंपल लिए। शव को रात में ही पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मौके से कीपैड वाला मोबइाल फोन, एक जोड़ी चप्पल और फावड़ा बरामद हुआ, जो पड़ताल करने पर शैलेश के पड़ोसी का निकला। इसके बाद पुलिस ने उसके परिवार के पांच सदस्यों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। मृतक के पिता अश्विनी कुमार यादव की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। शैलेश मोतिहां स्थित पब्लिक इंटर कॉलेज में नौवीं का छात्र था। तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। किशोरी भी उसके साथ ही पढ़ती है।

हत्या से गांव में तनाव...कई परिवार घर छोड़कर भागे

उतरांव थाना क्षेत्र के सराय इस्माइल लालपुर गांव में शैलेश कुमार यादव की हत्या के बाद तनाव का माहौल है।

एंटी करप्शन टीम ने रिश्वत लेते पेशकार को रंगे हाथ दबोचा

सुल्तानपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सुल्तानपुर में जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र के पारसपट्टी गांव निवासी अल्लादीन का एसडीएम के न्यायलय पर काफी दिनों से जमीन बंटवारे का मुकदमा चल रहा है। मुकदमे में स्टे दिलाने के लिए पेशकार समरजीत पाल रिश्वत की मांग कर रहे थे। इसकी शिकायत अल्लादीन ने एंटी करप्शन टीम से की थी। शिकायत पर एंटी करप्शन की टीम ने रिश्वतखोर पेशकार को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। सोमवार को प्लान के अनुसार शिकायतकर्ता को पेशकार को पैसा देने के लिए भेजा। पैसा लेते समय ही टीम ने पेशकार को रंगे हाथ धर लिया।

शराब बरामदगी मामले में थानाध्यक्ष समेत 3 निलंबित

आरा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भोजपुर के धोबहां थाना क्षेत्र से शराब बरामदगी के मामले में आखिरकार थानाध्यक्ष संजीव कुमार राम पर निलंबन की गाज गिर गई। पुलिस अधीक्षक राज ने अवैध शराब संबंधित मामले में लापरवाही के आरोप में थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। निलंबन पुलिस कर्मियों में धोबहां थानाध्यक्ष संजीव कुमार राम, प्रशिक्षु दारोगा चंद्र प्रकाश पंडित एवं गृह रक्षक घनश्याम कुमार शामिल है। वहीं, गृह रक्षक पर अनुबंध रद्द करने की कार्रवाई की जा रही है। इसकी जानकारी भोजपुर पुलिस अधीक्षक राज ने दी है। बताया जाता है कि धोबहां क्षेत्र अंतर्गत शराब बरामद किया गया था।

साथ ही एक धंधेबाज को भी पकड़ा गया, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे छोड़ दिया था। उसी के आलोक में पुलिस अधीक्षक राज के पास लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद एसपी ने एक टीम का गठन किया। गठित टीम ने जांच के बाद अपना मंतव्य पुलिस अधीक्षक राज को सौंपा। जांच में अवैध शराब प्रकरण मामले में सही पाया गया। इसके बाद सपा राज ने शराब संबंधित मामले में लापरवाही के आरोप में थानाध्यक्ष धोबहां प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक को निलंबित एवं एक गृह रक्षक का अनुबंध रद्द की कार्रवाई की गई है।

8 साल के बच्चे की अपहरण कर हत्या

आगरा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। आगरा में 8 साल के बच्चे की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। बच्चा 3 दिन से लापता था। सोमवार सुबह घर के पीछे बंद बोरे में उसका शव मिला। बच्चे के शरीर पर गहरी चोट के निशान मिले हैं।

पड़ोसियों का कहना है कि बच्चे के माथे पर तिलक लगा हुआ है। एक दिन पहले अमावस्या थी। कहीं ऐसा तो नहीं कि किसी ने तंत्र-मंत्र के चक्कर में बच्चे की हत्या की गई हो। हालांकि, घरवालों ने रंजिश के चलते हत्या की आशंका जताई है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई है। फोरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर जांच-पड़ताल कर रही है।

प्रयागराज : महाकुंभ 2025 की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी

प्रयागराज, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज की पावन धरती पर 12 वर्षों बाद 2025 में महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होगा। महाकुंभ की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। आधिकारिक अनुमान के अनुसार, महाकुंभ मेले में लगभग 43 करोड़ तीर्थयात्रियों के आने का अनुमान है।

व्यापक तैयारियां चल रही हैं और संगम से लेकर महाकुंभ तक सभी विकास गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। महाकुंभ मेला 2025 की तैयारियों की सक्रिय रूप से निगरानी कर रहे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इस आयोजन में शामिल होने वाले भारत और विदेश के तीर्थयात्रियों के लिए एक सहज अनुभव प्रदान करें।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पीडब्ल्यूडी ने भी अपनी रफ्तार बढ़ा दी है और पांटून पुलों के साथ-साथ सड़कों के रेनोवेशन के काम में भी तेजी देखने को मिल रही है। एक दिसंबर तक लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से 27 रोड्स का रिन्यूअल किया जा चुका है। जबकि, बाकी रोड्स के रिन्यूअल का काम 10 दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी तरह 17 रोड्स के सौंदर्यीकरण का कार्य भी 5 दिसंबर तक पूरा होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि पीडब्ल्यूडी के पास कुल 89 परियोजनाएं हैं, जिसमें से करीब 60 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि शेष 10 दिसंबर तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है। बीते बुधवार को सीएम योगी महाकुंभ की तैयारियों की समीक्षा की थी और आश्वासन दिया था कि आयोजन की सभी व्यवस्थाएं तय समय से एक महीने पहले 10 दिसंबर तक पूरी कर ली जाएंगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को प्रयागराज आएंगे।

यहां पीएम मोदी मां गंगा की आरती करेंगे और कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। सीएम के अनुसार, प्रधानमंत्री 'डिजिटल कुंभ' पर एक प्रेजेंटेशन भी देखेंगे और आयोजन की भव्यता बढ़ाने के लिए तैयार किए गए कार्यों का निरीक्षण करेंगे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
मंगलवार, 3 दिसंबर, 2024

सुविचार: दूसरों का आंकलन तभी करें जब आप स्वयं परिपूर्ण हो

ग्रुप-1 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र जल्द ही सौंपे जाएंगे : सीएम

सीएम ने 'विजयोत्सव' के तहत आयोजित "आरोग्य उत्सव" में भाग लिया

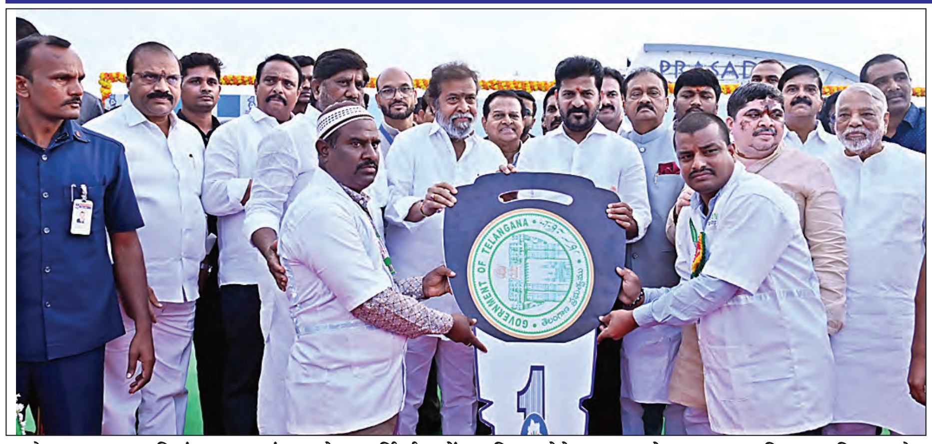

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने जानकारी दी है कि ग्रुप-1 के चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र जल्द ही सौंपे जाएंगे। वे सोमवार को यहां एनटीआर मार्ग स्थित एचएमडीए ग्राउंड में प्रजा पालना-प्रजा विजयोत्सव के तहत आरोग्य उत्सवलु समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रुप-1 के 563 अधिकारी जल्द ही तेलंगाना राज्य के पुनर्निर्माण में शामिल होने जा रहे हैं और उनकी सेवाओं का उपयोग राज्य के विकास के लिए किया जाएगा। उन्होंने खुलासा किया, तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) अब बिना किसी छोटे-मोटे आरोप के काम कर रहा है। वह इसे राजनीतिक पुनर्वास में नहीं बदलना चाहता।

राज्य सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी बुर्रा वेंकटेशम को अध्यक्ष नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि एक साल में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में 14,000 लोगों की नियुक्ति करना इतिहास है। रेवंत रेड्डी ने खुलासा करते हुए कहा, पिछली बीआरएस सरकार ने आठ मेडिकल कॉलेज दिए थे, लेकिन कोई सुविधा नहीं दी।

अब कांग्रेस सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को प्राथमिकता दी है। सत्ता में आने के एक साल के भीतर इसने 50,000 से अधिक नौकरियां प्रदान की हैं और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में 6,500 अन्य लोगों की नियुक्ति करने का निर्णय लिया है। हम देश में सबसे अधिक संख्या में डॉक्टर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से काम कर रहे हैं। बीआरएस प्रशासन की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, भर्ती परीक्षा आयोजित करने के बावजूद वे पेपर लीक को रोकने में विफल रहे। इसके विपरीत, हम निर्बाध रूप से परीक्षा आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे युवाओं को विश्वास हो कि उनके प्रयास व्यर्थ नहीं जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बाधाओं के बावजूद रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने जोर देकर कहा, बीआरएस नेतृत्व में केसीआर, केटीआर और हरीश राव ने युवाओं की उपेक्षा की। हालांकि, सत्ता संभालने के एक साल के भीतर कांग्रेस सरकार ने 50,000 से अधिक सरकारी पदों को भर दिया। अगर कांग्रेस अधिसूचना जारी करती है, तो युवा भरोसा कर सकते हैं कि परीक्षाएं निर्धारित समय पर होंगी। परीक्षा में देरी करने से उनके बहुमूल्य उत्पादक वर्ष बर्बाद हो जाते हैं। बाधाओं के बावजूद भी हमारे कार्यों में हमारी ईमानदारी स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि दामोदर राजनरसिम्हा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री के रूप में अनुकरणीय सेवा कर रहे हैं। इस वर्ष चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में 14,000 रिक्त पदों को भरा। हाल ही में एलबी स्टेडियम में 7750 पैरामेडिकल कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे।तेलंगाना आंदोलन के दौरान युवाओं ने सड़कों पर उतरकर नौकरियों के लिए संघर्ष किया। पिछली बीआरएस सरकार ने बिना अधिसूचना जारी किए और समूह परीक्षा आयोजित किए प्रश्नपत्र बेचे। केसीआर और उनके परिवार के सदस्यों को पदों से हटाने के बाद ही तेलंगाना के युवाओं को नौकरी मिल रही है।

40 उम्मीदवारों को किया गया सम्मानित

आदिलाबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पद्मशाली समुदाय के 40 उम्मीदवारों को विभिन्न सरकारी विभागों में पदों पर नियुक्ति के लिए रविवार शाम को यहां आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। स्थानीय विधायक पायल शंकर इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। शंकर और पद्मशाली ऑफिसर्स एंड प्रोफेशनल्स एसोसिएशन (पीओपीए) के सदस्यों ने हाल ही में शिक्षक और कुछ अन्य पदों पर नौकरी पाने वाले उम्मीदवारों को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

शंकर ने कहा कि वह जल्द ही सरकारी नौकरियों के उम्मीदवारों की सुविधा के लिए आदिलाबाद शहर में एक बीसी अध्ययन मंडल बनाने का प्रयास करेंगे। पोपा के जिलाध्यक्ष बेथा रमेश, महासचिव चिलुका विलास, समुदाय के नेता शिव कुमार, लचीराम, चंद्रमोहन, बोम्माकांति रमेश, कटम रामदास, विठ्ठल, बासा दत्तू, राकेश पद्मावर, थुम्मा नागराजू, गजुला हनुमादलु और बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नागेश उपस्थित थे।

हैदराबाद में छाए काले बादल

मौसम विभाग ने जताया बारिश का अनुमान

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में सुबह आसमान में काले बादल छाए रहने के कारण मौसम उदास नजर आया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने शहर में बारिश का अनुमान जताया है। इसने सुबह के समय धुंध या कोहरा छाए रहने का भी अनुमान लगाया है। हालांकि हैदराबाद में आंधी या बिजली गिरने की कोई चेतावनी नहीं है, लेकिन हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना है, जिसका पूर्वानुमान 5 दिसंबर तक जारी रहेगा।

आईएमडी ने मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, सूर्यापेट और नलगोंडा सहित तेलंगाना के कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

इस अलर्ट में इन क्षेत्रों में आंधी, बिजली और तूफ़ान की चेतावनी शामिल है। तेलंगाना के कई इलाकों में बारिश हुई, नलगोंडा जिले में सबसे ज़्यादा 55.5 मिमी बारिश दर्ज की गई।

कविता ने कार्यकर्ताओं पर मामले दर्ज करने पर चेतावनी दी

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी एमएलसी के. कविता ने चेतावनी दी है कि राज्य सरकार बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामले दर्ज कर रही है और कहा कि अगर उन्हें परेशान किया गया तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि मामलों के खिलाफ लड़ने के लिए पार्टी लाइन पर एक कानूनी टीम बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार सोशल मीडिया पर तथ्यों के प्रसार और सरकार की गलतियों को इंगित करने को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, जब बीआरएस पार्टी सत्ता में थी, तो कांग्रेस नेताओं ने चाहे जितनी भी आलोचना की हो, हमने इस तरह से काम नहीं किया। एमएलसी कविता ने अपने आवास पर कोरुतला विधानसभा क्षेत्र के बीआरएस पार्टी के प्रमुख नेताओं से मुलाकात की। इस अवसर पर जगतियाल जिला अध्यक्ष कलवकुंतला विद्यासागर राव, कोरुतला विधायक डॉ. संजय और अन्य मौजूद थे। इस अवसर पर बोलते हुए एमएलसी कविता ने कहा कि मुख्यमंत्री और राज्य के मंत्री एक ही चीज के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और उन्हें डांट रहे हैं। रेवंत रेड्डी की टिप्पणी कि केसीआर एक पौधा है, हास्यास्पद है और उन्होंने कहा कि केसीआर वह शक्ति है जिसे तेलंगाना ने रेवंत रेड्डी के शिक्षकों को डॉट्स दिखाकर हासिल किया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन के बाद से बीआरएस पार्टी का कड़ी मेहनत करने का इतिहास रहा है और कहा कि बीआरएस पार्टी ने पार्टी के सामने आने वाली सभी कठिनाइयों को पार किया है। उन्होंने उसी भावना से अब भी काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, असली कार्यकर्ता वे हैं जो कठिन समय में पार्टी के लिए काम करते हैं। एमएलसी ने कार्यकर्ताओं से भी आह्वान किया आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी के लिए। उन्होंने लोगों को सरकार की विफलताओं और वादों की अनदेखी के तरीके को उजागर करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हथकरघा पर जीएसटी लगाया है जो ब्रिटिश शासन के अधीन भी नहीं था।

उत्तम ने रेवंत सरकार की उपलब्धियों का ब्यौरा दिया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के पहले साल की उपलब्धियों का ब्यौरा दिया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां गिनाई गईं। उन्होंने इस साल को ऐतिहासिक बताया, जिसमें सरकार ने कई कीर्तिमान स्थापित किए, जो समावेशी विकास, सतत विकास और कुशल शासन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। सूर्यपेट जिले के कोडाद निर्वाचन क्षेत्र में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कई करोड़ रुपये की लागत वाली सड़क निर्माण और अन्य पहलों की आधारशिला रखी। पर्यावरण बहाली के प्रयासों में 40 वर्षों में पहली बार अतिक्रमण रोककर झीलों को पुनः प्राप्त करना और पांच दशकों से अधिक की उपेक्षा के बाद मूसी नदी का कायाकल्प शुरू करना शामिल है।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि विवादास्पद धरणी पोर्टल को पूरी तरह से बदलने के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र को सौंप दिया गया है। मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों से मिलने पर प्रतिबंध हटा दिए गए और सरकारी कार्यालयों में आम जनता के लिए प्रवेश सुलभ बना दिया गया। मंत्री उत्तम ने कहा कि क्षेत्रीय रिंग रोड जैसी प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू की गईं और मेट्रो रेल विस्तार अपने अगले चरण में प्रवेश कर गया। "इंदिराम्मा इल्लू" के तहत पहले वर्ष में 400,000 इकाइयों को आवास स्वीकृत किए गए। उत्तम कुमार रेड्डी ने कोडाद निर्वाचन क्षेत्र में कई करोड़ रुपये की लागत से सड़क कार्यों और अन्य पहलों की आधारशिला रखी। मंत्री ने 16 करोड़ रुपये की लागत से अकुपामुला से रत्नावरम तक 7.50 किलोमीटर लंबी सड़क का भी उद्घाटन किया, जिससे अकुपामुला, कोदंडाराम पुरम, तेलबल्ली और रत्नावरम को लाभ होगा। कोडाद शहर के लॉरी कार्यालय से कोमारबंदा तक 18 करोड़ रुपये की लागत से 3.30 किलोमीटर लंबी एक अन्य सड़क परियोजना का उद्देश्य कोडाद में बढ़ती यातायात भीड़ को कम करना है। कोडाद में 22 गुंटा में फैले और 8 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एक नए आर एंड बी गेस्ट हाउस भवन के निर्माण के लिए भी आधारशिला रखी गई।

यात्री सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित करें : अरुण जैन

दमरे महाप्रबंधक ने स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में एससीआर क्षेत्राधिकार में अमृत भारत स्टेशन के तहत उठाए गए सुरक्षा और चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने जोन में अमृत भारत स्टेशन के तहत किए जा रहे स्टेशनों के पुनर्विकास के संबंध में प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और समय पर पूरा करना सुनिश्चित किया। उन्होंने अधिकारियों को आगामी यात्री सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए, यह भविष्य की 40 वर्षों की आवश्यकता को पूरा करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को स्थानीय कला और संस्कृति, अग्रभाग डिजाइन, स्टेशन कनेक्टिविटी, पार्किंग क्षेत्र, पिकअप और ड्रॉपिंग सुविधाओं, साइनेज बोर्ड, दिव्यांगजन सुविधाओं, फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट, एस्केलेटर, उन्नत शौचालय सुविधाओं और प्रतीक्षालय, पूरी तरह से सुसज्जित विशाल शिशु फीडिंग रूम पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए और रेलवे बोर्ड के दिशानिर्देशों के अनुसार मनोरंजन और वाणिज्यिक स्थान के लिए जगह बनाने की सलाह दी। इससे पहले, महाप्रबंधक ने ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर समीक्षा की, ट्रेन संचालन को बनाए रखने में सख्त समन्वय और ट्रेनों को चलाते समय सभी सुरक्षा सावधानियों का पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने यार्ड और शंटिंग आदि में होने वाली छोटी-मोटी अप्रिय घटनाओं पर भी चर्चा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए बहुत सावधानी बरतें और सक्रिय कदम उठाएं। उन्होंने रेलवे बोर्ड की सुरक्षा दिशा-निर्देशों और जोन में सख्ती से पालन किए जाने वाले सुझावों पर भी संक्षेप में चर्चा की। उन्होंने इंजीनियरिंग, मैकेनिकल और सिग्नल आदि से संबंधित सुरक्षा वस्तुओं की उपलब्धता पर चर्चा की। सभी डीआरएम ने सुरक्षा कर्मचारियों के काम के घंटों के बारे में जानकारी दी।

ट्रक ने बस को मारी टक्कर, यात्री की मौत

नारायणपेट, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नाटक सीमा पर कृष्णा नदी पर बने पुल पर एक ट्रक के आरटीसी बस से टकरा जाने से एक यात्री की मौत हो गई तथा कुछ अन्य मामूली रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान महबूबनगर के हनवाड़ा निवासी के सुरेश के रूप में हुई है। आरटीसी बस सुबह रायचूर से हैदराबाद जा रही थी, तभी पुल पर ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। ट्रक और बस के बीच टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक यात्री बस से उछलकर बस के नीचे आ गया।

ट्रक ने सब्जी विक्रेताओं को रौंदा, चार की मौत

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को चेवल्ला-बीजापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अलुरू गेट पर एक लापरवाही से चलाए जा रहे ट्रक ने कम से कम 4 लोगों को कुचल दिया, जिससे कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना उस समय घटी जब ट्रक (जो स्पष्टतः तेजी व लापरवाही से चलाया जा रहा था) ने पीड़ितों को कुचल दिया, जो सड़क किनारे सब्जी विक्रेता थे। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कम से कम 10 अन्य घायल हो गए। ट्रक उसी गति से सड़क किनारे एक पेड़ से टकराकर रुक गया। ड्राइवर केबिन में फंस गया। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। आशंका है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

बीआरएसवी कार्यकर्ता गिरफ्तार

आदिलाबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएसवी के कार्यकर्ताओं को सोमवार को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब वे गुरुकुल बाटा कार्यक्रम के तहत इकोडा मंडल केंद्र में एक अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय का निरीक्षण कर रहे थे। बीआरएसवी जिला अध्यक्ष धरनी राजेश और समन्वयक बुट्टी शिव कुमार ने कहा कि वे अपने दौरे के दौरान स्कूल में छात्रों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण कर रहे थे।

बस ने छात्रों को मारी टक्कर, दो घायल

मेदक, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को पापन्नापेट मंडल के नरसिंगी चौराहे पर बस का इंतजार कर रही दो इंटरमीडिएट की छात्राएं उस समय गंभीर रूप से घायल हो गईं, जब आरटीसी चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया और वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

पीड़ित अखिला (17) और विजया (17) मेदक शहर के एक कॉलेज में इंटरमीडिएट की पढ़ाई कर रही थीं। वे आमतौर पर हर दिन मेदक जाने के लिए नरसिंगी से बस लेती हैं। जब वे बस में चढ़ने के लिए इंतजार कर रही थीं, तभी यह हादसा हुआ।

पपन्नापेट पुलिस ने बस चालक को हिरासत में ले लिया है। घायल छात्रों को इलाज के लिए मेदक के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण के लिए गठित आयोग में दलीलों की बाढ़

चिंदू जाति ने आयोग के कक्ष में अपनी छोटी कला का प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण के लिए गठित एक सदस्यीय आयोग में आज दलीलों की बाढ़ आ गई। ज्ञात हो कि अनुसूचित जाति के उप-वर्गीकरण का अध्ययन करने के लिए सेवानिवृत्त राज्य उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. न्यायमूर्ति शमीम अख्तर की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग 11 नवंबर से हैदराबाद के बुरगुला रामकृष्ण राव बिल्डिंग में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। आयोग की स्थापना की तारीख से, 59 अनुसूचित जातियों के विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि, नेता और व्यक्ति प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक कार्यालय में आते रहे हैं और आयोग नियमित रूप से उनके साथ बैठक करता रहा है और अपनी जाति के पिछड़ेपन, शिक्षा और रोजगार के अवसरों के संबंध में लिखित अपील प्रस्तुत करना। लेकिन आज माला और मदिगा जाति के लगभग 10 अनुसूचित जाति प्रतिनिधियों के साथ-साथ मदसी कुरावा, कोलुपुला, माला जंगमा, चिंदु, बेदा/बुडागा जंगमा, बिंदला, मांग, अरुंधतिया, मीता अय्यालवार आदि अल्पसंख्यक जातियां शामिल हुईं। 100 से अधिक लोग न्यायमूर्ति शमीम अख्तर सहित प्रतिनिधियों ने अनुसूचित जाति के उप-वर्गीकरण पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने अपनी-अपनी जातियों के पिछड़ेपन और शिक्षा और रोजगार में आरक्षण का लाभ पाने में उनके साथ हो रहे अन्याय को बताते हुए लिखित अपील प्रस्तुत की। साथ ही, अनुसूचित जाति का हिस्सा होने के कारण, उनके पास विशेष पेशे हैं और वे जीवन के विभिन्न तरीके अपनाते हैं। इस अवसर पर चिंदू जाति ने आयोग के कक्ष में अपनी जाति शिल्प भगोटामस की एक छोटी कला का प्रदर्शन भी किया। इस अवसर पर आयोग ने संबंधित जातियों के प्रतिनिधियों से कहा कि उनके द्वारा अपने अध्ययन में दिये गये एक-एक पेपर अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, वे उन सभी का गहनता से परीक्षण कर गहनता से अध्ययन कर एक विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंपेंगे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस महीने से आयोग विभिन्न जिलों का दौरा करेगा, स्थानीय स्तर पर लोगों को इकट्ठा करेगा, उनसे मिलेगा और आवेदन प्राप्त करेगा। सबसे पहले यह भी बताया गया कि संगारेड्डी जिले का दौरा इसी महीने की चार तारीख को होगा।

बाघ के बाद अब आसिफाबाद में तेंदुए ने मचाई दहशत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को रेबेना मंडल के नामबाला, थक्कलपल्ली, पुलिकुंटा और गंगापुर गांवों के निवासियों में तेंदुए की आवाजाही से दहशत फैल गई। वन अधिकारियों ने बताया कि गांव के पास अमीनपुर वन क्षेत्र में तेंदुए के पैरों के निशान पाए गए हैं। उन्होंने स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने किसानों से कहा है कि वे सुबह 10 बजे तक खेतों में प्रवेश न करें और शाम 4 बजे से पहले खेतों को छोड़ दें। उन्होंने कपास उत्पादकों से समूहों में चलने और चेहरे पर मास्क पहनने को कहा है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि हाल ही में तेंदुए ने जंगल में एक जंगली सूअर को मार डाला था। चरवाहे जंगल में मवेशियों को चराने से कतरा रहे थे। उन्होंने बताया कि तेंदुआ कभी-कभी खेतों में भी दिखाई देता था, जिससे कपास की फसल की कटाई और अन्य कृषि कार्य काफी समय तक प्रभावित होते थे। इस बीच, वन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रविवार शाम पेंचिकलपेट मंडल के दरोगापल्ली गांव के बाहरी इलाके में एक तेंदुए ने एक भैंस को मार डाला। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सोमवार को तेंदुए के पैरों के निशान दर्ज किए। उन्होंने कहा कि अगर मांसाहारी जानवरों द्वारा भैंस, गाय और भेड़ को मारा जाता है तो मवेशियों के मालिकों को जल्द ही मुआवजा दिया जाएगा।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.48-2024 दि.28/11/2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, निर्वहणकर्ता उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति युनिट/गुण्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु बंद तिथि व समय 23/12/2024 के सु.11.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित हैं।

निविदा सं. -पीएसएस-जीएसयु-जीटीएल-48 **कार्य विवरण:** गति शक्ति युनिट, गुंटकल डिवीजन के तत्संबंधित कार्य हेतु परियोजना पर्यवेक्षण सेवा अभिकरण अथवा प्राजेक्ट सुपरविजन सर्विसेज एजेंसी(पीएसएसए) की व्यवस्था प्रदान करना। विज्ञापित मूल्य:रु.10984399.92, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु. 204900.00

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया http://ireps.gov.in लागिन करें। किसी भी शुद्धिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति युनिट, गुंटकल

निविदा सं. जीटीएल-इएम-33-2024-25 दि.02.12.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, निर्वहणकर्ता वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.-जीटीएल-इएम-33-2024-25 **कार्य विवरण:** गुंटकल डिवीजन:-एडीइएन /एसडब्ल्यू/जीटीएल सब-डिवीजन के तहत 1. ओवरहेड टैन्क का प्रावधान (i) शांतिनगर पर 2.25 लाख लीटर क्षमतायुक्त आरसीसी टैंक की व्यवस्था करना (ii) 1.00 लाख लीटर क्षमतायुक्त 4 जीआरपी टैंक व्यवस्था। जिसमें हरेक ट्विन लेन, डीएसएल शेड,वी.वी. नगर, क्लब पर व्यवस्था करना। (iii) रेलवे हास्पीटल पर तत्संबंधित 2.00 लाख लीटर क्षमतायुक्त की व्यवस्था- बिजली व्यवस्था। एडीइएन /आरसी सब-डिवीजन के तहत 2. (i) कृष्णा-ओवरहेड वाटर टैंक का प्रावधान-स्टेशन में 2.25 लाख लीटर क्षमतायुक्त आऱसीसी टैंक की व्यवस्था। (ii) नलवार-50000 लीटर क्षमतायुक्त जीआऱपी टैंक की व्यवस्था (iii) रायचूर-स्टेशन पर 2.25 लाख लीटर क्षमतायुक्त आरसीसी टैंक की व्यवस्था तथा जीएलआर के समीप 50000 लीटर क्षमतायुक्त जीआरपी टैंक -- बिजली व्यवस्था। 3. तत्संबंधित i हेतु ऱखरखाव सुविधाओं का विकास। बायो-टायलेट टैन्क के लिए कमरों(रूम) का प्रावधान, टीपीटीवाय एवं ii पर स्पेर्स की व्यवस्था। एयर कम्प्रेस्सर, रेक टेस्ट रिग के लिए कमरें(रूम) का प्रावधान तथा आरयु पर वीवीएनएस रखरखाव उपकरणों/स्पेर्स की व्यवस्था एवं प्रस्तावित बिजली व्यवस्था। अनुमानित **मूल्य: रु.5743408.56**

बंद करने की तिथि व समय:23-12-2024 के 15.00 बजे

टेंडर बिड्डिन्ग या निविदा बोली तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो, उसे आनलाईन पर ही जारी किया जायेगा। निविदादाता, निःशुल्क रूप में, तत्संबंधित दस्तावेज को, http://www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते है।

टिप्पणी: इस ई-निविदा की बोली में भाग लेने/सहभागिता के लिए, निविदादाता के पास आवश्यक तौर पर, वैध डीएससी(डिजीटल सिग्निचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए। **वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ऱखऱखाव, गुंटकल**

A1527

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

नाम और जन्मतिथि में परिवर्तन

मैं कानूनी तौर पर पति-पत्नी आर्मी नंबर: 6945888एफ, रैंक एनके, नाम: वेंकट रमना के, वर्तमान में गांव-बोर्रामपेटा, तहसील- एल एन पेटा, जिला श्रीकाकुलम, एपी राज्य पिन- 532458 में रहता हूं। मैंने अपना नाम के पद्म से बदलकर कागितापल्लीपद्मा कर लिया है और तारीख जन्म 01-06-1988 से दिनांक 01-06-1990 को सभी प्रयोजनों के लिए शपथ पत्र नोटरी, श्रीकाकुलम, ए.पी. द्वारा।

नाम परिवर्तन

मैं कगीतापल्लीपद्मा का कानूनी रूप से विवाहित जीवनसाथी हूं, आर्मी नंबर: 6945888एफ, रैंक एनके, नाम: वेंकट रमना के वर्तमान में ग्राम-बोर्रामपेटा, तहसील-एल एन पेटा जिला श्रीकाकुलम, आ.प्र. में निवास। राज्य पिन-532458. सभी उद्देश्यों के लिए मैंने अपनी बेटी का नाम के तनुजा से बदलकर कगीतापल्लीथनुजा कर दिया है और शपथ पत्र नोटरी, श्रीकाकुलम, एपी के माध्यम से सही जन्म तिथि 01.07.2009 कर दी है।

नाम बदलना

मैं कगीतापल्ली पद्मा कानूनी तौर पर शादीशुदा हूं, आर्मी नंबर: 6945888एफ, रैंक एनके, नाम: वेंकट रमना के वर्तमान में ग्राम-बोर्रामपेटा,तहसील-एल.एन.पेटा, जिला श्रीकाकुलम (एपी), पिन-532458 में रहता हूं। मैंने अपनी बेटी का नाम के जानशी से बदलकर कागीतापल्ली सिरिशा कर लिया है और सभी उद्देश्यों के लिए शपथ पत्र नोटरी, श्रीकाकुलम, एपी के माध्यम से सही जन्म तिथि 23.09.2010 है।

CLASSIFIEDS

WANTED BEAUTICIAN

Wanted Female Beautician, Good Salary+Incentives will be given. Walk in Interviews. Shivani Herbal Beauty Parlour 1st floor, Ashoka Scintilla, Above Mebaz Show Room, Himayatnagar,Main Road. PH:9948925111, 9948926111

CHANGE OF NAME

I, VIJJU RAJESH KUMAR, S/o. V. RAMAKRISHNA, R/o. Flat No.G-1, Plot No.1962, 1971, B-Block, Maanya Arcade, Kakatiya Hills, Pragathi Nagar, VTC, Bachupally, K.V. Ranga Reddy Dist, Hyderabad, I intend to change my Name as ARIHANT RAAJ.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 3 दिसंबर- 2024

आप के हुए अवध ओझा

अवध ओझा एक ऐसा नाम जिसने मोटीवेशन के नाम पर अकूत संपदा अर्जित की। संपत्ति आने के साथ ही उनकी रानजीतिक इच्छाशक्ति भी हिलोरें मारने लगी थी। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले अवध ओझा लोकसभा चुनाव के दौरान भी राजनीति में एंट्री मारने की भरपूर कोशिश की थी। लेकिन कामयाब नहीं हो सके थे। अब दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने आम आदमी पार्टी में इंट्री लेकर संकेत दे दिए हैं कि वह इस बार कोई चूक नहीं करने वाले। मूलतः उत्तर प्रदेश के गोंडा निवासी अवध ओझा ने अपनी राजनीतिक पारी पहले भारतीय जनता पार्टी और फिर कांग्रेस के साथ शुरू करने की कोशिश की थी। लोकसभा चुनाव के दौरान वह भाजपा में जाने के लिए प्रयासरत थे। पिछले दिनों एक पॉडकास्ट में वे समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की तारीफ करते दिखे थे। उन्होंने कहा था कि मैं सबका हूं। कृष्ण की तरह जो कोई अपने साथ रख लेगा, उसके साथ चल दूंगा। अब उनका ठिकाना आम आदमी पार्टी है। आप की सदस्यता लेने के बाद उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हम लगातार काम करते रहे हैं। अगर कोई हमसे पूछे कि आप राजनीति और शिक्षा में किसे चुनेंगे तो हम राजनीति को ही चुनेंगे। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इनके राजनीति में आने से शिक्षा के क्षेत्र में विकास होगा। इसके साथ ही ओझा सर अब आम आदमी पार्टी का पक्ष रखते हुए भी दिख सकते हैं। सबकुछ ठीक रहा तो अवध ओझा दिल्ली विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारी भी पेश कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश के गोंडा में 3 जुलाई 1984 को उनका जन्म हुआ था। पिता माता प्रसाद ओझा पोस्टमास्टर थे तो मां वकील। बताया जाता है कि ओझा सर के पिता ने उनकी माताजी को पढ़ाने के लिए 5 एकड़ जमीन बेच दी थी। अवध ओझा ने गोंडा में ही प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण की थी। स्नातक की पढ़ाई के दौरान उन्होंने बचपन के आईएएस बनने को सपने को पूरा करने की कोशिश की। माता पिता का सपोर्ट भी मिला। अवध ओझा ने दिल्ली में रहकर यूपीएससी परीक्षा की तैयारी की। प्रीलिम्स क्लियर किया, लेकिन मेंस क्वालिफाई नहीं कर पाए। इसके बाद उन्होंने पढ़ाना शुरू कर दिया। यूपीएससी में सफलता नहीं मिलने के बाद अवध ओझा ने इलाहाबाद में डेरा जमाया। अपने दोस्त के कोचिंग इंस्टीट्यूट में पढ़ाने लगे। शुरुआती दिनों में छात्रों को उनका अदाज बिल्कुल पंसद नहीं आया। कई छात्रों ने उनके स्टाइल की शिकायत कर कोचिंग छोड़ दी। अवध ओझा ने छात्रों का फीडबैक लिया। छात्रों की फीडबैक पर अपनी स्टाइल बदली। इसके बाद हालात बदल गए। छात्रों को अवध ओझा का दबंग अंदाज पसंद आया। धीरे-धीरे उनकी लोकप्रियता बढ़ती गई। यूपीएससी कोचिंग संस्थान में छात्रों को पढ़ाने के बाद उन्होंने यूट्यूब चैनल शुरू किया। इससे उनकी ख्याति काफी बढ़ गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अवध ओझा की नेटवर्थ करीब 11 करोड़ रुपये है। अवध ओझा क्लासेस की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, यूपीएससी जीएस फाउंडेशन कोर्स की फीस ऑनलाइन मोड में जीएसटी के साथ 80 हजार रुपये है। वहीं, ऑफलाइन मोड में फीस जमा करने पर 1.2 लाख रुपये निर्धारित है। इतनी तगडी फीस भरने के बाद भी उनका दबंग अंदाज प्रतियोगी छात्रों को ऐसा पसंद आया कि आज उनके पास पढ़ने के लिए भी सिफारिश लगवानी पडती है।

गैस कांड के बाद विकास की दौड़ में पिछड़ा भोपाल

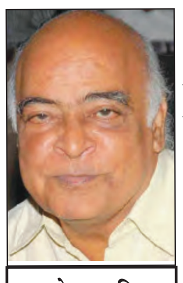

अशोक भाटिया

भोपाल शहर में 3 दिसंबर की 1984 की सुबह को जब लोग नींद में से उठे तब तक यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) संयंत्र से अत्यधिक जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस लीक के कारण 5,479 लोग मारे जा चुके थे और पांच लाख से अधिक लोग अपंग हो गए थे। यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री काली परेड औद्योगिक परिसर का हिस्सा थी और यह वर्तमान पुराने शहर के बाहरी इलाके में थी। घटनाक्रम के अनुसार 2 दिसंबर 1984 की मध्य रात से मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की हवा जहरीली हो रही थी। रात होते ही और 3 तारीख लगते ही ये हवा जहरीली तो रही, लेकिन साथ ही जानलेवा भी हो गई। कारण था यूनियन कार्बाइड की फैक्ट्री से मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का लीक होना।गैस के लीक होने की वजह थी टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का पानी से मिल जाना। इससे टैंक में दबाव बन गया और वो खुल गया। फिर इससे निकली वो गैस, जिसने हजारों की जान ले ली और लाखों को विकलांग बना दिया, जिसका दंश आज भी दिखाई पड़ता है।2-3 दिसंबर की रात भोपाल के लिए वो रात थी जब हवा में मौत बह रही थी। फैक्ट्री के पास ही झुग्गी-बस्ती बनी थी, जहां काम की तलाश में दूर-दराज गांव से आकर लोग रह रहे थे। इन झुग्गी-बस्तियों में रह रहे कुछ लोगों को तो नींद में ही मौत आ गई। जब गैस धीरे-धीरे लोगों को घरों में घुसने लगी, तो लोग घबराकर बाहर आए, लेकिन यहां तो हालात और भी ज्यादा खराब थे। किसी ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया, तो कोई हांफते-हांफते ही मर गया। इस तरह के हादसे के लिए कोई तैयार नहीं था। बताते हैं कि उस समय फैक्ट्री का अलार्म सिस्टम भी घंटों तक बंद रहा था, जबकि उसे बिना किसी देरी के ही बजना था। जैसे-जैसे रात बीत रही थी, अस्पतालों में भीड़ बढ़ती जा रही थी, लेकिन डॉक्टरों को ये मालूम नहीं था कि हुआ क्या है? और इसका इलाज कैसे करना है?उस समय किसी की आंखों के सामने अंधेरा छा रहा था, तो किसी का सिर चकरा रहा था और सांस की तकलीफ तो सभी को थी। एक अनुमान के मुताबिक, सिर्फ दो दिन में ही 50 हजार से ज्यादा लोग इलाज के लिए पहुंचे थे। जबकि, कइयों की लाशें तो सड़कों पर ही पड़ी थीं। भोपाल गैस त्रासदी की गिनती सबसे खतरनाक औद्योगिक दुर्घटना में होती है। इसमें कितनों की जान गई? कितने अपंग हो गए? इस बात का कोई सटीक आंकड़ा नहीं है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस दुर्घटना में 3,787 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 5.74 लाख से ज्यादा लोग घायल या अपंग हुए थे। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए एक आंकड़े में बताया गया है कि दुर्घटना ने 15,724 लोगों की जान ले ली थी।इस हादसे का मुख्य आरोपी था वॉरेन एंडरसन, जो इस कंपनी का CEO था। 6 दिसंबर 1984 को एंडरसन को गिरफ्तार भी किया गया, लेकिन अगले ही दिन 7 दिसंबर को उन्हें सरकारी विमान से दिल्ली भेजा गया और वहां से वो अमेरिका चले गए। इसके बाद एंडरसन कभी भारत लौटकर नहीं आए। कोर्ट ने उन्हें फरार घोषित कर दिया था। 29 सितंबर 2014 को फ्लोरिडा के वीरो बीच पर 93 साल की उम्र में एंडरसन का निधन हो गया।गैस लीक होने के 8 घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था, लेकिन 1984 में हुई इस दुर्घटना से मिले जख्म 38 साल बाद भी भरे नहीं हैं। गैस पीड़ितों के लिए बने सबसे बड़े और एकमात्र सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बीएमएचआरसी के हाल ये हैं, कि यहां कई विशेषज्ञ डॉक्टर नौकरी छोड़ कर निजी अस्पतालों में ऊंची तनख्वाहों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं । बार-बार विभाग बदलने और डॉक्टरों के सेवा नियमों में बदलाव के चलते यहां से डॉक्टरों का 2012 से पलायन शुरू हो गया था । अब तक नियमित और संविदा मिलाकर 23 सुपर स्पेशलिस्ट यहां से जा चुके हैं । 1998 में बने इस अस्पताल को बनाने के पीछे मकसद था कि गैस पीड़ितों को सबसे अच्छा इलाज मिलेगा, लेकिन हकीकत यह है कि कैंसर सर्जरी, कैंसर मेडिसिन, किडनी रोग, यूरोलाजी और उदर विभागों में तो एक भी डॉक्टर नहीं है । किडनी मरीजों की डायलिसिस की जा रही है, लेकिन किडनी का कोई विशेषज्ञ नहीं है । अस्पताल में करोड़ों रुपए की मशीनें खरीद ली गयीं, पर चलाने वाले ही नहीं हैं । भोपाल ग्रुप फॉर इनफॉरमेशन एंड एक्शन की रचना ढींगरा का कहना है कि बीएमएचआरसी में न तो डॉक्टर हैं और न ही जांच और इलाज की पर्याप्त सुविधाएं । जिस अस्पताल का काम गैस पीड़ितों का सही इलाज और शोध करना था, वहां गैस पीड़ित इलाज और दवा के अभाव में असमय मर रहे हैं । गैस पीड़ितों के हाल इससे ही समझे जा सकते हैं कि उनके अस्पताल, इलाज, मुआवजे के लिए सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लंबी लड़ाई लड़ने वाले गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन के नेता अब्दुल जब्बार को ही समय पर इलाज नहीं मिल पाया । 2 वर्ष पूर्व बीएमएचआरसी में बेहतर इलाज न मिलने के कारण उनकी मौत हो गई । उसी बीएमएचआरसी में जो गैस पीड़ितों के लिए ही बना है । जब्बार देश-विदेश में गैस पीड़ितों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वालों का प्रमुख चेहरा थे ।गैस पीड़ितों के लिए काम करने वाले संगठन संभावना ट्रस्ट ने मीडिया को अपने अध्ययन के हवाले से बताया कि बीते 15 साल में गैस पीड़ितों में बीमारियां 3 गुना ज्यादा बढ़ी । गैस पीड़ितों में किडनी, लिवर, लंग्स, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर जैसी तमाम बीमारियां बढ़ गई । ट्रस्ट के सतीनाथ षडंगी और संभावना क्लीनिक के डा . संजय श्रीवास्तव ने 15 साल में 27 हजार 155 गैस पीड़ितों के इलाज के दौरान सामने आये आंकड़ों के आधार पर ये दावा किया ।

उन्होंने अपने विश्लेषण में पाया है कि यूनियन कार्बाइड की जहरीली गैस से पीड़ित लोगों में स्वस्थ लोगों की तुलना में वजन और मोटापे की समस्या 3 गुना ज्यादा है । इसके अलावा थायराइड की बीमारी की दर लगभग 2 गुना ज्यादा है । गैस त्रासदी के शिकार होने की वजह से पीड़ितों के शरीर के अंदरूनी और बाहरी तंत्र को स्थाई रूप से नुकसान पहुंचा है । 40 साल पहले हुई इस गैस त्रासदी ने कई महिलाओं की कोख को आबाद नहीं होने दिया । जहरीले रसायन का असर ऐसा था कि बार-बार महिलाओं का गर्भपात हो जाता था । यह बात कई शोधों, अध्ययनों और सर्वे रिपोट्र्स के माध्यम से जाहिर हो चुकी है । सन् 2012 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी यूनियन कार्बाइड कारखाने में दफन जहरीला रासायनिक कचरा राज्य की सरकारें हटवाने में आज तक नाकाम रहीं । सुप्रीम कोर्ट का आदेश था कि वैज्ञानिक तरीके से कचरे का निष्पादन किया जाए, लेकिन कारखाने में दफन 346 टन जहरीले कचरे में से 2015 तक केवल एक टन कचरे को हटाया जा सका । इस काम का ठेका रामको इन्वायरो नामक कंपनी को दिया गया है । लेकिन कचरा अभी तक क्यों नहीं हटाया जा सका, इसका जवाब किसी के पास नहीं है । इस कचरे के कारण यूनियन कार्बाइड के आसपास की 42 से ज्यादा बस्तियों का भूजल जहरीला हो चुका है ।

पानी पीने लायक नहीं है, लेकिन किसी को फिक्र नहीं है । गैस पीड़ितों के लिए काम करने वाले संगठन संभावना ट्रस्ट के प्रबंधक, न्यासी सतीनाथ षडंगी ने 1 दिसंबर मंगलवार को त्रासदी की 36वीं बरसी की पूर्व संध्या पर दावा किया कि परिसर में पड़े जहरीले कचरे का दुष्प्रभाव भोपाल रेलवे स्टेशन तक पहुंच गया है । यूनियन कार्बाइड कारखाने और स्टेशन की दूरी डेढ़ से दो किलोमीटर है । दो साल पहले तक जहरीले कचरे से आसपास की 48 बस्तियों के भूमिगत जल स्त्रोत प्रभावित हुए थे । लेकिन इसका भूमिगत दायरा बढ़कर भोपाल स्टेशन तक जा पहुंचा है । इससे उन रहवासियों के लिए दिक्कतें होंगी, जो इस इलाके के भूमिगत जल स्त्रोतों का उपयोग करते हैं ।केंद्र सरकार ने वर्ष 2010 में सुधार याचिका लगाई थी, जो पांच न्यायाधीश वाली संविधान पीठ के पास है। इस पर विगत 11 अक्टूबर को हुई सुनवाई में केंद्र सरकार की ओर से जनवरी 2023 में होने वाली सुनवाई में तथ्यों के साथ बहस करने का भरोसा दिया है। दुनिया की बड़ी औद्योगिक त्रासदी में शामिल भोपाल गैस कांड पर सुप्रीम कोर्ट में 38 वर्ष बाद शुरू हुई सुधार याचिका पर सुनवाई ने गैस पीड़ितों में न्याय की उम्मीद जगा दी है। दो व तीन दिसंबर 1984 की दरमियानी रात हुई इस त्रासदी में हजारों परिवारों ने अपना सब कुछ दिया था ।

इन परिवारों की अब तीसरी पीढ़ी भी त्रासदी का दंश झेलने का मजबूर है। सरकार ने गैस पीड़ितों के लिए स्वास्थ्य से लेकर तमाम सुविधाएं समय-समय पर मुहैया कराने के प्रयास किए, लेकिन लचर व्यवस्था के चलते प्रयास नाकाफी रहे। ज्यादातर पीड़ित परिवारों के पास रोजगार के साधन नहीं रहे ।

प्रियंका में इंदिरा गांधी की छवि नहीं तलाशी जानी चाहिए !

श्रवण गर्ग

प्रियंका गांधी से कितनी उम्मीदें रखी जानी चाहिए ? सवाल के जवाब के साथ कई संकट जुड़े हैं। मसलन, ज़्यादा उम्मीदें कीं और वे पूरी नहीं हुईं तो निराशा हाथ लगेगी। प्रियंका ने कुछ करके दिखा दिया तो पूछा जाने लगेगा वे पहले क्यों नहीं प्रकट हुईं ? इतने साल क्यों लगा दिए ? चिंता की जाने लगेगी कि जो प्रियंका कर रही हैं राहुल क्यों नहीं कर पाए ? या सवाल होने लगेंगे कि राहुल अब क्या करने वाले हैं ? प्रियंका क्या करने वाली हैं ? कांग्रेस के कितने इलाक़े में वे काम करने वाली हैं ? वे क्या नहीं करेंगीं ? इन सब सवालों को लेकर कार्यकर्ताओं-नेताओं, प्रशंसकों और पार्टी के स्थायी चापलूसों के मुक़ाबले प्रियंका का स्वयं का संकट भी काफ़ी बड़ा और चुनौतीपूर्ण बनने वाला है। राहुल में नेहरू या राजीव की छवि नहीं ढूँढ़ी गई पर प्रियंका में इंदिरा गांधी की वापसी देखी जा रही है। हो सकता है ऐसा देखने वालोंकी असली मंशा 'अब आया है ऊँट पहाड़ के नीचे' की तर्ज़ पर भाजपा को (यहाँ मोदी-शाह भी पढ़ सकते हैं) डराने की हो। यह किसी अन्य आलेख का विषय हो सकता है कि प्रियंका को अपने नए अवतार में इंदिरा गांधी बनने या उनके जैसा दिखने की कितनी कोशिश करना या नहीं करना चाहिए ! लोकसभा में शपथ-ग्रहण के दौरान जिस मुख-मुद्रा, कैश-विन्यास और परिधान (केरल की प्रसिद्ध कसावु साड़ी) में प्रियंका प्रस्तुत हुईं उसका इंदिरा गांधी के उस फोटोग्राफ के साथ मिलान किया जा सकता है जब उन्होंने पहली बार सांसद बनने पर शपथ ली होगी।हालाँकि उस समय का फोटोग्राफ इसलिए नहीं मिल सकता कि साठ साल पहले संसद की कार्रवाई के सीधे प्रसारण की कल्पना नहीं की जा सकती थी। प्रियंका अपनी दादी जैसा दिख सकती हैं पर उनके जैसा बनना शायद मुमकिन नहीं हो।1917 में जन्मीं इंदिरा गांधी 42 की उम्र में कांग्रेस की अध्यक्ष और 47 की उम्र में लाल बहादुर शास्त्री की सरकार में सूचना एवं प्रसारण मंत्री बन गईं थीं। पचास की होने के पहले देश की पहली महिला (और अब तक की अंतिम) प्रधानमंत्री बन चुकी थीं। प्रियंका ने 52 साल की उम्र में पहली बार संसद में प्रवेश किया है और इस उम्र में इंदिरा गांधी को कांग्रेस की स्थापना के बाद हुए पहले और सबसे बड़े विभाजन (1969) का साक्षी बन उस पार्टी को खड़ा करना पड़ा था जो राहुल और प्रियंका को विरासत में प्राप्त हुई है। पाँच साल पहले प्रियंका के सामने अवसर आया था कि वे इंदिरा गांधी बनकर नरेंद्र मोदी के ख़िलाफ़ वाराणसी से चुनाव लड़ लें पर वे राज़ी नहीं हुईं। उन्हें पराजय का डर रहा होगा। उन्होंने तब पूर्वी यूपी की सीटों पर कांग्रेस को जीत दिलाने की ज़िम्मेदारी ले ली।पश्चिमी यूपी राहुल ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को दे दिया था। पूरे यूपी से कांग्रेस सिर्फ़ एक सीट रायबरेली जीत पाई थी। राहुल अमेठी से और ज्योतिरादित्य गुना(एमपी) से अपनी-अपनी सीटें हार गए थे। 2019 की महा-पराजय के सदमे ने राहुल और प्रियंका दोनों को निराश कर दिया था।दोनों ही लगभग सिमट से गए थे और कपिल सिब्बल, ग़ुलाम नबी आदि के नेतृत्व में 'परिवारवाद' विरोधी 'ग्रुप ऑफ़-23' के हमले बर्दाश्त करते रहे।सुझाव चाहे जिसका रहा हो ,शुक्र हो 'भारत जोड़ो यात्रा' का कि 2022 के सितंबर में कांग्रेस पार्टी प्राइवेट वार्ड के वेंटिलेटर से बाहर निकल कर जनरल वार्ड के बिस्तर पर आ गई। सलाह न तो भाई को दी जा सकती है और न बहन को पर प्रियंका की कुछ स्वभावगत खूबियों को लेकर आश्वस्त अवश्य हुआ जा सकता है।

उन खूबियों की अभी राहुल में तलाश नहीं जा सकी है। मसलन, राहुल के मुक़ाबले प्रियंका से ख़ौफ़ खाने वालों की संख्या शायद कम होगी। जो ग़ुस्सा राहुल के चेहरे पर नज़र आ जाता है उसे प्रियंका की नाक तक भी पहुँचने में देर लगती है। राहुल किसी से नाराज़ हो जाएँ तो उसके पार्टी छोड़ देने से भी उन्हें फ़र्क़ नहीं पड़ता। प्रियंका को पड़ता है। प्रियंका अगर नहीं बीच में पड़ती तो सचिन पायलट, सिद्धू ,आदि काफ़ी पहले पार्टी छोड़ चुके होते। राहुल ने न ज्योतिरादित्य को रोका न जितिन प्रसाद को और न मिलिंद देवड़ा को। और भी कई नाम हैं। राहुल न तो किसी को रोकते हैं और न ही किसी को जाकर या बुलाकर मनाते हैं। प्रियंका की तुलना में राहुल की पटरी अपने से बड़ी उम्र के नेताओं से ज़्यादा बैठती है। कारण जो भी हों। प्रियंका के इर्द-गिर्द स्थायी ख़ुशामदियों की तादाद भी राहुल के मुक़ाबले (अभी) कम है। पार्टी के लोग अपनी नाराज़गी के लिए उनसे आसानी से संपर्क कर सकते हैं। वे सुनती भी हैं। (तब एक कांग्रेसी) हिमंता बिस्वा सरमा अगर राहुल के बजाय प्रियंका से मिलने पहुँच जाते तो नाराज़ होकर शायद भाजपा में भर्ती नहीं होते।

संक्षेप में कहना हो तो प्रियंका उन सब मोर्चों पर काम कर सकती हैं जिन पर राहुल कमज़ोर सिद्ध हो रहे हैं। एक बड़ा मोर्चा अपनी ही पार्टी के लोगों से लगातार मिलने-जुलने और दूसरी पार्टियों के सांसदों के साथ नेटवर्किंग का है। संसद से बड़ा और कोई स्थान इस काम के लिए नहीं हो सकता। मोदी सरकार या उसके समर्थक राहुल के मुक़ाबले प्रियंका से ज़्यादा डरने वाले है क्योंकि वे डराती नहीं हैं। इसलिए प्रियंका के ख़िलाफ़ न तो मानहानि के ज़्यादा मुक़दमे दायर होंगे और न उन्हें जेल भेजने की कोशिश की जाएगी। भाजपा से मुक़ाबले के लिये राहुल अगर कांग्रेस की कमियाँ ढूँढ़ना चाहेंगे तो प्रियंका की उपस्थिति में अपनी स्वयं की कमज़ोरियों के उपचार के दौरान उसकी भी तलाश कर लेंगे।

http://shravangarg1717.blogspot.com

भोजन बचाकर दुनिया बचाइए

सुनील कुमार महला

भारतीय सनातन संस्कृति में कहा गया है कि अन्न ही 'ब्रह्म ' है क्योंकि अन्न से ही समस्त प्राणी उत्पन्न होते हैं तथा उत्पन्न होकर ये अन्न के द्वारा ही जीवित रहते हैं तथा अन्न में ही ये पुनः लौटकर समाविष्ट हो जाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि मानव जीवन ईश्वर प्रदत्त होता है लेकिन लौकिक गति और व्यवहार अन्न से प्राप्त ऊर्जा से होता है। इसलिए कहा भी गया है कि 'प्राणो वा अन्नं' अर्थात प्राण ही अन्न है। तात्पर्य है कि अन्न के बिना कुछ भी संभव नहीं है लेकिन आज उसी अन्न की बर्बादी हो रही है। आज भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व में भोजन/अन्न/खाने की बर्बादी एक बड़ी गंभीर व ज्वलंत समस्या है। सच तो यह है कि भोजन की बर्बादी एक बड़ी त्रासदी है। भारत में आज शादियों, पार्टियों, किसी फंक्शन विशेष, कार्यालयों, घरों कमोबेश हर स्थान पर भोजन/अन्न की बर्बादी होती है जो चिंता का विषय है। खासकर भारत जैसे देश में, जहां लाखों लोग गरीबी रेखा के नीचे रहते हैं और जो हर रोज़ अपने पेट के गांठ बांध कर सोते हैं, उस देश में भोजन की बर्बादी हो तो यह किसी विडंबना से कम बात नहीं कही जा सकती । ब्याह-शादियों में आज शानो-शौकत दिखाने के लिए वर और वधू पक्ष खाने/भोजन के कई आइटम परोसते हैं जिसके कारण लोग खाते कम हैं और बर्बाद ज्यादा करते हैं। अक्सर होता यह है कि लोग अपनी थाली में जरूरत से ज्यादा खाना भर लेते हैं और पेट भरने के बाद थाली में बचा काफी भोजन यूं ही व्यर्थ में फेंक देते हैं जो बाद में न तो किसी जानवर/जीव/पक्षी के काम आ सकता है और न किसी भूखे पेट के। हमारी इस आदत से अन्न की बहुत ज्यादा बर्बादी होती है।

वैसे भी भारतीय संस्कृति में अन्न को जूठन के रूप में छोड़ना पाप माना गया है और यह अन्न का अपमान करने जैसा ही है और यह अपमान बहुत से लोग अनेक स्थानों पर करते हैं, फिर चाहे कोई पार्टी हो, शादी-ब्याह हो या अन्य कोई कार्यक्रम। घरों और कार्यालयों में भी लोग भोजन की बर्बादी से बाज नहीं आते हैं। वास्तव में अन्न को बर्बाद करना सिर्फ एक सामाजिक बुराई नहीं है, बल्कि यह एक आर्थिक बुराई भी है। अन्न की बर्बादी भी कहीं न कहीं अमीर और गरीब के बीच आर्थिक असमानता की खाई को और अधिक बढ़ाती है। आहार(भोजन/खाना/अन्न) के प्रति आज के समय में हमारा व्यवहार कैसा है यह बात आंकड़ों से एकदम स्पष्ट व साफ होती है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के आंकड़े बताते हैं कि साल 2021 में दुनियाभर में 93.1 लाख टन भोजन कचरे में समा गया। इनमें से अधिकांश यानी 56.9 लाख टन कचरा हमारे घरों से निकला है। दरअसल भोजन को बर्बाद करते समय अक्सर हम लोग यह बात भूल जाते हैं कि जब भोजन बर्बाद होता है, तो भूमि, जल, श्रम, ऊर्जा और अन्य इनपुट भी बर्बाद हो जाते हैं जिनका उपयोग भोजन के उत्पादन, प्रसंस्करण, परिवहन, तैयारी, भंडारण और निपटान में किया जाता है। भोजन को बर्बाद करके हम देश के किसान-मजदूर (जो अन्न को पैदा करते हैं), अन्न को कमाने वाले तथा अन्न को हमारी थाली में परोसने वाले सभी का हम सरेआम अपमान करते हैं। इसलिए हमें चाहिए कि हम शादी-विवाहों, पार्टियों और अन्य उत्सवों में दिखावे और बनावटी सभ्यता-संस्कृति का शिकार न होते हुए सीमित खाने के आइटम्स को बनवाएं. जितनी हमें जरूरत हो उतना ही प्लेट/थाली में लें और तब भी अगर खाना बच जाए तो उसे जरूरतमंद लोगों में बांट दें। आज ज़्यादातर लोगों को यह एहसास तक नहीं होता कि वे कितनी बार और कितनी मात्रा में खाना बर्बाद करते हैं और इसका खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर कितना नकारात्मक असर हो सकता है। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि वर्तमान में बर्बाद होने वाला पौष्टिक भोजन जरूरतमंद परिवारों को भोजन उपलब्ध कराने में सहायक हो सकता है। भोजन की बर्बादी कम करने से धन की भी बचत होती है। भोजन की बर्बादी को रोककर हम संसाधनों को अधिक उत्पादक उपयोगों के लिए संरक्षित कर सकते हैं। इतना ही नहीं, भोजन की बर्बादी को रोककर हम ग्रीनहाउस गैसों को कम करके जलवायु परिवर्तन को कम करने में भी मदद कर सकते हैं। क्या यह बहुत गंभीर व संवेदनशील बात नहीं है कि विश्व खाद्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया का हर 7वां व्यक्ति आज भूखा सोता है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि भारत वर्ष 2024 के वैश्विक भुखमरी सूचकांक (ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट- जीएचआई) में 27.3 स्कोर के साथ 127 देशों में से 105 वें स्थान पर है, जो खाद्य असुरक्षा और कुपोषण की चुनौतियों से प्रेरित गंभीर भूख संकट को उजागर करता है।

जीव-जंतु और ज्ञान परंपरा

डॉ. नीरज भारद्वाज

ज्ञान कभी भी, कहीं भी मिल सकता है। हमारी गलतियाँ भी हमें ज्ञान देती हैं। सही मायनों में ज्ञान की कोई सीमा नहीं है। विचार करें तो गुरू ज्ञान, अध्यात्मिक ज्ञान आदि लेने की एक परंपरा है। भारतीय ज्ञान परंपरा में सृष्टि के हर एक अंग को लिया गया है, इसमें सभी कुछ आते हैं- पेड़-पौधे, फल-फूल, जीव-जंतु, नभ-जल आदि। इसी ज्ञान परंपरा में जीव-जंतुओं पर ध्यान दें तो हमारे देवी-देवता के पास भी जीव-जंतु हैं। मनुष्य भी जीव-जंतुओं के साथ रहते हैं और इस सृष्टि में वह हम सभी के सहभागी हैं। रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं- मम माया संभव संसार, जीव चराचर विविधि प्रकारा।। अर्थात भगवान कहते हैं कि मैंने इस सृष्टि पर विविध प्रकार के जीव बनाए हैं। सभी मुझे प्यारे भी हैं।रामचरितमानस की कथा में आता है कि भगवान गरुड़ रामकथा सुनने के लिए भगवान काकभुशुंडी के पास जाते हैं- निज अनुभव अब कहउँ खगेसा।। बिनु हरि भजन न जाहिं कलेसा।। गरूड़ जी कहते हैं कि हे पक्षीराज बिना हरि भजन के अंदर का कलेश मिटने वाला नहीं है। भगवान वाल्मीकि ने भी रामायण कथा का आरंभ क्रौंच (सारस) पक्षी के जोड़े को निहारते हुए ही किया, ऐसा हमें बताया-पढ़ाया गया है। विचार करें तो पक्षियों ने हरि अर्थात भगवान की कथा सुनी है। वह इन कथाओं को सुनकर भवसागर से पार उतर गए हैं। आवागमन के चक्कर से मुक्त हो गए हैं। श्रीमद्भागवत कथा में भी तोता ही भगवान शंकर के द्वारा कही अमरकथा को सुन लेता है और अमर हो जाता है। कथा सुनकर जीव-जंतु, पशु-पक्षी अमर तो हो ही गए हैं, साथ ही वह भगवान के साथ भी रहते हैं, उनके परिवार का अंग भी हैं। भगवान शंकर के परिवार में भी चूहा, मोर, सर्प, नंदी सभी हैं। भगवान श्रीराम के जीवन को जब हम पढ़ते और जानते हैं कि भगवान श्रीराम वन में जब गए हैं तो वहां वानर, भालू, गिलहरी, गिद्धराज जटायु आदि कितने ही जीव-जंतुओं से मिलते हुए उनका उद्धार करते हुए चलते हैं। यह सभी जीव भगवान श्रीराम के जीवन और रामकथा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र को पढ़ते और समझते हैं तो हम पाते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण ने गऊघाट पर गायों को चराया है और बाललीला की है। मोर पंख से सजा मोर मुकुट अपने सिर पर सजाया है। भगवान युधिष्ठिर की बात करें तो मुक्ति मार्ग पर अंतिम समय में भगवान युधिष्ठिर के साथ कुत्ता जाता है। कुत्ते को बड़े बुजुर्ग बिन झोली का फकीर भी कहते हैं। माता शेरावाली की बात करें तो इनकी सवारी शेर की है। मां लक्ष्मी का वाहन उल्लू है। पौराणिक कथाओं को जब हम सुनते हैं तो उन कथाओं में एक हाथी की कथा आती है। हाथी के पैर को मगरमच्छ पकड़ लेता है और हाथी भगवान हरि अर्थात विष्णु की पूजा करते हैं, भगवान विष्णु उस मगरमच्छ का वध अपने सुदर्शन चक्र से करते हैं, कथा पूर्ण होती है। विचार करें तो भगवान जीव रक्षा के लिए हमेशा आगे आ जाते हैं। कहा भी गया है- ईश्वर के सब अंश है, कीरी कुंजर दोय अर्थात सभी ईश्वर के अंश हैं। चींटी से लेकर हाथी तक सृष्टि में सभी ईश्वर की रचना के अंग है। हमें ईश्वर की संरचना को भंग नहीं करना बल्कि ईश्वर की इस रचना में सभी के साथ रहना है। अपनी रक्षा के साथ-साथ इन सभी की रक्षा करनी है। सृष्टि के हर एक जीव की कथा पर लंबा चिंतन हो सकता है। अभी बस इतना ही।

मास्टर की चाय पर चर्चा

डॉ. सुरेश मिश्रा

गाँव के चौराहे पर एक चाय की दुकान थी, जहाँ बारी-बारी से लोग अपनी समस्याएँ और चाय का नशा उड़ेलने आते थे। वहाँ हमेशा की तरह एक पेड़ के नीचे मास्टरजी अपनी लाल टोपी लगाए, चाय की चुस्कियों में व्यस्त थे। चाय की दुकान पर उनका सबसे प्रिय शिष्य, नंदू, और गाँव का निपट सठियाया पंडित रामनिवास भी हमेशा की तरह बैठे थे। क्या बात है मास्टरजी, आज तो बड़ा मस्त मूड लग रहा है! नंदू ने चाय की चुस्की लेते हुए कहा। अरे भई, आज तो मैंने सोचा कि कुछ खास बातें होंगी, जैसे कि एक नई स्कीम आई है—'स्मार्ट गाँव'! मास्टरजी ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा। स्मार्ट गाँव? क्या होता है ये? रामनिवास ने घुंघराले बालों में हाथ फेरते हुए पूछा। अरे, इसमें सब कुछ स्मार्ट होगा। स्मार्ट सड़कों से लेकर स्मार्ट खंभे तक, बस दिमाग में थोड़ी समझ होनी चाहिए, मास्टरजी ने चाय के कप में हल्की सी फूँक मारते हुए कहा। तो क्या गाँव में स्मार्ट लोग भी आएंगे? नंदू ने मुँह चिढ़ाते हुए पूछा। है, है! ये तो तय है। जो पहले से स्मार्ट हैं, वो तो छोड़ देंगे। नए स्मार्ट लोग आएंगे जो हमें सिखाएंगे कि स्मार्ट कैसे बनना है! मास्टरजी ने ठहाका लगाते हुए कहा। सच में, हम तो ठहरे गाँव के अनाड़ी लोग। हमें तो पता नहीं, स्मार्ट बनने के लिए क्या करना होगा। हो सकता है कि स्मार्ट बनने के लिए हमें स्मार्ट घास भी खाने को दे दी जाए! रामनिवास ने व्यंग्य करते हुए कहा। स्मार्ट घास? और क्या? फिर हमें स्मार्ट बकरियाँ भी पालनी पड़ेंगी। ये बकरियाँ खुद ही इंटरनेट पर सर्फिंग करेंगी, नंदू ने जोश में आकर कहा। हां, और खुद-ब-खुद दूध दे देंगी। बस घास की कीमत तय करनी होगी। एक ठंडी चाय पिलाने के लिए बकरियों की फिसलन भरी कहानियाँ! मास्टरजी ने चाय का लम्बा घूंट लेते हुए कहा। तो क्या हमारी चाय भी स्मार्ट होगी? जैसे-स्मार्ट चाय, स्मार्ट चायपत्ती! रामनिवास ने चुटकी ली। क्यों नहीं! अब चाय भी अपना डेटा भेजेगी, जैसे कि कितने लोगों ने पिया, कौन-सी चाय ज्यादा पसंद आई। सब कुछ स्मार्ट! मास्टरजी ने आँखें मटकाते हुए कहा।और फिर हमें चाय की स्मार्ट रेटिंग मिल जाएगी। जो चाय सबसे अधिक पसंद की जाएगी, वो फिर महंगी हो जाएगी! नंदू ने अपने हाथ में चाय की प्याली दिखाते हुए कहा।बिल्कुल सही! और सोचो, अगर कोई चाय की दुकान बिना स्मार्ट के बच गई, तो वो तो पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी! मास्टरजी ने फिर से हँसते हुए कहा। फिर तो चाय बेचने वाले को भी स्मार्ट होना पड़ेगा। जैसे, 'हाय, क्या हाल है, आज की चाय कितनी स्मार्ट है?' रामनिवास ने नकली खुशी में कहा। और अगर किसी ने नकारात्मक रिव्यू दिया, तो वो तो चाय वाला कर्ज़ चुकाने में पसीना-पसीना हो जाएगा! नंदू ने कंधे उचका कर कहा। अरे, लेकिन स्मार्ट बनने के लिए सिर्फ चाय ही नहीं, हमें अपने दिमाग को भी स्मार्ट बनाना होगा, मास्टरजी ने गंभीरता से कहा। हाँ, और इसके लिए हम अपने मोबाइल में 'स्मार्ट दिमाग' एप्लिकेशन डाउनलोड कर सकते हैं। बस दिमाग की बुनाई और दिमाग की रेटिंग! नंदू ने कहा। ठीक है! बस इस 'स्मार्ट दिमाग' एप को डाउनलोड करना होगा और हमें ज्ञान की हर समस्या का हल मिल जाएगा! रामनिवास ने संजीदगी से कहा। हाँ, लेकिन ध्यान रहे, ज्ञान का सॉफ्टवेयर हमेशा अपडेट रहना चाहिए।

विनायक चतुर्थी का दो दिनी शुभ मुहूर्त

सनातन धर्म में चतुर्थी तिथि का खास महत्व है। मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर विनायक चतुर्थी का पर्व मनाया जाता है। इस शुभ तिथि पर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करने का विधान है। साथ ही जीवन के विघ्न दूर करने के लिए व्रत भी किया जाता है। इसके अलावा जीवन में आने वाले सभी दुख और संकट दूर होते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं विनायक चतुर्थी की डेट, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

विनायक चतुर्थी 2024 शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 04 दिसंबर को दोपहर 01 बजकर 10 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 05 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर होगा। इस दिन चन्द्रास्त का समय रात 09 बजकर 07 मिनट है। साधक 05 दिसंबर को विनायक चतुर्थी का व्रत रख सकते हैं।

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 05 बजकर 11 मिनट से 06 बजकर 05 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 01 बजकर 56 मिनट से 02 बजकर 37 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 05 बजकर 21 मिनट से 05 बजकर 49 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 11 बजकर 45 मिनट से 12 बजकर 39 मिनट तक

विनायक चतुर्थी पूजा विधि

विनायक चतुर्थी के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद सूर्य देव को जल अर्पित करें।

घर और मंदिर की सफाई कर चौकी पर साफ कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश की मूर्ति को विराजमान करें।

इसके बाद गणपति बप्पा को फल, फूल, धूप समेत आदि चीजें अर्पित करें।

देसी घी का दीपक जलाकर विधिपूर्वक आरती करें और मंत्रों का जप करें।

इसके बाद फल और मोदक समेत आदि चीजों का भोग लगाएं।

जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें।

अंत में लोगों में प्रसाद का वितरण करें।

इस मंत्र का करें जप इस मंत्र का करें जप

गणपतिर्विघ्नराजो लम्बतुण्डो गजाननः । द्वैमातुरश्च हेरम्ब एकदन्तो गणाधिपः ॥

विनायकश्चारुकर्णः पशुपालो भवात्मजः । द्वादशैतानि नामानि प्रातरुत्थाय यः पठेत ॥

आर्थिक प्रगति हेतु मंत्र

ॐ एकदंताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात ॥

ॐ महाकर्णाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात ॥

ॐ गजाननाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात॥

खाना न मिलने से श्रीकृष्ण के मित्र हो गए निराश

बालक कृष्ण की ग्वालों को सीख- बार-बार प्रयास करने से ही मिलती है सफलता

बालक कृष्ण से जुड़ी प्रेरक कथा है। द्वापर युग में विष्णु जी ने श्रीकृष्ण अवतार लिया। गोकुल में बाल कृष्ण लीलाएं कर रहे थे। श्रीकृष्ण का स्वभाव था कि वे किसी भी परिस्थिति में हार नहीं मानते थे। लगातार कोशिश करते रहना, उनका स्वभाव था।

एक दिन बालक कृष्ण और बलराम ग्वालों के साथ जंगल में खेल रहे थे। खेलते-खेलते सभी बच्चे घने वन में चले गए। लगातार खेलते रहने से छोटे-छोटे ग्वाले थक गए, उन्हें भूख-प्यास लगने लगी।

बालकृष्ण अपने साथी ग्वालों की हालत देखकर समझ गए कि सभी थक गए हैं और इन्हें भूख भी लगी है। कृष्ण ने साथी ग्वालों से कहा कि कुछ ही दूरी पर कुछ ब्राह्मण यज्ञ कर रहे हैं, वहां कई लोग हैं तो उन लोगों ने भोजन भी बनाया होगा। तुम सब वहां जाओ और अपनी परेशानी बताकर खाना मांग लेना।

सखा कृष्ण की बात मानकर सभी ग्वाले उस यज्ञ स्थल पर पहुंच गए। सभी ग्वालों ने वहां के लोगों को अपनी परेशानी बताई और उनसे खाना मांगा, लेकिन लोगों ने उन्हें मना कर दिया गया। खाना न मिलने से ग्वाले निराश हो गए और कृष्ण के पास लौट आए।

कृष्ण ने ग्वालों से निराशा की वजह पूछी तो ग्वालों ने पूरी बात बता दी। कृष्ण ने फिर कहा कि तुम एक बार जाओ, फिर से वहां खाना मांगना।

ग्वाले बोले कि वहां जाने का कोई फायदा नहीं है। अगर उन्होंने एक बार में खाना नहीं दिया है तो वे दूसरी बार में भी खाना नहीं देंगे।

कृष्ण ने ग्वालों को समझाया कि कभी-कभी पहले प्रयास में असफलता मिल जाती है तो हमें निराश नहीं होना चाहिए। असफलता मिल जाए तो हमें अपने प्रयासों नहीं रोकने चाहिए। हमें सफल होने तक प्रयास करते रहना चाहिए। बार-बार प्रयत्न करना ही सफल व्यक्ति का मुख्य गुण है। असफलता मिल रही है, तब भी हमें कोशिश नहीं छोड़नी चाहिए। सफलता कहीं न कहीं, किसी न किसी रूप में हमारी प्रतीक्षा जरूर कर रही होगी। तुम सभी एक बार फिर वहां जाओ, लेकिन इस बार किसी और तरीके से खाना मांगना। इस बार मेरा और बलराम का नाम लेकर खाना मांगना, तुम्हें खाना जरूर मिलेगा। कृष्ण की बात मानकर एक बार फिर सभी ग्वाले यज्ञ स्थल पर पहुंच गए। इस बार सभी ग्वालों ने कृष्ण और बलराम का नाम लेकर खाना मांगा तो ब्राह्मणों में सभी बच्चों को खाना दे दिया। खाना लेकर सभी ग्वाले श्रीकृष्ण के पास लौट आए।

श्रीकृष्ण की सीख

श्रीकृष्ण ने सभी को सीख दी कि एक बार प्रयास करके थकना नहीं चाहिए, असफलता से निराश नहीं होना चाहिए। हमें सफल होने तक कोशिश करनी चाहिए और हर बार अपने तरीकों में बदलाव करना चाहिए।

घर की किस दिशा में रखें डेकोरेटिव आइटम्स ?

हमारे घरों में सजावट के तौर पर या उपयोग के तौर पर कई सारी कांच की वस्तुएं होती हैं। दिखने में यह आकर्षित होती हैं और घर की रौनक को भी बढ़ाती हैं। फिर चाहे कांच के बर्तनों की बात हो या फिर सजावटी सामान की। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, हर धातु की एक प्रवृत्ति होती है और उसके अनुसार वह आपको शुभ और अशुभ फल प्रदान करती है। कांच कई वस्तुओं को लेकर वास्तु में कई सारे नियमों का उल्लेख है। ऐसे में आज की खबर में जानेंगे कि सजावटी कांच की वस्तुओं को घर में किस दिशा में और किस प्रकार रखना चाहिए, ताकि घर में सकारात्मकता बनी रहे।

कांच की सामग्री का वास्तु संबंध

वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि यदि आप कांच के सामान को सही दिशा और स्थान पर रखें तो यह आपके घर में सकारात्मक माहौल बनाता है। कांच एक पारदर्शी पदार्थ है, जो प्रकाश को प्रतिबिंबित करता है। इसलिए आप यदि घर में कांच से बनी सजावटी वस्तुएं लेकर आ रहे हैं तो इन बातों का विशेष तौर पर ध्यान रखें।

कांच की वस्तुओं के लिए कौनी सी दिशा सही

घर में यदि कांच से बनी सजावटी वस्तुएं लेकर आ रहे हैं तो इसके लिए पूर्व दिशा को सबसे उत्तम माना गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार इस दिशा में कांच की वस्तुएं रखने से घर में शांति और सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसके अलावा इससे प्राकृतिक प्रकाश का सही उपयोग होता है। जिससे घर में सकारात्मकता भी बनी रहती है। इसके अलावा आप कांच की सामग्री को उत्तर दिशा में भी रख सकते हैं।

इन दिशाओं में नहीं रखना चाहिए कांच की वस्तुएं

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कभी भी कांच की वस्तुओं को दक्षिण दिशा में नहीं रखना चाहिए। यह ठीक नहीं मानी जाती, क्योंकि इससे आपके घर में नकात्मकता आती है, जिसके प्रभाव से परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य पर असर होता है। वहीं, यदि आप कांच की वस्तुओं को पश्चिम दिशा में रखते हैं तो इससे वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है।

सिर्फ यशोदा और देवकी ही नहीं थी भगवान कृष्ण की मां तीसरी माता का भी मिलता है उल्लेख

पौराणिक कथाओं में भगवान कृष्ण को भगवान श्री हरि यानी कि विष्णु भगवान का अवतार बताया गया है। ऐसा उल्लेख मिलता है कि श्रीकृष्ण का जन्म माता देवकी की कोख से हुआ लेकिन उनका पालन पोषण माता यशोदा ने किया। ऐसे में लोग श्रीकृष्ण की दो माताओं के बारे में जानते हैं। लेकिन भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा कहते हैं श्री कृष्ण की दो नहीं तीन माताएं थीं। इनका नाम क्या था और इसका उल्लेख कहां मिलता है। आइए जानते हैं इन सब बातों को विस्तार से।

श्री कृष्ण की तीसरी मां का नाम

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने सबसे पहले वामन अवतार लिया था और इस अवतार के मनोरम रूप में उन्होंने मानव कल्याण के लिए राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी थी। ऐसे में राजा बलि की पुत्री के मन में ख्याल आया था कि यदि ऐसा पुत्र मेरा हो तो मैं दूध में जहर देकर उसे मृत्यु प्रदान कर दूं। मन में आई इस इच्छा को भगवान जान गए थे और इसलिए उन्होंने तथास्तु कहा।

इसके बाद राजा बलि की पुत्री ने द्वापरयुग में पूतना के रूप में जन्म लिया था। इसी युग में भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लिया और जब पूतना को मामा कंस ने उन्हें मारने के लिए भेजा तो पूतना ने श्रीकृष्ण को मारने के लिए दूध पिलाया। इस समय ही श्री कृष्ण ने उन्हें अपनी माता मानकर अपने उस वरदान को पूरा किया, जो उन्हें राजा बलि के घर दिया था और मृत्यु के बाद पूतना को कृष्ण धाम की प्राप्ति हुई।

क्या घर के सामने पपीता का पेड़ लगाना चाहिए ?

वास्तु शास्त्र में सभी पेड़-पौधों को सही स्थान पर लगाने की मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर सही स्थान और दिशा में पेड़-पौधे लगाए जाएं, तो व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

वास्तु शास्त्र में घर में पेड़-पौधे लगाने का विशेष महत्व माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि घर में इन्हें लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। घर-परिवार के सभी सदस्यों का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। पेड़-पौधौं को देवी-देवता का स्वरूप माना गया है। इसलिए इसे कई लोग दिन के हिसाब से सही स्थान और दिशा में लगाते हैं। ताकि व्यक्ति को कभी भी किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। अब ऐसे में सवाल है कि क्या घर के सामने पपीता का पेड़ लगा सकते हैं।

वास्तु शास्त्र में पपीता का पेड़ कभी भी घर के सामने नहीं लगाना चाहिए। अगर ये पेड़ अपने आप भी उग जाए, तो शुरुआत में इसे खोदकर दूसरे स्थान पर लगा देना चाहिए। इसके अलावा अगर अगर पपीता का पेड़ बड़ा हो गया है, तो फल जब आने बंद हो जाएं, तो पपीता के पेड़ को काटने के बजाए, इसके तने में छेद करके हींग भर देना चाहिए।

ऐसा कहा जाता है कि पपीता का पेड़ घर के सामने लगाने से व्यक्ति को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है और घर-परिवार में सुख-शांति की कमी आने लग जाती है। इसलिए घर के सामने पपीता का पेड़ लगाने से बचें। आपको बता दें, अगर आप पीपता के पेड़ के तने में हींग लगाने से घर में आने वाले सभी संकटों से छुटकारा मिल जाता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पपीता के पेड़ में पितरों का वास माना जाता है। इसलिए इस पेड़ को घर में नहीं लगाना चाहिए। इतना ही नहीं, ऐसी मान्यता है कि घर में पीपल का पौधा लगाने से संतान पर हमेशा कष्ट बना रहता है। इसलिए घर के सामने पपीता का पेड़ लगाने से बचें।

घर के आंगन में न लगाएं पपीता का पेड़

अगर आप घर के आंगन में पपीता का पड़ लगा रहे हैं, तो यह अशुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि आंगन में इस पेड़ को लगाने से घर में हमेशा आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है और घर-परिवार में कभी भी सुख-शांति नहीं रहती है। साथ ही घर में हमेशा कलह-क्लेश की स्थिति बनी रहती है। इसलिए घर के आंगन में भी पपीता का पेड़ न लगाएं।

पैसों से जुड़ी समस्या होगी दूर, जब घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएंगे ये एक चीज

वास्तु का खास उपाय आएगा आपके काम

अगर आपके जीवन में पैसे आ रहे हैं, लेकिन वो जल्दी खर्च हो जाते हैं। इसकी वजह से आप दिन पर दिन कर्ज में दबे जा रहे हैं, तो इसके लिए आपको वास्तु उपाय का खास ध्यान रखना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि वास्तु के हिसाब से जब आप अपनी दिशा में बदलाव लाएंगे, तो जीवन में सुधार आपको देखने को मिल जाएगा। इसका मुख्य उपाय है घर का गेट। जहां से आप रोजाना घर में प्रवेश करते हैं।

गेट पर लटकाएं नमक की पोटली

नमक हर खाने में डाला जाता है। जब हमें घर में नेगिटिव एनर्जी का अहसास होता है, तो इसे कम करने के लिए भी हम नमक का इस्तेमाल करते हैं। इसकी वजह से घर में सकारात्मक असर दिखाई देता है। इसी नमक की पोटली बनाकर आपको अपने घर के मेन गेट पर लटकाना है। ऐसा करने से आपका शुक्र मजबूत होता है। साथ ही आपके घर में आने वाली नेगिटिव एनर्जी कम हे जाती है। इसके बाद आपको पैसों की समस्या नहीं होगी। साथ ही, रुका हुआ धन भी आपको वापस मिल जाएगा।

घर के मुख्य दरवाजे पर नमक की पोटली लटकाने से मिलते हैं ये लाभ

नमक की पोटली को मुख्य दरवाजे पर लटकाने से पहले आप पंडित जी की राय जरूर लें। इससे आपको सही समय और दिशा की जानकारी मिल जाएगी।

घर में पैसों की कमी दूर करने के लिए ये सबसे आसान उपाय है। इसे करने से आपका शुक्र मजबूत होगा।

ऐसा करने से आपके जीवन में कभी भी नकारात्मक का प्रभाव नहीं दिखाई देगा।

इस उपाय को करने से आपके दांपत्य जीवन में सकारात्मक असर दिखाई देगा।

वास्तु दोष से छुटकारा दिलाएंगा ये आसान उपाय

क्या विक्रांत ने लिया ब्रेक लेने का फैसला ?

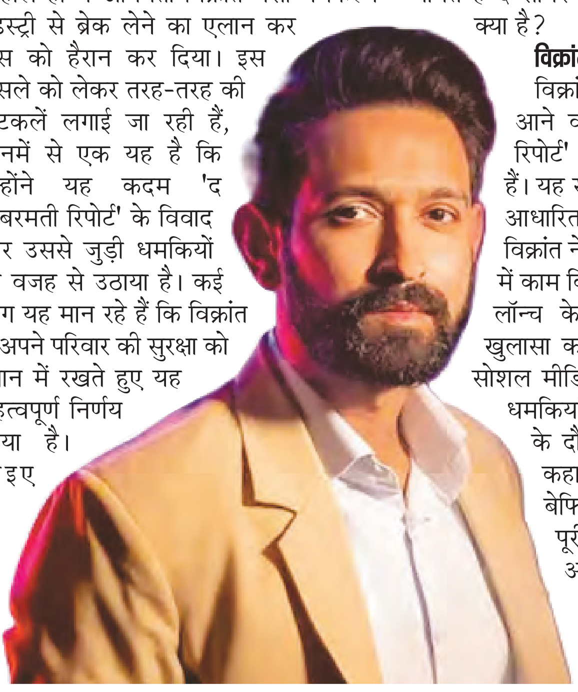

हाल ही में अभिनेता विक्रांत मैसी ने फिल्म इंडस्ट्री से ब्रेक लेने का एलान कर फैंस को हैरान कर दिया। इस फैसले को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं, जिनमें से एक यह है कि उन्होंने यह कदम 'द साबरमती रिपोर्ट' के विवाद और उससे जुड़ी धमकियों की वजह से उठाया है। कई लोग यह मान रहे हैं कि विक्रांत ने अपने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आइए जानते हैं द साबरमती रिपोर्ट से जुड़ा मामला क्या है?

विक्रांत को मिली थी धमकियां

विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' को लेकर लगातार चर्चा में हैं। यह साल 2002 के गोधरा कांड आधारित फिल्म है। इस फिल्म में विक्रांत ने एक क्षेत्रीय पत्रकार के रूप में काम किया है। इस फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान विक्रांत ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा था कि उन्हें सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। इस विवाद के दौरान उन्होंने साफ तौर पर कहा, ₹मैं इन धमकियों से बेफिक्र हूं, क्योंकि यह फिल्म पूरी तरह से तथ्यों पर आधारित है।

फिल्म प्रचार के दौरान बेफिक्र दिखे थे विक्रांत

वहीं, फिल्म की निर्माता एकता कपूर और निर्देशक धीरज सरना ने इसे सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताया था। फिल्म का विषय इतना संवेदनशील होने के कारण विक्रांत को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। हालांकि, इसके बाद भी वह इस मामले में बेफिक्र ही नजर आए। उन्होंने इस पूरे विवाद पर कहा, "हम कलाकार हैं, हम सिर्फ कहानियां बताते हैं। यह फिल्म पूरी तरह से तथ्यों पर आधारित है। दुर्भाग्यवश, आप फिल्म को देख नहीं पाए हैं, तो कृपया इसे लेकर कोई पूर्वाग्रह न बनाएं कि यह सिर्फ एक ही पहलू को दिखा रही है।"

बेटे को धमकी मिलने पर जताई चिंता

विक्रांत ने अपनी चिंता का इजहार तब किया जब उनके नवजात बेटे का नाम भी इस विवाद में घसीटा गया। विक्रांत ने कहा, "ये लोग जानते हैं कि मैं हाल ही में एक बेटे का पिता बना हूं, जो अभी चल भी नहीं सकता। वे उसका नाम भी इस विवाद में खींच रहे हैं और मुझे उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता है। हम किस समाज में जी रहे हैं?" उन्होंने आगे यह भी कहा कि भले ही यह स्थिति परेशान करने वाली हो, लेकिन वह डर नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर डर की वजह से फिल्म छोड़नी होती तो वे कभी भी ऐसी फिल्म को रिलीज करने का फैसला नहीं करते।

विक्रांत ने पोस्ट में लिखी यह बात

इस पूरे विवाद की वजह से ही सोशल मीडिया पर बहुत से लोग यह कयास लगा रहे हैं कि विक्रांत मैसी ने अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर यह कदम उठाया है। हालांकि, उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर इस कदम को उठाने के पीछे एक हिंट भी दिया है। उन्होंने लिखा, पिछले कुछ साल और उससे पहले का समय अद्भुत रहा है। मैं आप सभी का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझे हमेशा समर्थन दिया, लेकिन जैसे ही मैं आगे बढ़ा तो मुझे यह एहसास हुआ कि एक पति, पिता, बेटे और एक अभिनेता के रूप में भी अब खुद को पुनः संरेखित करने और घर लौटने का समय आ गया है। उनकी इस पोस्ट से यह भी हिंट मिल रहा है कि परिवार को समय देने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है।

शोभिता के घर पूरी हुई पेल्ली कुतुरु की रस्म लाल साड़ी में बेहद खूबसूरत लगी नागा की दुल्हन

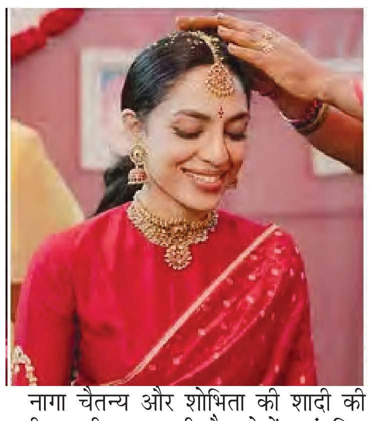

नागा चैतन्य और शोभिता की शादी की घड़ी नजदीक आ रही है। दोनों पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ शादी रचाने वाले हैं। कहा जा रहा है कि खूबसूरती जोड़ा 4 दिसंबर को विवाह बंधन में बंधेगा। फिलहाल शादी से पूर्व की रस्में चल रही हैं। हाल ही में शोभिता ने अपनी हल्दी सेरेमनी की तस्वीरें फैंस के साथ साझा की थीं। आज उन्होंने अपनी पेल्ली कुथुरू रस्म की झलकियां दिखाई हैं।

लाल साड़ी में बला की खूबसूरत लगीं शोभिता

शोभिता धुलिपाला ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उनकी पेल्ली कुथुरु रस्म की तस्वीरे हैं। सुर्ख लाल रंग की साड़ी में शोभिता बेहद प्यारी लग रही हैं। पोस्ट के साथ शोभिता ने कैप्शन लिखा है, 'पेल्ली कुतुरू'।

शोभिता को दिया आशीर्वाद

तस्वीरों में शोभिता के पैरों पर हल्दी लगाई गई है। इसके बाद घर की महिलाएं उनकी आरती उतारती नजर आ रही हैं। होने वाली दुल्हन का टीका करने के बाद उन्हें आशीर्वाद दिया गया है। शोभिता की गोद में एक टोकरी नजर आ रही है, जिसमें लाल कांच की चूड़िया हैं।

तमिल रीति-रिवाज से होगी शादी

शोभिता और नागा की शादी तमिल रीति-रिवाज से होगी। शादी से पूर्व की हर रस्म शोभिता पूरे विधि-विधान से कर रही हैं। आज सोमवार को उन्होंने पेल्ली कुथरू की तस्वीरें साझा की हैं। इसमें होने वाली दुल्हन को घर की महिलाएं आशीर्वाद देती नजर आ रही हैं। लाल साड़ी में शोभिता पारंपरिक अंदाज में तैयार हुई हैं। उन्होंने गोल्ड ज्वैलरी से अपना लुक कंपलीट किया है।

'वो गाते थे तो लगता था पक्का हिन्दू', मोहम्मद रफी के धर्म पर ये क्या बोल गए सिंगर सोनू निगम

सोनू निगम बॉलीवुड के बेहतरीन सिंगर्स में से एक हैं। उन्होंने अभी तक अपने करियर में कई हिट गानों को अपनी आवाज दी है और आज भी उनके बहुत से गाने लोगों के जुबान पर रहते हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'भूल भुलैया 3' के गाने 'मेरे ढोलना 3.0' को भी सिंगर ने गाया और इस गाने ने हर जगह खूब धूम मचाई। अब सोनू निगम एक खास वजह से लाइमलाइट में बने हुए हैं।

दरअसल, उन्होंने एक इवेंट में बॉलीवुड के दिग्गज दिवंगत सिंगर मोहम्मद रफी के बारे में बात की और उनके लिए कुछ ऐसा कह दिया, जिसके बाद अब वह सुर्खियों में आ गए हैं। सोनू निगम ने बताया कि कैसे उस समय के ज्यादातर स्टार्स के लिए दिग्गज सिंगर ने गाना गाया और इसके लिए उनकी तारीफ भी की। चलिए जानते हैं कि उन्होंने क्या-क्या है।

लगता है कोई हिंदू गा रहा हो

दरअसल, हाल ही में सोनू निगम ने इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया, गोवा में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने कई चीजों को लेकर बात की। इस दौरान मोहम्मद रफी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी आवाज दिलीप कुमार, जॉनी वॉकर, महमूद यहां तक की ऋषि कपूर के ऊपर भी बिल्कुल फिट बैठती थी। जब वो भजन गाते थे, लगता था कोई पक्का हिन्दू गा रहा हो। थे वो मुसलमान, नमाजी आदमी। इनका धर्म परिवर्तन कैसे हो जाता था गायकी में।

इसके आगे सिंगर ने कहा कि मैं बहुत सारे सिंगर को जानता हूं, जो सूफी गानें बहुत अच्छे गाते हैं, लेकिन भजन नहीं गा पाते। हालांकि, रफी ऐसा कर लेते थे और ये बहुत बड़ी बात है हर कोई ऐसा नहीं कर सकता। वो रमजान पर, रक्षा बंधन के मौके पर गाते थे। दुख वाले गाने गाते थे और यहां तक की फेमस बर्थ डे सॉन्ग भी गाया। ऐसा कुछ भी नहीं है, जो उन्होंने ना किया हो। मैं सोच में पड़ जाता था कि ये आदमी है कौन।

मोहम्मद रफी ने इन गानों को दी आवाज

बता दें कि मोहम्मद रफी ने 'आज मौसम बड़ा बेईमान है', 'एहसान तेरा होगा मुझ पर', 'अकेले अकेले कहां जा रहे हो' समेत कई गानों को अपनी आवाज दी है। वहीं, इसी इवेंट में दिग्गज दिवंगत सिंगर के बेटे शाहिद रफी ने मोहम्मद रफी की बायोपिक का भी ऐलान किया, जिसे 'ओह माय गॉड' फिल्म के डायरेक्टर उमेश शुक्ला डायरेक्ट करेंगे।

क्या साथ में छुट्टियां मना रहे अर्जुन बाजवा और सारा ?

सारा अली खान इन दिनों राजस्थान की सैर पर निकली हैं। अभिनेत्री इंस्टाग्राम पर लगातार फैंस के साथ अपनी यात्रा की झलकियां साझा कर रही हैं। सारा के पोस्ट पर यूजर्स दिलचस्प प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सारा अली की राजस्थान ट्रिप के बीच एक बार फिर उनके और अर्जुन बाजवा के कथित अफेयर की खबरें सामने आने लगी हैं। दोनों की सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इनकी डेटिंग की खबरों को हवा मिली है।

क्यों लगाए जा रहे डेटिंग के कयास

सारा अली खान इंस्टाग्राम पर लगातार राजस्थान से अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा कर रही हैं। इस बीच मॉडल अर्जुन बाजवा ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है। हालांकि, दोनों की सोशल मीडिया पोस्ट में वे कहीं भी एक-दूसरे के साथ नजर नहीं आ रहे हैं। लेकिन, दोनों की तस्वीरें ऐसी हैं कि फैंस अटकलें लगा रहे हैं। सारा अली खान जिस होटल में ठहरी हैं, वहां से उन्होंने राजस्थान की खूबसूरत लोकेशन की तस्वीरें क्लिक करके पोस्ट की हैं।

सोशल मीडिया पोस्ट ने दी अफेयर को हवा

बात करें अर्जुन बाजवा की तो उन्होंने अपनी जो तस्वीर शेयर की है, उसमें वे जिम में वर्कआउट करते दिख रहे हैं। वे एक होटल के जिम में वर्कआउट कर रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने इसी बात पर गौर किया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों साथ में घूमने निकले हैं। सारा और अर्जुन को पहले भी साथ में एक ही लोकेशन पर देखा जा चुका है। दरअसल, दोनों एक ही समय केदारनाथ की यात्रा पर गए थे। अब फैंस दावा कर रहे हैं कि शायद राजस्थान भी शायद दोनों साथ घूमने निकले हैं।

सोशल मीडिया पोस्ट से फिर मिली अफेयर को हवा

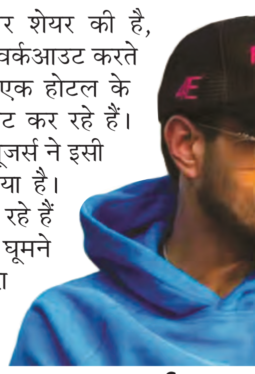

अर्जुन बाजवा

सारा और अर्जुन बाजवा के अफेयर की खबरें इसी साल अक्तूबर में सामने आईं। दिवाली के आसपास सारा अली खान केदारनाथ यात्रा पर गईं।

इसी दौरान अर्जुन बाजवा भी बाबा केदारनाथ के दर्शन करने पहुंचे थे और उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीरें भी साझा कीं। यहीं से दोनों के अफेयर की खबरें शुरू हुईं। अब एक बार फिर इन्हें हवा मिलती दिख रही है।

कौन हैं अर्जुन बाजवा?

सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान कई फिल्मों में अपने अभिनय का कमाल दिखा चुकी हैं। वहीं, अर्जुन बाजवा भी एक चर्चित मॉडल और एक्टर हैं।

कई बड़े डिजाइनर्स के लिए वे रैंप वॉक कर चुके हैं। उन्होंने सिंह इज ब्लिंग सहित कई फिल्मों में बतौर असिस्टेंट भी काम किया है।

सारा अली खान

केदारनाथ यात्रा पर गए थे साथ

आदित्य ने तोड़ा तो वॉकर ब्लैंको से जोड़ा दिल ? अनन्या पांडे की लेटेस्ट पोस्ट ने की डेट की पुष्टि

अनन्या पांडे ने आखिरकार पुष्टि कर ही दी है कि वह वॉकर ब्लैंको को डेट कर रही हैं? क्योंकि अनन्या ने वॉकर की बेस्ट एक्ट्रेस के पुरस्कार के कमेंट पर अपने शानदार रिप्लाई से सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। अनन्या पांडे ने हाल ही में खो गए हम कहां के लिए बेस्ट एक्ट्रेस क्रिटिक्स चॉइस कैटेगरी में फिल्मफेयर पुरस्कार जीता है। वॉकर ब्लैंको ने अनन्या की जीत की सराहना की और एक प्यारा कमेंट किया, जिसके बाद अनन्या के रिप्लाई ने प्रशंसकों के बीच हलचल मचा दी है।

वॉकर ब्लैंको ने अनन्या की पोस्ट को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लाल दिल वाली इमोजी के साथ क्लैप वाली इमेजी शेयर किया। अनन्या ने स्टोरी को फिर से शेयर किया और ब्लशिंग इमोजी के साथ वॉकी लिखा। हालांकि पिछले कुछ समय से अनन्या और वॉकर को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन अब इन अफवाहों में कितनी सच्चाई है यह अनन्या और वॉकर ही बेहतर जानते हैं।

इससे पहले वॉकर ने अनन्या के साथ डेटिंग के संकेत दिए थे। अनन्या के जन्मदिन पर वॉकर ने इंस्टाग्राम पर अनन्या की बेहद ही खूबसूरत तस्वीर के साथ एक प्यारी पोस्ट साझा की। अनन्या की मुस्कुराती हुई तस्वीर के साथ, वॉकर ने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो सुंदर। तुम बहुत खास हो। मैं तुमसे प्यार करता हूं एनी! इस पोस्ट ने तुरंत प्रशंसकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वॉकर ब्लैंको शिकागो के एक पूर्व मॉडल हैं। उन्होंने वेस्टमिंस्टर क्रिश्चियन स्कूल में पढ़ाई की है। वॉकर वर्तमान में गुजरात के जामनगर में एक पशु आश्रय स्थल वंतारा में काम करते हैं, जिसके मालिक अनंत अंबानी हैं। अगर उनके इंस्टाग्राम को देखें तो वॉकर एक बड़े पशु प्रेमी हैं। वह अक्सर विदेशी जानवरों की तस्वीरें शेयर करते हैं और वन्यजीवों के प्रति अपने प्यार को प्रदर्शित करते हैं। 23,000 से ज्यादा फॉलोअर्स के साथ, वॉकर को सुहाना खान, नव्या नवेली नंदा और निर्देशक एटली फॉलो करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अगस्त में वॉकर ब्लैंको के साथ अनन्या के रिश्ते की अफवाहें फैलने लगीं। कथित तौर पर दोनों की मुलाकात अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी से पहले के समारोहों के दौरान हुई थी, जहां अनन्या ने कथित तौर पर ब्लैंको को अपने पार्टनर के तौर पर पेश किया था।

अनन्या पांडे की अपनी लव लाइफ हमेशा से ही प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय रही है। पहले उनका नाम अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के साथ जोड़ा जाता था, लेकिन इस साल की शुरुआत में कथित तौर पर दोनों अलग हो गए। इसलिए, ना तो अनन्या और ना ही वॉकर ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वे रिलेशनशिप में हैं।

अल्लू अर्जुन का पैन इंडिया स्टार तमगा खतरे में, एडवांस बुकिंग की एनालिसिस पर हंगामा

कॉरपोरेट बुकिंग और ब्लॉक सीटों के चलते भले अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, फहद फासिल और श्री लीला की मेगा बजट फिल्म 'पुष्पा 2' की एडवांस बुकिंग 30 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंचती दिख रही हो, लेकिन असल में अब तक इस फिल्म की टिकटें सिर्फ 20 करोड़ रुपये की ही बिकी हैं। फिल्म को लेकर सबसे ज्यादा दीवानगी तेलुगुभाषी राज्यों आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में दिख रही है। यहां फिल्म ने सिर्फ तीन हजार शोज की एडवांस बुकिंग में जितनी कमाई कर ली है, उतनी कमाई ये फिल्म हिंदी में इसके चार गुना शोज की एडवांस बुकिंग में भी नहीं कर पाई है। तमिल, मलयालम और कन्नड़ में फिल्म को कोई तवज्जो ही नहीं मिलती दिख रही।

इस साल की सबसे ज्यादा चर्चा में रही फिल्म 'पुष्पा द रूल' यानी 'पुष्पा पार्ट टू' की रिलीज में अब बस तीन दिन बचे हैं। फिल्म की एडवांस बुकिंग का हल्ला तो खूब है लेकिन इसकी ज्यादातर कमाई इसके मूल संस्करण यानी तेलुगु से ही होती दिख रही है। तेलुगु में फिल्म के 2983 शोज की एडवांस बुकिंग चल रही है जिसमें से इसके टूडी संस्करण की एडवांस बुकिंग करीब 10.87 करोड़ रुपये की, आईमैक्स टूडी संस्करण की 21.39 लाख रुपये की और थ्रीडी संस्करण की एडवांस बुकिंग करीब 8.70 लाख रुपये की हो सकी है। सोमवार दोपहर तक के इन आंकड़ों के मुताबिक फिल्म के तेलुगु संस्करण की एडवांस बुकिंग में अब तक करीब 11.17 करोड़ रुपये की टिकटें बिकी हैं।

फिल्म को हिट का तमगा पाने के लिए घरेलू बॉक्स ऑफिस पर ही कम से कम 800 करोड़ रुपये कमाने होंगे। 'पुष्पा वन' का बजट सिर्फ 150 करोड़ रुपये था और इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर करीब 350 करोड़ रुपये कमाए थे। अकेले हिंदी में फिल्म की कमाई सौ करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी।

फिल्म के हिंदी संस्करण ने सोमवार दोपहर तक के आंकड़ों के मुताबिक टूडी में करीब 7.69 करोड़ रुपये, आईमैक्स टूडी में 2.56 करोड़ रुपये और थ्रीडी में 28.83 लाख रुपये की टिकटें एडवांस बुकिंग में बेच ली हैं। करीब 10.54 करोड़ रुपये की हिंदी संस्करण की ये एडवांस बुकिंग 11605 शोज की टिकटें बेचकर हुई है और यहीं फिल्म की कमाई का असल पेंच फंसने वाला है।

फिल्म 'पुष्पा 2' की एडवांस बुकिंग में सबसे ज्यादा चौंकाने वाले आंकड़े फिल्म के मलयालम संस्करण के हैं। फिल्म के मुख्य विलेन का किरदार मलयालम सुपरस्टार फहद फासिल कर रहे हैं लेकिन उनके अपनी भाषा में डब इस फिल्म का संस्करण सोमवार दोपहर तक एडवांस बुकिंग में सिर्फ 51.81 लाख रुपये ही जुटा पाया है। तमिल संस्करण की हालत और खस्ता है, जिसने एडवांस बुकिंग में सिर्फ 31.93 लाख रुपये की टिकटें बेची हैं।

किस वजह से रद्द हुआ सनी लियोनी का हैदराबाद वाला शो, पुलिस ने नहीं दी कार्यक्रम की अनुमति

अभिनेत्री सनी लियोनी हैदराबाद के इल्यूजन पब में डीजे नाइट का हिस्सा बनने वाली थीं, हालांकि उन्होंने आखिरी समय पर इस इवेंट को रद्द कर दिया।इसका कारण सामने आ गया है, माना जा रहा है कि पुलिस ने इस समारोह के लिए अनुमति नहीं दी।

बिकी 500 से ज्यादा टिकट

सनी लियोनी को इस लाइव कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के लिए हैदराबाद बुलाया गया था, जो शनिवार को रात 11 बजे से 12:30 बजे के बीच होना था। खबरों की मानें तो इस शो की 500 से ज्यादा टिकट बुक माई शो में बिकीं। हालांकि, आयोजकों ने अनुमति न मिलने के बावजूद कार्यक्रम आयोजित किया।

पुलिस अधिकारियों ने किया मजबूर

इसके बाद जुबली हिल्स पुलिस ने हस्तक्षेप किया। पुलिस ने पब के बाहर इकट्ठा होकर निर्माताओं को कार्यक्रम रद्द करने पर मजबूर कर दिया। रात 8 बजे से सुबह 1 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर करीब 100 पुलिस अधिकारी तैनात थे। जैसे ही शाम 8 बजे के आसपास उपस्थित लोग पहुंचने लगे, उन्होंने अपनी निराशा व्यक्त की।

आयोजको ने कही ये बात

समारोह रद्द होने पर आयोजकों ने लिखा, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण, सनी लियोन आज प्रदर्शन नहीं करेंगी। हालांकि, क्लब बॉलीवुड नाइट को योजना के अनुसार जारी रखेगा। किसी भी असुविधा के लिए हम क्षमा चाहते हैं।₹ खबरों की मानें तो पुलिस अधिकारी रात एक बजे तक कार्यक्रम स्थल से चले गए थे।

उत्साहित रहे प्रशंसक

अभिनेत्री सनी लियोनी के शो के लिए प्रशंसक काफी उत्साहित थे। उनकी फिल्म और आइटम सॉन्ग के कारण जाना जाता है। वहीं, बोल्ड अंदाज के कारण भी वे प्रशंसकों के बीच चर्चा में रहते हैं। सनी लियोन की दिलकश अदाएं प्रशंसकों को बहुत भाती हैं।

एक बच्चे को पालने में आम आदमी के 1 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक बार फिर हिंदुओं की आबादी को लेकर संकेतों में बात कही है। उन्होंने हिंदुओं का नाम लिए बगैर भारत में उनकी घटती जनसंख्या पर चिंता जाहिर की। परिवार की अहमियत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि अगर समाज की जनसंख्या वृद्धि दर गिरते-गिरते 2.1 प्रतिशत के नीचे चली गई तो तब समाज को किसी को बर्बाद करने की जरूरत नहीं, वह खुद ही नष्ट हो जाएगा। इसलिए कम से कम तीन बच्चे पैदा करना बेहद जरूरी है।

नागपुर में रविवार को 'कथाले कुल सम्मेलन' को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, 'कुटुंब यानी परिवार समाज का हिस्सा है और हरेक कुटुंब इसकी इकाई है। भागवत ने भले ही ये संकेत हिंदुओं के संदर्भ में दिया है, मगर हकीकत ये है कि आज महंगाई, बेरोजगारी की मार झेल रहा आम आदमी के लिए 3-3 बच्चे पैदा करना और उनका पालन-पोषण करना कितना मुश्किल हो सकता है। जहां 1 बच्चे के पालन पर ही अच्छी-खासी रकम खर्च हो जाती है। जानते हैं कि देश में बच्चे पालना कितना महंगा हो सकता है।

चीन को पछाड़कर भारत दुनिया में आगे, हिंदू आबादी गिरी

इसी साल भारत बढ़ती आबादी की लंबी छलांग लगाते हुए चीन को पछाड़ कर जनसंख्या में मामले में दुनिया में नंबर वन पर आ गया। हालांकि, भारत में बहुसंख्यक हिंदू पिछली जनगणना में 80 प्रतिशत थे। जो अब इस साल तक उनकी जनसंख्या वृद्धि दर घटने से देश में उनकी कुल आबादी घटकर 78.9 प्रतिशत ही रह गई है। वहीं, हिंदू आबादी अब भी देश में करीब 100 करोड़ है। दुनिया के 95 प्रतिशत हिंदू भारत में रहते हैं। वहीं, देश में मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर बढ़ी है।

भारत में किसी बच्चे को पालने में क्या खर्च आता है?

भारत में बच्चे के पालन-पोषण का बजट जगह, लाइफस्टाइल और व्यक्तिगत पसंद सहित कई तरह के फैक्टर्स पर निर्भर करता है। 'द लॉजिक स्टिक' के एक हालिया अध्ययन के अनुसार, एक बच्चे के जन्म से लेकर 18 साल तक के पालन-पोषण की अनुमानित लागत 30 लाख से रुपए से लेकर 1.2 करोड़ रुपए तक आती है। यह शहरों और गांवों में परिस्थितियों के मुताबिक अलग-अलग हो सकती है।

हमारे देश में बच्चों की देखभाल की औसत लागत क्या है?

भारत में बच्चों की देखभाल की लागत माता-पिता के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय बोझ हो सकती है। डेकेयर सुविधाओं, प्रीस्कूल फीस और स्कूल के बाद की गतिविधियों जैसे फैक्टर्स के आधार पर ये खर्च अलग-अलग हो सकते हैं। एक बच्चे की देखभाल की लागत औसतन 15,000 से 30,000 रुपए प्रति माह हो सकती है। महानगरों के मुकाबले छोटे शहरों और गांवों में यह लागत कम हो सकती है।

अच्छी जीवन जीने के लिए कितने पैसे की जरूरत होती है?

भारत में अच्छा जीवन जीने की लागत शहर, परिवार के आकार और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के आधार पर अलग-अलग होती है। 4 लोगों के परिवार के बेहतर रहन-सहन के लिए 50,000 से लेकर 1,00,000 रुपए तक महीना खर्च हो सकता है। अगर परिवार में बच्चे हैं तो यह रकम और बढ़ सकती है।

वह तीसरा कहां से पालेगा?

बच्चों के पालन-पोषण में सबसे बड़ा खर्च क्या है?

माता-पिता के लिए बच्चे के पालन-पोषण में शिक्षा सबसे बड़ा खर्च बनकर उभरती है। प्री-स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक, शिक्षा की लागत पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ रही है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अक्सर भारतीय माता-पिता के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होती है, जिससे वे अपनी आय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इस पर खर्च करते हैं। लॉजिक स्टिक के शोध से संकेत मिलता है कि भारत में एक बच्चे के पालन-पोषण की कुल लागत का 40-50% अकेले शिक्षा के कारण हो सकता है।शिक्षा के अलावा, स्वास्थ्य देखभाल बच्चा पैदा करने से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण खर्च है। प्रसवपूर्व देखभाल से लेकर टीकाकरण तक बच्चे के जीवन के शुरुआती वर्षों के दौरान मेडिकल बजट काफी हो सकता है। अगर कोई अचानक दिक्कत आ गई तो ये खर्चे और बढ़ सकते हैं। अप्रत्याशित चिकित्सा लागतों को कम करने के लिए बच्चे और परिवार के लिए स्वास्थ्य बीमा कवरेज महत्वपूर्ण हो जाता है।

बच्चे के बेहतर खानपान पर भी काफी खर्च

भोजन और पोषण बच्चों के लिए पोषण संबंधी जरूरतें बहुत अधिक होती हैं। माता-पिता के लिए इसका मंथली औसत खर्च 2,500 से 3,500 रुपए के बीच हो सकता है। यानी यह रकम सालाना 30,000 से 42,000 रुपए तक हो सकती है। बच्चे के विकास के लिए पोषण युक्त भोजन महत्वपूर्ण है, जिससे भारत में बच्चे के पालन-पोषण की लागत में भोजन एक महत्वपूर्ण कंपोनेंट बन जाता है।

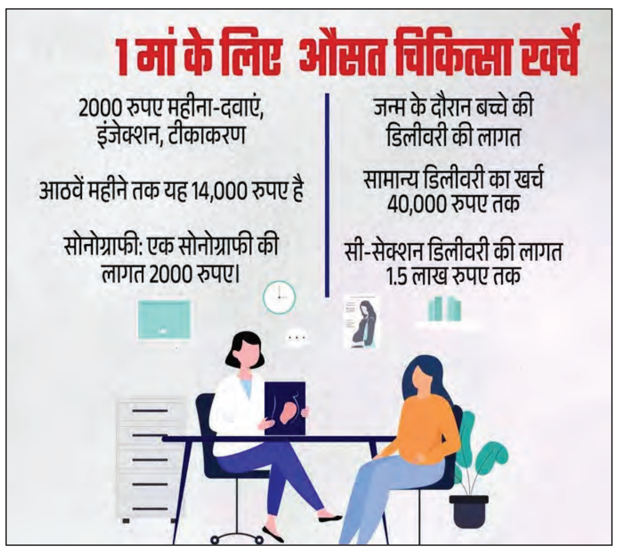

एक बच्चे को बड़ा करने में किन चीजों पर खर्च ज्यादा?

एक बच्चे के पालन-पोषण की वित्तीय जिम्मेदारियां केवल बच्चे की देखभाल के खर्चों से परे होती हैं। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कपड़े, भोजन और पाठ्येतर गतिविधियां शामिल हैं। महंगाई और बदलती हाई-फाई जीवनशैली की वजह से ये खर्च बढ़ सकते हैं। हायर एजुकेशन के लिए ही अगर विदेश भेजना पड़ा तो यह रकम औसतन 25 लाख रुपए से लेकर 5 करोड़ रुपए तक हो सकती है।

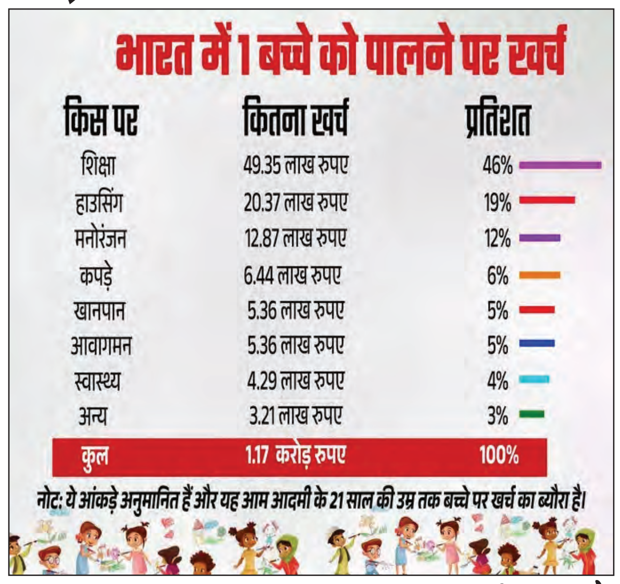

भारत में 1 बच्चे को पालने पर खर्च

किस पर	कितना खर्च	प्रतिशत
शिक्षा	49.35 लाख रुपए	46%
हाउसिंग	20.37 लाख रुपए	19%
मनोरंजन	12.87 लाख रुपए	12%
कपड़े	6.44 लाख रुपए	6%
खानपान	5.36 लाख रुपए	5%
आवागमन	5.36 लाख रुपए	5%
स्वास्थ्य	4.29 लाख रुपए	4%
अन्य	3.21 लाख रुपए	3%
कुल	1.17 करोड़ रुपए	100%

नोट: ये आंकड़े अनुमानित हैं और यह आम आदमी के 21 साल की उम्र तक बच्चे पर खर्च का ब्यौरा है।

कपड़ों पर अच्छी-खासी रकम खर्च होती है

बच्चों का विकास बहुत तेजी से होता है, इसलिए वे बहुत ही कम समय में अपने कपड़ों से बड़े हो जाते हैं। अध्ययन से पता चला है कि माता-पिता बच्चों के पहनावे पर हर महीने लगभग 2000 से 3000 रुपए खर्च करने को तैयार हैं। इसका मतलब यह हुआ कि 24000 से 36000 रुपए सालाना तक इस पर खर्च आ सकता है।

आप नेता राघव चड्ढा ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले को लेकर राज्यसभा में स्थगन नोटिस दिया

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और सांसद राघव चड्ढा ने सोमवार को राज्यसभा में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो अत्याचार और इस्कॉन के पुजारियों की गिरफ्तारी को लेकर स्थगन नोटिस दिया है। आप सांसद ने मांग की है कि सदन में इन विषयों पर न केवल विस्तार पूर्वक चर्चा की जाए, बल्कि इसकी निंदा भी की जाए। राघव चड्ढा ने प्रस्ताव के नोटिस में कहा, राज्यसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों के नियम 267 (नियमों के स्थगन के लिए प्रस्ताव की सूचना) के तहत, मैं प्रस्ताव पेश करने के अपने इरादे की सूचना देता हूं। उन्होंने कहा, यह सदन बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों और चिन्मय कृष्ण दास सहित तीन इस्कॉन पुजारियों की गिरफ्तारी पर चर्चा करने के लिए शून्यकाल और प्रश्नकाल तथा दिन के लिए सूचीबद्ध अन्य कार्यों से संबंधित प्रासंगिक नियमों को निलंबित करे।

पाकिस्तानी नौसेना की बढ़ती ताकत पर नेवी चीफ ने जताई हैरानी

बोले-अपने लोगों की भलाई की बजाय हथियार चुने

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने सोमवार को नई दिल्ली में एक प्रेसवार्ता की। इस दौरान नौसेना प्रमुख ने पाकिस्तानी नौसेना की बढ़ती ताकत पर हैरानी जताई। नौसेना प्रमुख ने कहा कि 'हमें पाकिस्तान की नौसेना की अचानक से बढ़ती ताकत के बारे में पता है, जो अब 50 जहाजों वाली नौसेना बनने की राह पर है। उन्होंने अपने लोगों की भलाई के बजाय हथियार चुने हैं।' वहीं पाकिस्तान की बढ़ती ताकत पर नौसेना प्रमुख ने कहा कि हम किसी भी चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

62 जहाज और एक पनडुब्बी निर्माणाधीन

नौसेना प्रमुख ने भारतीय नौसेना की तैयारियों के बारे में बताया कि अभी देश में 62 युद्धक जहाज और एक पनडुब्बी निर्माणाधीन है। साथ ही अभी नौसेना को 31 और ताकतवर युद्धक जहाज और प्रोजेक्ट-75 के तहत छह पनडुब्बियों की और जरूरत है। इसके साथ ही 60 यूटिलिटी हेलीकॉप्टर मरीन की भी जरूरत है। कई जहाज तैयार हैं और कम से कम एक जहाज को अगले साल ही नौसेना में शामिल कर लिया जाएगा। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि हमने अहम और आधुनिक तकनीक को नौसेना में शामिल करने की कोशिशें कई गुना बढ़ा दी हैं। सरकार ने दो परमाणु पनडुब्बियों के भी देश में निर्माण की मंजूरी दे दी है, जो देश में बन रहे हथियारों पर बढ़ रहे विश्वास को दर्शाता है।

आईएनएस अरिघात से हाल ही में नौसेना ने लंबी दूरी की परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइल का परीक्षण किया था। इस परीक्षण को लेकर नौसेना प्रमुख ने कहा कि यह परीक्षण सफल रहा। मिसाइल की ट्रैजेक्टरी का विशेषज्ञों ने अध्ययन किया है और जल्द ही हमें उसकी रिपोर्ट मिल जाएगी। परमाणु हमले करने में सक्षम पनडुब्बी जल्द ही तैयार हो जाएगी और हमने सरकार को इसकी जानकारी दे दी है। अगस्त में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दूसरी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिघात को नौसेना में कमीशन किया था, जो हमारे परमाणु शक्ति के लिहाज से अहम है।

'कोलकाता में हर दुकान के बाहर लगाना होगा बंगाली भाषा में साइन बोर्ड'

नगर निगम का आदेश, डेडलाइन जारी

कोलकाता, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने एक आदेश जारी किया है, जिसके तहत शहर में मौजूद हर प्रतिष्ठान और दुकान को अन्य भाषाओं के साथ साइन बोर्ड पर बंगाली भाषा का भी इस्तेमाल करना जरूरी होगा।

नगर निगम ने 21 फरवरी 2025 तक की डेडलाइन भी तय कर दी है और इस तारीख से पहले हर दुकान और प्रतिष्ठान पर बंगाली भाषा में साइनबोर्ड लगाना जरूरी होगा। नगर सचिव स्वप्न कुंडू ने बताया कि नगर निगम, दुकानों, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के मालिकों के संपर्क में है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दुकानों के नाम और अन्य जानकारी किसी अन्य भाषा के अलावा बंगाली में भी लिखी जाए। अक्टूबर में तृणमूल कांग्रेस पार्षद बिस्वरूप डे ने कोलकाता नगर निगम के सत्र में कहा था कि सार्वजनिक और निजी कार्यालयों में सभी साइनबोर्ड में अन्य भाषाओं के अलावा बंगाली भाषा का भी इस्तेमाल सुनिश्चित होना चाहिए और साथ ही नगर निगम की सभी अधिसूचनाएं, पत्र और दस्तावेज भी बंगाली भाषा में प्रकाशित होने चाहिए। कोलकाता नगर निगम का यह प्रस्ताव ऐसे समय सामने आया है, जब बीते दिनों केंद्र सरकार ने असमिया, मराठी, पाली और प्राकृत के साथ बंगाली को भी शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का फैसला किया था। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने भी पूर्व में निजी विज्ञापन एजेंसियों और दुकानदारों से अपने-अपने साइनबोर्ड्स में बंगाली भाषा का इस्तेमाल करने का आग्रह किया था।

तमिलनाडु के विल्लुपुरम में बाढ़, कई ट्रेनें रद्द

पुडुचेरी सरकार बोली-चक्रवात के प्रभाव का आकलन जारी

विल्लुपुरम, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। चक्रवात फेंगल के कारण तमिलनाडु के विल्लुपुरम बाढ़ की चपेट में है। तमिलनाडु के उत्तरी तटीय क्षेत्र और पुडुचेरी में चक्रवाती तूफान का असर सोमवार को कम हो गया। विल्लुपुरम और आसपास के गांवों को बारिश का खामियाजा भुकतना पड़ रहा है।

बाढ़ का पानी निचले इलाकों में बढ़ने लगा है। विल्लुपुरम में विक्रावंडी और मुंडियामपक्कम के बीच एक पुल पर पानी के खतरे के स्तर से ऊपर बढ़ने के कारण दक्षिणी रेलवे ने सोमवार सुबह रेल सेवाओं को निलंबित करने की घोषणा की। स्थिति को देखते हुए कई ट्रेनों को रद्द किया गया, जिसमें एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनें शामिल हैं। धर्मपुरी और कृष्णागिरी जिले भी बाढ़ से प्रभावित हैं। भारी बाढ़ के कारण उथंगराई से कृष्णागिरि और तिरुवन्नामलाई जैसे शहरों तक सड़क क्षतिग्रस्त हो गई।

पुडुचेरी में नुकसान का आकलन

बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान फेंगल के कारण तमिलनाडु और पुडुचेरी में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगास्वामी ने बताया कि चक्रवात फेंगल से हुए नुकसान का आकलन करते हुए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इस रिपोर्ट को केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। राज्य गृह मंत्री ए नमस्सिवायमने एक विज्ञप्ति में कहा कि सोमवार को सभी स्कूल-कॉलेज बंद रखे जाए। 30 नवंबर को पुडुचेरी के पास भूस्खलन के बाद रविवार को चक्रवात का असर कम हो गया। भारी बारिश ने केंद्रशासित प्रदेश को बुरी तरह से प्रभावित किया। बाढ़ग्रस्त इलाकों से लोगों को बचाने के लिए सेना के जवानों को आगे आना पड़ा। बारिश के कारण चार लोगों की मौत हो गई।

उत्तर-पूर्वी सीमा पार से ड्रग्स की तस्करी को लेकर भारत गंभीर

आरआरयू को सौंपा रिसर्च का जिम्मा

इटानगर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में उत्तर-पूर्वी सीमा पार से ड्रग्स की तस्करी को लेकर भारत सरकार बेहद गंभीर है। केंद्र ने इस पर रोक लगाने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। गृह मंत्रालय ने ड्रग्स तस्करी पर रिसर्च करने का अरूणाचल प्रदेश के पासीघाट में स्थित राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी (आरआरयू) को जिम्मा सौंपा है।

इसमें निभाएगा अहम भूमिका

आरआरयू की यह रिसर्च भविष्य में ड्रग्स तस्करी पर रोक लगाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगी। साथ ही तस्करी पर निगरानी रखने, क्षेत्रीय ड्रग मुद्दों को समझने और स्थानीय समुदायों के साथ जुड़ने की दिशा में भी सार्थक होगी।

आरआरयू की भविष्य में योजना

आरआरयू के डायरेक्टर अविनाश खरेल ने कहा, 'यूनिवर्सिटी कैंपस के नारकोटिक्स और ड्रग्स अध्ययन केंद्र (सीएनडीएस) का उद्देश्य नशीले पदार्थों और ड्रग्स से संबंधित गंभीर समस्याओं का समाधान करना है। यह केंद्र अनुसंधान, शिक्षा और जागरूकता अभियानों के माध्यम से क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर नशीली दवाओं के प्रभाव का अध्ययन करेगा। अरुणाचल प्रदेश की भौगोलिक स्थिति और उत्तर-पूर्व क्षेत्र की विशिष्ट ड्रग्स से जुड़ी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सीमा पार ड्रग तस्करी पर निगरानी रखने, क्षेत्रीय ड्रग मुद्दों को समझने और स्थानीय समुदायों के साथ जुड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।'

क्या होंगे परिणाम?

नारकोटिक्स और ड्रग्स अध्ययन केंद्र की योजना उत्तर-पूर्वी भारत में नशे के बढ़ते खतरे को देखते हुए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह केंद्र अगले साल परिचालन शुरू करेगा। सीएनडीएस न केवल ड्रग्स के दुरुपयोग को रोकने के लिए काम करेगा, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाने, शोध को प्रोत्साहित करने और स्थानीय समुदायों के बीच सहयोग बढ़ाने में भी सक्रिय रहेगा। यह पहल क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर एक स्थिर और स्वस्थ समाज बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

क्या बोले प्रोफेसर संजीव?

पुलिस प्रशासन विभाग में सहायक प्रोफेसर संजीव ने बताया कि सीएनडीएस के प्रमुख उद्देश्यों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए प्रभावी रणनीति विकसित करना, सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करना और शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और उद्योगों के साथ सहयोग को बढ़ावा देना शामिल है।

उन्होंने कहा कि विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से, केंद्र का उद्देश्य छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों को बढ़ते नशीले पदार्थों के खतरे से निपटने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता से सशक्त बनाना है। इसके अलावा, केंद्र अवैध नशीली दवाओं की तस्करी और दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रभावी कानूनों और नीतियों के निर्माण का समर्थन करेगा।

नक्सलियों को ढेर करने वाली बीएसएफ की दो बटालियन जम्मू बॉर्डर पर तैनात

जम्मू, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बॉर्डर पर बीएसएफ के दो हजार कर्मियों वाली दो नई बटालियन की तैनाती कर दी है। इससे पाकिस्तान की सीमा से घुसपैठ को बेहतर तरीके से रोका जा सकेगा और क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगाई जाएगी।

यह तैनाती अंतरराष्ट्रीय सीमा की जीरो लाइन से ठीक पीछे रक्षा की दूसरी पंक्ति के रूप में गहराई वाले क्षेत्रों में की गई है। दोनों बटालियन को हाल ही में ओडिशा के नक्सल विरोधी अभियान से वापस बुलाया गया था।

केरल के कन्नूर में एक करोड़ और 267 गोल्ड बॉन्ड की चोरी मामले में बड़ा खुलासा; पड़ोसी निकला मास्टरमाइंड

कन्नूर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल पुलिस ने दो सप्ताह पहले कन्नूर जिले में एक व्यापारी के आवास एक करोड़ रुपये और 267 गोल्ड बॉन्ड की चोरी के मामले में उसके पड़ोसी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान 45 वर्षीय लिजीश के तौर पर की गई है। पुलिस ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए जांच दल का गठन किया गया था। आरोपी को शनिवार को हिरासत में लिया गया। उसने घर की खिड़की तोड़कर चोरी को अंजाम दिया था।

कन्नूर पुलिस आयुक्त अजित कुमार ने बताया कि आरोपी के घर से 1.21 करोड़ रुपये और 300 सोने के सिक्के बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपने घर में बिस्तर के नीचे एक गुप्त कंपार्टमेंट बनाया था। यहीं वह चोरी का सामान रखता था। सीसीटीवी फुटेज और फिंगरप्रिंट सबूतों से पुलिस को इस मामले में सफलता मिली। जांच के दौरान, फिंगरप्रिंट्स का मिलान अन्य मामलों से एकत्र किए गए समान सबूतों से किया गया। पुलिस को मालूम चला कि फिंगरप्रिंट्स एक साल पहले कीचेरी में हुई एक अनसुलझी चोरी से मेल खाता है। व्यापारी के आवास पर चोरी 20 नवंबर को हुई थी। आरोपी ने 40 मिनट के भीतर चोरी को अंजाम दिया था। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी को चोरी के अगले दिन उसी घर में लौटते हुए देखा गया। उसने सीसीटीवी कैमरे को तोड़ने का प्रयास किया। उसने एक कैमरे को हटा कर दूसरी जगह लगाई, इस दौरान उसका चेहरा कैमरे में स्पष्ट रूप से कैद हो गया।

चोरी के दौरान आरोपी अपना एक उपकरण घटनास्थल पर छोड़ गया था और उसे लेने के लिए वह 21 नवंबर को वापस घर में घुसा। पूछताछ के दौरान उसने अपना गुनाह स्वीकार कर लिया। पुलिस ने बाद में उपकरण भी जब्त कर लिया। बता दें कि चोरी तब हुई जब चावल व्यापारी अशरफ और उनका परिवार 19 नवंबर को तमिलनाडु के मदुरै में एक शादी में शामिल होने गया था। 24 नवंबर को वापस लौटने पर उन्हें अपने घर में चोरी का पता चला।

कांग्रेस ने 55 सालों में लगातार झूठे वादे किए, हर व्यक्ति का शोषण किया : सीएम नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को कुरुक्षेत्र में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य की जनता ने कमल का फूल खिलाया है। हम लोगों की शिकायतें उनके बीच जाकर सुनेंगे। कुरुक्षेत्र में कार्यालय है वहां पर भी सुनेंगे और अगर जरूरत पड़े तो चंडीगढ़ में भी सुनते हैं। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी व्यक्ति को कोई समस्या ना हो, उसकी बात को सुनकर उसका समाधान करना हमारी सरकार का दायित्व है। सीएम ने कहा कि आज लाडवा में आज मेरा पूरे दिन के कार्यक्रम है। मैं लोगों का धन्यवाद कर रहा हूं, उन्होंने तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाई है। सीएम ने कहा कि भाजपा ने लोगों के हितों में बहुत काम किए हैं, हमने लगातार 10 सालों में किसानों, महिलाओं और युवाओं के हित में काम किया है। हमने हर वर्ग को मजबूत करने का काम किया है। सीएम नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए उनके के झूठ को लोग समझ चुके हैं। कांग्रेस ने 55 सालों में लगातार झूठे वादे किए हैं और हर व्यक्ति का शोषण किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने महिलाओं, किसानों युवाओं का शोषण किया है।

बाबा बागेश्वर को हत्या की धमकी-परवाना ने हरिहर मंदिर के बयान को गोल्डन टेंपल से जोड़ा

विश्व हिन्दू तख्त प्रमुख बोले- 48 घंटे में गिरफ्तार करें

अमृतसर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश स्थित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री के बयान को लेकर पंजाब में बवाल मच गया है। 18 मार्च को मुरादाबाद में धीरेंद्र शास्त्री ने हरिहर मंदिर को लेकर बयान दिया था। हालांकि पंजाब के सिख कट्टरपंथी बरजिंदर परवाना ने इसे अमृतसर स्थित हरमंदिर साहिब यानी गोल्डन टेंपल से जोड़ दिया।

उसने पंडित शास्त्री को धमकी तक दी कि उनकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है और चाहे जैसे मर्जी, उन्हें मार डालेंगे। परवाना ने पंडित शास्त्री को पंजाब आने तक की चुनौती दे डाली। पंजाब के कपूरथला जिले के कादराबाद गांव में 26 से 30 नवंबर तक 5 दिन का समागम था। जिसके मंच से परवाना ने बाबा बागेश्वर को यह धमकी दी। वहीं इस मामले में एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया एवं विश्व हिन्दू तख्त प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने पुलिस से 48 घंटे के भीतर परवाना को गिरफ्तार करने की मांग की है।

अब तो आवाज यहां तक भी आ गई। अब तो जल्दी से जल्दी उस मंदिर की पूजा भी प्रारंभ हो जानी चाहिए। अयोध्या में राम जी बैठ गए। काशी में नंदी भगवान निकल आए। यह मुहुर्त है। अब हरिहर मंदिर में भी अभिषेक... रुद्राभिषेक हो जाना चाहिए। बाबा बागेश्वर के बयान को लेकर कहा जा रहा है कि यह गोल्डन टेंपल के लिए नहीं बल्कि कलकी धाम संभल के लिए था।

परवाना ने कहा-गोल्डन टेंपल के लिए यह बात कही

बरजिंदर परवाना ने कहा- बागेश्वर धाम वाले साधु ने बयान दिया कि वह जो हरमंदिर है, वहां हम अपनी पूजा करेंगे। अभिषेक करेंगे और मंदिर बनाएंगे। मैं कहता हूं कि आओ, पर एक बात याद रखना, हमने इंदिरा गांधी को मारा। उसे अंदर पैर नहीं रखने दिया।

यहां लाखों की फौज आई, उसे हमने गोलियों से भून दिया। बेअंत (पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह) को चंडीगढ़ में बम से उड़ाया। बागेश्वर वाला बाबा नोट कर ले कि आज से उसकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। तुझे भी टकरेंगे और चाहे जैसे मर्जी हो, तुझे भी मार डालेंगे। तू आ तो सही। हरमंदिर साहिब तो दूर, बागेश्वर वाला बाबा अमृतसर या पंजाब में आकर दिखाए।

जीएसटी परिषद की ओर से प्रीमियम पर कर घटाने से स्वास्थ्य व जीवन बीमा की लागत कम होगी : वित्त मंत्री

नई दिल्ली, 2 दिसंबर(एजेंसियां)। जीएसटी परिषद यदि स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसी पर जीएसटी दरों में कटौती की सिफारिश करती है तो पॉलिसीधारक के लिए बीमा की लागत कम होने की उम्मीद है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को यह बात कही। लोकसभा में एक लिखित उत्तर में उन्होंने कहा कि जीएसटी परिषद ने 9 सितंबर की अपनी बैठक में जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी से संबंधित मुद्दों पर समग्र रूप से विचार करने के लिए मंत्रियों के एक समूह (जीओएम) के गठन की सिफारिश की थी। उन्होंने कहा, जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी दरों की समीक्षा का मामला जीओएम के समक्ष लंबित है। यदि जीएसटी परिषद की ओर से जीएसटी दर में कमी की सिफारिश की जाती है, तो जीएसटी कम होने से पॉलिसी धारक के लिए बीमा की लागत में कमी आने की उम्मीद है। सीतारमण ने यह बात उस सवाल के जवाब में कहा कि क्या स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी में कटौती स्वास्थ्य सेवा को अधिक न्यायसंगत बनाने की दिशा में एक कदम होगा? यह पूछे जाने पर कि सरकार यह कैसे सुनिश्चित करेगी कि बीमा कंपनियां प्रीमियम बढ़ाकर उपभोक्ताओं को अपने पास रखने के बजाय जीएसटी में किसी भी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएंगीं, सीतारमण ने कहा कि प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण से बीमा की लागत कम हो जाएगी। उन्होंने कहा, चूंकि जीएसटी दरें बीमा प्रीमियम पर अलग से लागू होती हैं, इसलिए यदि जीएसटी दर कम की जाती है तो इससे पॉलिसीधारक को सीधे लाभ मिलने की उम्मीद है, खासकर प्रतिस्पर्धी बाजार में, जहां कई बीमा कंपनियां हैं। उन्होंने कहा कि इससे बीमा की लागत एक सीमा तक कम हो जाएगी। वर्तमान में जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों के लिए भुगतान किए जाने वाले प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाता है। सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद की बैठक 21 दिसंबर को होने वाली है, जिसमें राज्य सरकारों के मंत्री भी शामिल होंगे। इस बैठक में जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी घटाने के लिए मंत्री समूह की रिपोर्ट पर चर्चा होने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2023-24 में केंद्र और राज्य सरकारों ने स्वास्थ्य सेवा और जीवन बीमा पॉलिसियों से 16,398 करोड़ रुपये जीएसटी एकत्र किया था। इसमें जीवन बीमा से 8,135 करोड़ रुपये और स्वास्थ्य बीमा से 8,263 करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह किया गया था।

इसके अलावा, पिछले वित्त वर्ष में जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर पुनर्बीमा से जीएसटी मद में 2,045 करोड़ रुपये जुटाए गए, जिसमें जीवन पर पुनर्बीमा से संग्रह किए गए 561 करोड़ रुपये और स्वास्थ्य सेवा का राजस्व 1,484 करोड़ रुपये शामिल हैं। जीएसटी परिषद की बैठक 21 दिसंबर को जैसलमेर में होने वाली है, जिसमें जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी के मुद्दे पर विचार किए जाने की उम्मीद है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में जीवन व स्वास्थ्य बीमा पर गठित मंत्री समूह की पहली बैठक 19 अक्टूबर को हुई। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मंत्री समूह ने टर्म जीवन बीमा पॉलिसियों और वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए जाने वाले बीमा प्रीमियम को जीएसटी से छूट देने पर मोटे तौर पर सहमति व्यक्त की है। इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों के अलावा अन्य व्यक्तियों की आरे से 5 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर जीएसटी से छूट देने का प्रस्ताव है। हालांकि, 5 लाख रुपये से अधिक के स्वास्थ्य बीमा कवर वाली पॉलिसियों के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी लागू रहेगा।

सोना 873 रुपए गिरकर 75,867 रुपए पर आया:चांदी 88,051 रुपए प्रति किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 2 दिसंबर(एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 2 दिसंबर को बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 873 रुपए कम होकर 75,867 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 76,740 रुपए प्रति दस ग्राम थी। वहीं, चांदी के दाम में भी आज गिरावट रही। ये 1,332 रुपए गिरकर 88,051 रुपए प्रति किलो हो गई। इससे पहले चांदी 89,383 रुपए पर थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,500 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,350 रुपए है। **कोलकाताः** 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 70,900 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,350 रुपए है।**चेन्नईः** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,350 रुपए है। **भोपालः** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,400 रुपए है। **हैदराबाद :** सोने की दर 24 कैरट के लिए रुपए 77350 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रुपए 70900/10 ग्राम।

'ट्रंप की ब्रिक्स देशों पर 100% शुल्क की धमकी के मायने अभी तय नहीं', बोले पूर्व आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली, 2 दिसंबर(एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ब्रिक्स देशों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी के मायने अभी स्पष्ट नहीं है क्योंकि अभी यह देखना बाकी है कि अमेरिकी कानून इस तरह की कार्रवाई की अनुमति देता है या नहीं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर दुव्वुरी सुब्बाराव ने सोमवार को यह बात कही। ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को अमेरिकी डॉलर में व्यापार न करने पर उन देशों से आयात पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है। सुब्बाराव ने कहा कि ब्रिक्स के लिए भी अमेरिकी डॉलर का विकल्प लाने के बारे में आंतरिक मतभेद हैं। भारत, रूस, चीन और ब्राजील सहित नौ सदस्यों वाले समूह द्वारा अमेरिकी मुद्रा से परे कोई अन्य मुद्रा अपनाने का प्रयास राजनीति और आर्थिक दोनों कारणों से अभी तक सफल नहीं हो पाया है। सुब्बाराव ने कहा, ''डोनाल्ड ट्रंप ने डॉलर को छोड़ने की कोशिश करने वाले देशों से आयात पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है। उनका गुस्सा खास तौर पर ब्रिक्स पर था जो डॉलर के विकल्प को तलाशने के लिए सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। ट्रंप कोई कदम उठाने से अधिक, बातें बनाने के लिए जाने जाते हैं।'' आरबीआई के पूर्व प्रमुख ने पूछा, ''इस धमकी के मायने स्पष्ट नहीं हैं। अमेरिका यह निर्धारित करने के लिए किस पैमाने का इस्तेमाल करेगा कि कोई देश डॉलर के अलावा किसी अन्य मुद्रा में व्यापार न करें? और क्या अमेरिकी कानून केवल इसलिए देशों पर प्रतिबंध लगाने की अनुमति देता है क्योंकि वे डॉलर से परे किसी अन्य मुद्रा का चयन कर रहे हैं?''ब्रिक्स का गठन 2009 में किया गया था। यह एकमात्र ऐसा प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समूह है जिसका अमेरिका हिस्सा नहीं है। भारत, रूस, चीन, ब्राजील दक्षिण अफ्रीका, ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात इसके सदस्य हैं। इसके कुछ सदस्य देश खासकर रूस और चीन पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी डॉलर का विकल्प या अपनी खुद की ब्रिक्स मुद्रा बनाने पर विचार कर रहे हैं। भारत अभी तक इस कदम का हिस्सा नहीं रहा है।

रिजर्व बैंक की एमपीसी की बैठक इसी सप्ताह

बढ़ेगा बोझ या घटेगी ईएमआई?

मुंबई, 2 दिसंबर(एजेंसियां)। पिछले सप्ताह ही सरकार की तरफ से जीडीपी के आंकड़े घोषित किए गए थ। चालू वित्त वर्ष के दौरान जुलाई-सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर घटकर 5.4 फीसदी पर आ गई है। इसके बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति की इस सप्ताह होने वाली समीक्षा बैठक में रेपो रेट कम होने के आसार नहीं हैं। कहा जा रहा है कि रिजर्व बैंक मौजूदा रेपो दर को बरकरार रख सकता है।

10 बार से नहीं घटा है रेपो रेट

यह बात फरवरी 2023 की है। तब रिजर्व बैंक ने रेपो दर को 25 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया था। उसके बाद से पिछली एमपीसी बैठक तक इसे स्थिर रखा गया है। मतलब कि तब से अब तक एमपीसी की 10 बैठकें हो चुकी हैं। इसमें रेपो रेट में कोई घट-बढ़ नहीं की गई है।

अगली बैठक चार दिसंबर से

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में एमपीसी की अगली बैठक 4 दिसंबर से शुरू होगी। यह बैठक 6 दिसंबर 2024 तक चलेगी। इसमें लिए गए फैसलों की जानकारी एसके दास आगामी 6 दिसंबर को देंगे। महंगाई के आंकड़े सार्वजनिक होने से पहले बड़े पैमाने पर विशेषज्ञ अनुमान जता रहे थे कि अगली एमपीसी बैठक में बेंचमार्क दरों को कम किया जा सकता है। हालांकि, खुदरा महंगाई दर का आंकड़ा 6% से अधिक होने के कारण उनकी राय बदली है। जानकारों का कहना है कि इस बार एमपीसी की ओर से ब्याज दरों में कटौती का फैसला लेने की गुंजाइश न के बराबर है।

शेयर बाजार ने दी 'क्लीन चिट'! अडानी ग्रीन ने 7 दिन में कर ली नुकसान की भरपाई

नई दिल्ली, 2 दिसंबर(एजेंसियां)। अमेरिका अभियोजकों ने गौतम अडानी पर 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। इन आरोपों के बाद ग्रुप के शेयरों खासकर अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। लेकिन उसने पिछले सात दिन में अपने नुकसान की भरपाई कर ली है। पिछले चार सत्रों में इसमें 60 फीसदी से ज्यादा तेजी आई है। हालांकि इस साल इसमें 16 फीसदी गिरावट आई है। आज कारोबार के दौरान इसमें नौ फीसदी तेजी आई। हालांकि दोपहर बाद 2 बजे यह 0.10% की गिरावट के साथ 1323.25 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। कंपनी ने एक बयान जारी करके अडानी और ग्रुप के दूसरे अधिकारियों पर लगे रिश्वत के आरोपों का खंडन किया है। इससे कंपनी के निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। अडानी ग्रुप की सीएफओ जुगेशिंदर सिंह ने कहा कि ग्रुप अपनी पहले से रद्द की गई डॉलर बॉन्ड बिक्री को अप्रैल और जून 2025 के बीच फिर से शुरू कर सकता है। अडानी ने $60 लाख के बॉन्ड की पेशकश वापस ले ली थी। अडानी ग्रीन एनर्जी की आगे की योजनाओं में फरवरी 2025 तक बैंकों या ऑफशोर मार्केट में निजी प्लेसमेंट के माध्यम से 50 करोड़ तक जुटाना शामिल है। इस बीच अडानी ने ग्रुप पर लगे आरोपों को ग्रुप को मजबूत करने का अवसर बताया। उन्होंने जयपुर में एक कार्यक्रम में कहा कि दो सप्ताह से भी कम समय पहले हमें अनुपालन प्रथाओं के बारे में अमेरिका से आरोपों का सामना करना पड़ा। हर हमला हमें मजबूत बनाता है, और हर बाधा लचीलेपन के लिए एक कदम बन जाती है।

एक्शन में आया टाटा ग्रुप, सुपर बॉस ने सभी कंपनियों के सीईओ को किया अलर्ट

नई दिल्ली, 2 दिसंबर(एजेंसियां)। डॉमेस्टिक और ग्लोबल मार्केट में बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच टाटा संस के बॉस यानी चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने टाटा ग्रुप की तमाम कंपनियों के सीईओ को अलर्ट कर दिया है। जानकारी के अनुसार उन्होंने कंपनियों के सीईओ को कमाई बढ़ाने और कंपनियों की ग्रोथ को बढ़ाने की बात कही है। उन्होंने कंपनियों के सीईओ को जोर देते कहा है कि अवसरों का लाभ उठाएं और साहसिक महत्वाकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ें। वास्तव में दूसरी तिमाही में टाटा ग्रुप के नतीजे काफी मिले जुले देखने को मिले हैं। वहीं ग्रुप कंपनियों का फोकस ग्रोथ पर है। टाटा की ओर से कुछ सालों में एविएशन, इलेक्ट्रोनिक्स और डिजिटल सेक्टर में काफी निवेश किया है। टाटा संस 375 अरब डॉलर वाले टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर टाटा संस के सुपर बॉस ने ग्रुप की कंपनियों से क्या कहा है।

ईटी की रिपोर्ट ने टाटा ग्रुप की कंपनियों के हवाले से जानकारी देते हुए कहा कि टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने इंटरनल स्ट्रेटजी और बिनजेस रिव्यू के दौरान कहा कि मार्जिन को समय रहते एडजस्ट किया जा सकता है, लेकिन ग्रोथ के मौकों को तुरंत लपकना काफी जरूरी है। उन्होंने कहा कि काफी कैपिटल ऐलोकेशन किया गया है। उसी आधार पर रेवेन्यू टारगेट सेट किए गए हैं। टाटा ग्रुप का मौजूदा मार्केट कैप 375 अरब डॉलर है। जिसकी होल्डिंग कंपनी टाटा संस है। मौजूदा समय में टाटा संस के चेययमैन का पूरा फोकस ग्रुप की ग्रोथ को तेज करने पर है। यही वजह है कि वो कंपनियों के सीईओ को इस ओर फोकस करने के लिए कह रहे हैं।

सरकार ने विंडफॉल टैक्स किया खत्म, मुकेश अंबानी ने कमा लिए 24,492 करोड़

नई दिल्ली, 2 दिसंबर(एजेंसियां)। सरकार ने महीनों के विचार-विमर्श के बाद सोमवार को एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ), क्रूड प्रोडक्ट्स, पेट्रोल और डीजल प्रोडक्ट्स पर विंडफॉल टैक्स को खत्म कर दिया। यह कदम तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इस फैसले के बाद से देश की सबसे बड़ी रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ ओएनजीसी को भी राहत मिली है। इस फैसले से इन कंपनियों के ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन में इजाफा देखने को मिल सकता है। विंडफॉल टैक्स घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन पर एक स्पेशल टैक्स है, जिसे जुलाई 2022 में ग्लोबल क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतों के बाद लाया गया था। ताकि उत्पादकों द्वारा किए गए अप्रत्याशित लाभ से रेवेन्यू हासिल किया जा सके। क्रूड ऑयल के साथ सरकार ने पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर सड़क और बुनियादी ढांचा उपकर (आरआईसी) भी वापस ले लिया है। संसद में नोटिफिकेशन रखा जा चुका है। एक अधिसूचना भी रखी जा चुकी है। सितंबर में, भारत सरकार ने अगस्त में कच्चे तेल पर 1,850 रुपए प्रति टन से अप्रत्याशित कर को खत्म करने की घोषणा की। डीजल और एयर टर्बाइन फ्यूल के एक्सपोर्ट पर अप्रत्याशित कर भी समाप्त कर दिया गया।इस फैसले के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी का शेयर में करीब डेढ़ फीसदी तक की तेजी देखने को मिल चुकी है। जिसकी वजह से कंपनी के मार्केट कैप में करीब 24,500 करोड़ रुपए तक का इजाफा देखने को मिल चुका है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर से विंडफॉल टैक्स को लेकर और क्या जानकारी दी गई है। रूस-यूक्रेन वॉर की शुरुआत और क्रेमलिन पर पश्चिम के प्रतिबंधों के दौरान, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि की वजह से तेल कंपनियों को जबरदस्त फायदा हुआ था। इस मुनाफे ने एक ऐसा माहौल तैयार किया जहां तेल कंपनियों ने महत्वपूर्ण, एकमुश्त मुनाफा कमाया। इस असाधारण मुनाफे के जवाब में, भारत घरेलू कच्चे तेल उत्पादकों और निर्यातकों पर विंडफॉल टैक्स लगाकर कई अन्य देशों में शामिल हो गया था। इस कदम का उद्देश्य घरेलू कच्चे तेल उत्पादकों और निर्यातकों पर अप्रत्याशित कर लगाकर सरकार के लिए अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करना था।सरकार के इस फैसले के बाद देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में इजाफा देखने को मिल रहा है।

आंकड़ों के अनुसार कंपनी का शेयर कारोबारी सत्र के दौरान करीब डेढ़ फीसदी की तेजी के साथ 1311.05 रुपए के साथ दिन के हाई पर पहुंच गया।

गिरावट से उबरकर हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 445 अंक चढ़ा, निफ्टी 24250 के पार

नई दिल्ली, 2 दिसंबर(एजेंसियां)। अमेरिकी और एशियाई बाजारों में मजबूत रुख के बीच घरेलू बाजार में सोमवार को रिलायंस, इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक जैसे दिग्गज शेयरों में खरीदारी होने से सेंसेक्स 445 अंक और निफ्टी 145 अंक चढ़कर बंद हुए। हालांकि, शुरुआती कारोबार के दौरान दोनों सूचकांक में गिरावट दिखी थी। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 445.29 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की बढ़त के साथ 80,248.08 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 80,337.82 के ऊपरी और 79,308.95 के निचले स्तर तक भी गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 144.95 अंक यानी 0.60 प्रतिशत बढ़कर 24,276.05 पर पहुंच गया।

बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों का हाल

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्ल्यू स्टील, अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, टाइटन, मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा लाभ में रहीं। दूसरी तरफ एनटीपीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इस तरह घरेलू बाजार जीडीपी की वृद्धि दर में आई सुस्ती से बेअसर रहे।

शुक्रवार को कारोबारी अवधि खत्म होने के बाद घोषित सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई-सितंबर तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर करीब दो साल के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर रही। विनिर्माण, खनन और खपत गतिविधियों में सुस्ती से वृद्धि दर में कमी आई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में गिरावट रही, जबकि जापान के निक्की, चीन के शंघाई कंपोजिट और हांगकांग के हैंगसेंग में तेजी रही। हालांकि यूरोप के ज्यादातर बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 4,383.55 करोड़ रुपये के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,723.34 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इस बीच वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.85 प्रतिशत बढ़कर 72.45 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले, शुक्रवार को सेंसेक्स 759.05 अंक बढ़कर 79,802.79 और निफ्टी 216.95 अंक चढ़कर 24,131.10 पर बंद हुआ था।

रुपया डॉलर के मुकाबले 13 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर पर

निराशाजनक वृहद आर्थिक आंकड़ों और विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती के कारण सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 13 पैसे टूटकर 84.73 (अनंतिम) के सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-34
सूर्यास्त. - 17-36
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया 13-08 तक उपरान्त तृतीया
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल , मंगलवार 03 December
नक्षत्र - मूल 16-40 तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग - शूल 15-06 तक उप गण्ड
करण- कौलव 13-08 तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - छत्र योग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	वृश्चिक	मे	वृश्चिक-	05-18	बजे
चंद्र-	धनु	मे	धनु----	07-32	बजे
मंगल	कर्क	मे	मकर....	09-37	बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	कुंभ--	11-29	बजे
गुरु-	वृष	मे	मीन--	13-07	बजे
शुक्र-	मकर	मे	मेष---	14-42	बजे
शनि-	कुंभ	मे	वृष---	16-28	बजे
राहु-	मीन	मे	मिथुन-	18-28	बजे
केतु-	कन्या	मे	कर्क----	20-41	बजे
			सिंह----	22-52	बजे
			कन्या--	00-59	बजे
			तुला----	03-05	बजे

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 14:53 से 16:16 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:34 - 07:56	अशुभ	काल	17:36 - 19:16	अशुभ
उत्पात	07:56 - 09:19	अशुभ	लाभ	19:16 - 20:53	शुभ
चंचल	09:19 - 10:43	शुभ	उत्पात	20:53 - 22:30	अशुभ
लाभ	10:43 - 12:06	शुभ	शुभ	22:30 - 24:06	शुभ
अमृत	12:06 - 13:29	शुभ	अमृत	00:06 - 01:43	शुभ
काल	13:29 - 14:53	अशुभ	चंचल	01:43 - 03:20	शुभ
शुभ	14:53 - 16:16	शुभ	रोग	03:20 - 04:57	अशुभ
रोग	16:16 - 17:36	अशुभ	काल	04:57 - 06:34	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप बहुत महत्वाकांक्षी महसूस करेंगे । नए अवसर आपके कार्य क्षेत्र में खुलेंगे और आप उनका लाभ लेने के लिए उत्सुक होंगे । ध्यान रखे की आपकी उत्सुकता आपके सहयोगियों के बीच ईर्ष्या का कारण न बने इसलिए सावधान रहें। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की अपनी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
ये समय उन लोगो से अपने आप को अलग करने का समय है जो आपके विचारो से असहमत है या जो आपके साथ चलने या सहयता करने में असमर्थ है । यह वित्तीय संतुलन के हिसाब से भी एक बड़ा कदम होगा । आपकी इस व्यापारिक रणनीति के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा। आपकी आय सुरक्षित है और जिसे आप अपनी संपत्ति को जोड़ने के लिए उपयोग कर सकते है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
छात्रों के लिए, यह किसी भी परीक्षा में उतरने लिए एक अच्छा दिन है। सफलता आपके साथ है। पेशेवरों के लिए, आपके कार्य स्थल पर एक सकारात्मक दिन होगा। लंबित मुद्दों का हल मिलेगा । अगर आपको लगता है की वेतन वृद्धि के लिए आज का दिन उपयुक्त है तो अपने उच्च अधिकारियो से बात करने का दिन आज अच्छा है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी मुखर और प्रेरक रहेंगे । आपको ऐसे कार्य क्षेत्र में कार्य करने के अवसर मिलेंगे जहा साझेदारी से कारोबार होता हो और एक दूसरे की सहायता करना प्रमुखता हो । आप प्रमुख परियोजना को पूरा करने के लिए दुसरो को संगठित करने के लिए प्रेरित करते है , जिससे की आपकी भूमिका के लिए प्रशंसा और सम्मान आपको मिलने की संभावना है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था , उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा । अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है । आज का दिन अपने कार्य क्षेत्र में अपना रवैया बदलने के लिए अति उत्तम है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है । ये समय उनके सुझावों को मानने का है और साथ ही साथ अपनी खर्चीली आदतो को कम करने का भी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है , हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे । अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है । इस चीज़ का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप पूर्ण रूप से स्वस्थ्य नहीं हैं इसलिए आप इस उत्पादक अवधि का लाभ नहीं उठा पा रहे है । आप अपने कार्यो की पूर्ति के लिए पहले से ही स्थापित कार्य योजना का पालन करे और आगे बढ़ें चाहे आपको कैसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़े । यह अपने काम को खत्म करने के लिए नए तरीके अपनाने के लिए एक अच्छा समय नहीं है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

दिल्ली में डटे हैं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

शीर्ष नेताओं से हो सकती है मुलाकात, पार्टी कर सकती है मंत्रियों के नाम फाइनल

रांची, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सीएम हेमंत सोरेन को शपथ लिए आज पांचवां दिन है। मंत्रिमंडल विस्तार कब होगा, यह अब तक साफ नहीं हो सका है। मंत्रिमंडल का पेंच कांग्रेस के खेमे में फंसा हुआ है। इस पेंच को सुलझाने के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश शनिवार से ही दिल्ली में डटे हुए हैं। हालांकि उनकी पार्टी के किसी शीर्ष अधिकारी से मुलाकात नहीं हो सकी है। संभावना है कि आज उनकी मुलाकात हो और मंत्रियों के नाम पर मुहर लगे।

सूत्रों के अनुसार, रविवार को प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर दिल्ली से बाहर रहे। इस कारण प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की पार्टी के अन्य बड़े नेताओं से कोई बातचीत नहीं हुई। आज पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा मंत्रियों के नाम पर विचार किया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि अगर फैसला हो गया तो कांग्रेस पार्टी सोमवार शाम तक मुख्यमंत्री को अपने कोटे के

मंत्रियों का नाम सुझा सकती है।

हेमंत सोरेन सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर जिस तरह ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। जेएमएम के पास केवल इंतजार ही विकल्प है। कांग्रेस अभी तक अपने कोटे के मंत्रियों के नाम तय नहीं कर पाई। इधर, कांग्रेस के फैसले का झामुमो इंतजार करता रहा। कांग्रेस कोटे के मंत्रियों का नाम मिलते ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल विस्तार की तिथि तय करेंगे। वे शपथ ग्रहण समारोह की तिथि व समय से राजभवन को अवगत कराएंगे। दूसरी ओर मंत्री बनने को लेकर झामुमो, कांग्रेस और राजद में लॉबिंग का दौर अब भी जारी है। रविवार को कांग्रेस के कुछ विधायक दिल्ली में जमे रहे, वहीं झामुमो विधायक रांची में हेमंत सोरेन के पास अपनी दावेदारी पेश करने में लगे रहे। मालूम हो कि 23 नवंबर को विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आया था। 28 नवंबर को हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री पद की शपथ भी ले ली। 9 दिसंबर से विधानसभा का विशेष सत्र आहूत है, लेकिन मंत्रिमंडल विस्तार में विलंब होता ही जा रहा है।

एक ओर कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट नहीं होने से मंत्रिमंडल विस्तार में देर हो रही है। दूसरी ओर मंत्री के कुछ पद दलीय समीकरण में फंस गए हैं। अगर राजद से सुरेश पासवान को जगह मिलती है तो गोड्डा विधायक संजय प्रसाद यादव कट सकते हैं। उसी तरह अगर संजय प्रसाद यादव को जगह मिली तो प्रदीप यादव का पत्ता कट सकता है। इसी तरह अगर सुरेश पासवान को जगह नहीं मिली तो पलामू को साधने के लिए कांग्रेस के रामचंद्र सिंह का भाग्य खुल सकता है। फॉरवर्ड कोटे से झामुमो भवनाथपुर के विधायक अनंत प्रताप देव का नाम सुनिश्चित कर सकता है।

वन विभाग से नाराज लोगों ने सड़क किया जाम

रोड पर उतरे स्कूली बच्चे भी, हाथियों को भगाए नहीं जाने से हैं आक्रोशित

सिमडेगा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सिमडेगा में हाथियों के लगातार उत्पात और वन विभाग द्वारा उन्हें खदेड़ने की दिशा में कोई कारवाई नहीं करने से लोग आक्रोशित हैं। इसी क्रम में सोमवार को ठेठईटांगर थाना क्षेत्र में लोगों ने सिमडेगा-राउरकेला एनएच 143 को जाम कर दिया। प्रदर्शन में ग्रामीणों के साथ काफी संख्या में स्कूली बच्चे भी शामिल थे। जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई है। जानकारी मिलने पर काफी संख्या में पुलिसकर्मी और वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाया। ग्रामीण हाथियों को क्षेत्र से भगाने की मांग कर रहे हैं। ठेठईटांगर थाना क्षेत्र में लगातार हो रहे हाथियों के उत्पात से ग्रामीण भय के साए में जी रहे हैं। ग्रामीण रतजगा कर रात गुजार रहे हैं। रविवार की रात भी क्षेत्र में हाथियों के झुंड ने कई घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया है।

स्वास्थ्य मंत्री के जिले में खाट पर मरीज

सरगुजा में भी गर्भवती महिला को नहीं मिली एंबुलेंस कांवड़ पर लादकर 7 किमी पैदल चले परिजन

सरगुजा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाएं बदहाल हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के गृह जिले मनेंद्रगढ़ में खाट पर लिटाकर मरीज को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं सरगुजा में भी गर्भवती महिला को एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण परिजन 7 किलोमीटर पैदल चलकर अस्पताल पहुंचाए। दोनों घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। मामले में कांग्रेस के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि घटना सरकार की विफलता का प्रमाण है। जब मंत्री के क्षेत्र में ऐसी स्थिति है, तो अन्य इलाकों की हालत क्या होगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं। दरअसल, मनेन्द्रगढ़ विधानसभा के छिपछिपी गांव की एक घायल महिला रोहिणी प्रसाद को शनिवार शाम को एंबुलेंस सेवा नहीं मिलने के कारण खाट पर रखकर मनेन्द्रगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाना पड़ा। बताया जा रहा है

कि महिला का पैर बैलों की लड़ाई के दौरान टूट गया था। परिजनों ने 108 एंबुलेंस सेवा पर संपर्क किया, लेकिन उन्हें बताया गया कि एंबुलेंस उपलब्ध नहीं है। इसके बाद मजबूरन परिजनों ने महिला को खाट पर लिटाकर मनेंद्रगढ़ अस्पताल पहुंचाया, लेकिन बदहाली ऐसी है कि महिला को 16 घंटे बाद भी इलाज नसीब नहीं हुआ। महिला रोहिणी प्रसाद का अभी तक एक्सरे नहीं हो पाया। पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा चुकी है। मंत्री के क्षेत्र में ऐसी स्थिति है, तो अन्य इलाकों की हालत क्या होगी। स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए कदम उठाने चाहिए। यह घटना न केवल प्रशासन की नाकामी को उजागर करती है, बल्कि राज्य की प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं पर भी सवाल खड़े करती है। दरअसल, सरगुजा जिले के लखनपुर क्षेत्र में गर्भवती महिला को कांवड़ पर ढोकर ग्रामीण 7 किलोमीटर पैदल चले, तब उन्हें एंबुलेंस मिल सकी। महिला को कुन्नी अस्पताल लाया गया, जहां उसका प्रसव हुआ। स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। यह इलाका लुंड्रा विधानसभा क्षेत्र में है, जहां कई गांव और टोले पहुंचविहीन हैं।

कांग्रेसी कार्यकर्ता पर जानलेवा हमला

बंगाल के 4 नामजद पर मामला दर्ज, विधायक इरफान अंसारी ने की गिरफ्तारी की मांग

जामताड़ा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जामताड़ा के मिहिजाम में पश्चिम बंगाल के कुछ युवकों ने यहां आकर कांग्रेसी कार्यकर्ता पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना में कांग्रेस कार्यकर्ता कारू यादव (52) के सिर, चेहरे और हाथ में गंभीर चोट आई है। इधर, जख्मी कार्यकर्ता से मिलने पहुंचे जामताड़ा विधायक डॉ. इरफान अंसारी ने पुलिस से आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। जामताड़ा जिले में चित्तरंजन रेलवे स्टेशन और एनएच 419 का मिहिजाम चौक देर रात तक असामाजिक तत्वों का अड्डा बना रहता है। इससे आम यात्रियों को भी आए दिन दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

मिहिजाम के पालबागान निवासी कारू यादव की शिकायत पर पुलिस ने 4 नामजद आरोपियों के खिलाफ मिहिजाम थाना में मामला दर्ज कराया है। वहीं, आरोपी अजय राम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपी अजय मंडल उर्फ गंगू, मोईनाक, दर्शन सिंह फरार हैं। सभी बंगाल के रहने वाले हैं। थाना प्रभारी विवेकानंद दुबे ने बताया कि अन्य आरोपियों की धर पकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है। गंगू और दर्शन पर पश्चिम बंगाल के थाने में भी हत्या का मामला दर्ज है।

घटना के बाद कार्यकर्ता से मिलने पहुंचे जामताड़ा विधायक डॉ इरफ़ान अंसारी ने प्रशासन से मिहिजाम में शांति व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि मिहिजाम में इस प्रकार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, जो बेहद निंदनीय और चिंताजनक है। मिहिजाम में शांति और सुरक्षा बनाए रखना पहली प्राथमिकता है, और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रेलवे पुलिस करा रही गांजा तस्करी

एसीबी ने बर्खास्त आरक्षकों के ठिकाने पर की छापेमारी, कैश और करोड़ों की संपत्ति के दस्तावेज जब्त

रायपुर/गरियाबंद, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में एसीबी की टीम ने गांजा तस्करी और आय से अधिक संपत्ति केस में 6 जिलों में छापेमारी की है। जीआरपी (गवर्नमेंट रेलवे पुलिस) के आरक्षकों ने गांजा तस्करी की है। एसीबी की टीम ने छापेमारी में करोड़ों की संपत्ति और गांजा तस्करी के पुख्ता सबूत जुटाए हैं। दरअसल, एसीबी ने जीआरपी के 4 आरक्षक संतोष राठौर और लक्ष्मण गायन के पांडुका स्थित सिरगट्टी और मन्नू प्रजापति, सौरभ नागवंशी के मोपका स्थित घरों पर छापेमारी की है। जांच में पता चला कि ये कॉन्स्टेबल लंबे समय से ट्रेनों के जरिए से गांजा और नशीली गोलियों की तस्करी में शामिल थे।

एसीबी ने छापेमारी के दौरान आरक्षकों के घरों से कैश, जमीन-मकान के दस्तावेज, महंगे आभूषण और संदिग्ध बैंक लेनदेन से जुड़े दस्तावेज बरामद किए हैं। इनकी संपत्ति का मूल्य करोड़ों में आंका जा रहा है। जांच में पता चला कि

संपत्तियां उनकी आय के स्रोतों से मेल नहीं खाती। एसीबी के अधिकारियों ने बताया कि, बिलासपुर में गांजा तस्करी करते पकड़े गए जीआरपी के आरक्षक मन्नू प्रजापति, सतोष कुमार राठौर और लक्ष्मण गाइन के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज किया गया है। उनके घरों और रायपुर-बिलासपुर की 6 टीमों ने बिलासपुर, कोरबा, गरियाबंद और कोंडागांव में छापेमारी की। तीनों आरोपियों के निवास स्थानों और अन्य जगहों से लाखों रुपए कीमती आभूषण, मकान-जमीन के दस्तावेज, कई बैंक अकाउंट और निवेश से संबंधित दस्तावेज मिले हैं। दस्तावेजों का विश्लेषण और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है। ट्रेनों के जरिए गांजे की तस्करी का यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था। एसीबी अब उन अन्य व्यक्तियों की पहचान में जुटी है, जो इस नेटवर्क में शामिल हो सकते हैं। आरक्षकों की इन गतिविधियों ने पुलिस विभाग और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एसीबी के अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ एसीबी में अपराध क्रमांक 56 / 24, 57 / 2024 और 58/2024 धारा-13 (1) बी, 13 (2) भ्र.नि.अ. 1988 संशोधित अधिनियम 2018 के तहत आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज कर मामले में छानबीन जारी है। अधिकारियों ने बताया कि बरामद दस्तावेजों की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आरक्षकों को पहले ही बर्खास्त किया जा चुका है, लेकिन गांजा तस्करी जैसे अपराधों की गंभीरता को देखते हुए सख्त कदम उठाए जाएंगे।

हॉस्टल के बाथरूम में बेहोश मिली, 12वीं की छात्रा की मौत

सक्ती से आकर रायगढ़ में कर रही थी पढ़ाई हार्ट-अटैक की जताई जा रही आशंका

रायगढ़, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के वैदिक स्कूल की 12वीं की छात्रा की सोमवार को मौत हो गई। बताया जा रहा है कि छात्रा हॉस्टल के बाथरूम में बेहोश मिली, जिसे अस्पताल लाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही दम तोड़ दिया। आशंका जताई जा रही है कि हार्ट अटैक से जान गई है। मामला जूटमिल थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मरने वाली छात्रा का नाम श्रेया गबेल है, जो सक्ती के मालखरौदा थाना के पोता गांव की रहने वाली थी। वह वैदिक स्कूल के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी, तभी उसकी तबीयत बिगड़ी। बताया जा रहा है कि छात्रा सुबह बाथरूम गई थी। वहां बेहोश होकर गिर गई। उसकी सहेलियां मौके पर पहुंची। इसके बाद मामले की जानकारी स्कूल प्रबंधन को दी। स्कूल प्रबंधन छात्रा को अपेक्स अस्पताल ले जा रहा था, लेकिन छात्रा ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही, छात्रा के परिजन रायगढ़ पहुंचे। पुलिस को बिना सूचना दिए और बिना पोस्टमॉर्टम के शव को अपने गृह ग्राम ले गए। मामले की जानकारी मिलने के बाद जूटमिल पुलिस ने मालखरौदा पुलिस को सूचना दी है। वहीं जूटमिल पुलिस भी छात्रा के गांव जा रही है। मामले में जूटमिल थाना प्रभारी मोहन भारद्वाज ने बताया कि हॉस्टल प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक हार्ट अटैक से छात्रा की मौत की जान गई है, लेकिन पोस्टमॉर्टम नहीं होने की वजह से मौत की सही जानकारी नहीं मिल सकी है।

क्रशर पर फायरिंग करने जा रहे 6 गिरफ्तार

सभी आरोपी सुजीत सिन्हा गैंग के हैं सदस्य, तीन देशी पिस्तौल भी बरामद

पलामू, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पलामू पुलिस ने एक क्रशर पर फायरिंग करने जा रहे सुजीत सिन्हा गैंग के छह अपराधियों को हथियार के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनकी गिरफ्तारी चैनपुर थानाक्षेत्र के करसो में की गई। गिरफ्तार अपराधियों में शाहपुर का अशफाक खान (25), पांकी थाना क्षेत्र के खपरमंडा का कुश कुमार यादव (21), पांकी के चापी कला का दीपक कुमार भुईया (30), सतबरवा के पोची का गुलशन कुमार विश्वकर्मा (22), चैनपुर के गर्दा का आशिफ अहमद उर्फ राजा खान (22) और चैनपुर के कुरैशी मोहल्ला का रहने वाला फरहान कुरैशी उर्फ शैलू कुरैशी (24) शामिल है। गिरफ्तार दीपक कुमार भुईयां जेजेएमपी का सदस्य रहा है। वहीं, आशिफ खान नुक्कड़ नाटक का कलाकार है। अपराधियों के पास से पुलिस को तीन देशी पिस्तौल, एक देशी कट्टा, तीन गोली, तीन बाइक और 7 मोबाइल

फोन जब्त किया है।

एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि 29 नवंबर की रात चैनपुर थाना अंतर्गत डोकरा-चांदो स्थित क्रशर पर हुई फायरिंग की घटना के सिलसिले में अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए स्पेशल टीम का गठन किया गया था। टीम लगातार छापामारी कर रही थी। इसी क्रम में पता लगा कि चैनपुर-सलतुआ रोड पर छह व्यक्ति अवैध हथियार के साथ किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए धरती अहरा के पास से तीन बाइक पर सवार छह को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में अपराधियों ने बताया है कि सुजीत सिन्हा गैंग के लिए काम करते हैं और करसो स्थित क्रशर मालिक द्वारा रंगदारी देने में देरी करने पर फायरिंग करने जा रहे थे। अपराधियों ने तीन दिन पहले क्रशर प्लांट में फायरिंग की घटना में संलिप्त होने की बात कही है। क्रशर प्लांट के कर्मी से लूटा गया मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।

हाथियों के दल ने मचाया उत्पात

कोरबा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में जंगली हाथियों ने एक गांव में हमला कर दिया। हाथियों के हमले में एक बछड़े समेत पांच मवेशियों की मौत हो गई। गांव में हाथियों का झुंड आने से ग्रामीण दहशत में आ गए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों ने मवेशियों पर हमला किया इसके साथ ही फसलों को भी नुकसान पहुंचाया है। हाथियों के झुड़ को गांव में आने की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम एक्टिव हो गई। वन विभाग की टीम ने लोगों से अपील की है कि हाथियों के झुंड के समीप जाने की कोशिश नहीं करें। अधिकारियों ने हाथियों के गांव में आने की जानकारी सोमवार को दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले के कटघोरा वन मंडल के अंतर्गत पसान परिक्षेत्र के सिरी गांव में रविवार रात जंगली हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया और एक बछड़े समेत पांच मवेशियों को मार डाला। हाथियों ने यहां खेतों में लगी फसलों और एक घर को भी नुकसान पहुंचाया है। कटघोरा वन मंडल के वन मंडल अधिकारी कुमार निशांत ने बताया कि रविवार रात जंगली हाथियों का एक दल सिरी गांव पहुंचा और वहां गोविंद सिंह के घर के कोठार में बंधे मवेशियों को मार डाला। हाथियों ने सिंह के घर के एक हिस्से को तोड़ दिया है तथा फसलों को नुकसान पहुंचाया है। निशांत ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग का दल मौके पर पहुंचा। उनके अनुसार, मवेशियों की मौत का प्रकरण बनाकर किसान को नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि हाथियों के हमले के बाद ग्रामवासी डरे हुए हैं। ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है तथा हाथियों पर नजर रखी जा रही है।

छत्तीसगढ़ के 3 एयरपोर्ट अपग्रेड और डेवलप होंगे

बिलासपुर में नाइट लैंडिंग और जगदलपुर में एयरस्ट्रिप का होगा काम, 23 करोड़ रुपए जारी

रायपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बड़े शहरों के एयरपोर्ट डेवलप किए जाएंगे। इनमें एयर स्ट्रिप, प्लेन पार्किंग एरिया, एयरपोर्ट पर लाइटिंग सिस्टम को विकसित किया जाएगा। इन कामों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने 23.64 करोड़ रुपए जारी किए हैं। एयरपोर्ट डेवलपमेंट के ये प्रोजेक्ट बिलासपुर, जगदलपुर, अंबिकापुर में शुरू होंगे। वित्त विभाग से मिली इस स्वीकृति पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे एयरपोर्ट के इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा से संबंधित कार्य किए जाएंगे। राज्य के एयरपोर्ट का अपग्रेड और डेवलप हो सकेगा। इससे विमानन सेवाएं बेहतर होंगी और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। वित्त विभाग ने बिलासपुर एयरपोर्ट में एप्रन विस्तार और लाइटिंग कार्य के लिए 2 करोड़ 96 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है। एप्रन विस्तार के तहत एयरपोर्ट के उड़ान पट्टी के आसपास के क्षेत्र को बढ़ाया जाएगा। जिससे विमानों की पार्किंग और संचालन में सहूलियत होगी। इसके साथ ही, एयरपोर्ट के लाइटिंग सिस्टम को और बेहतर किया जाएगा, ताकि रात के समय विमान की सुरक्षित लैंडिंग हो सके। जगदलपुर एयरपोर्ट के लिए एयरस्ट्रिप सुधार के लिए 20.40 करोड़ की राशि मंजूर की गई है। इससे एयरपोर्ट की सिक्योरिटी और प्लेन ऑपरेशंस की कैपेसिटी बढ़ेगी। आइसोलेशन-बे बनाया जा रहा है। इससे आपातकालीन स्थिति में प्लेन सुरक्षित खड़ा हो सकेगा। सड़क चौड़ीकरण किया जाएगा ताकि ट्रैफिक को सहूलियत हो। वायर फेंसिंग से एयरपोर्ट के चारों ओर सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। अंबिकापुर एयरपोर्ट के विकास कार्यों के लिए 27.92 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। राशि से एयरपोर्ट के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के काम होंगे। अंबिकापुर से हवाई सेवा दिसंबर से शुरू हो जाएगी। एयरलाइन कंपनी फ्लाई बिग ने 19 दिसंबर से अंबिकापुर-बिलासपुर रूट में हवाई सेवा शुरू करने के लिए शेड्यूल जारी किया है। फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन चलेगी। एक माह पहले ही पीएम नरेंद्र मोदी ने अंबिकापुर के एयरपोर्ट का वर्चुअल शुभारंभ किया था। शेड्यूल के अनुसार अंबिकापुर-बिलासपुर-अंबिकापुर के लिए हवाई सेवा सप्ताह में तीन दिन गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को उपलब्ध रहेगी।

शौचालय में पढ़ रहे बच्चे, बाहर नहाने को मजबूर

छात्राओं की नहाने वाली जगह प्राचार्य ने लगवाया सीसीटीवी, हॉस्टल में ना कमरे, ना पानी

बस्तर/नारायणपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के ओरछा छोटेडोंगर आवासीय विद्यालय के बच्चे शौचालय में रहकर पढ़ने को मजबूर हैं। आम आदमी पार्टी का कहना है कि स्कूल में बालिकाओं के स्नान करने के क्षेत्र में प्राचार्य ने सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। पूरा सिस्टम कब्जे में कर रखा है। दरअसल, नारायणपुर आम आदमी पार्टी आश्रम-छात्रावास, पोटाकेबिन, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का निरीक्षण कर रही है। जहां भी शिकायत मिल रही है वहां की जानकारी प्रशासन को दे रही है। एकलव्य छोटेडोंगर आवासीय विद्यालय में शिक्षिका ने बताया कि हॉस्टल में कमरों की कमी की वजह से बच्चों को टॉयलेट में रहना पड़ रहा है। बच्चों ने टॉयलेट सीट पर कपड़ा ढक दिया और उस रूम को अपना ठिकाना बना लिया। टॉयलेट रूम में ही बच्चों ने टेबल, बेड लगाया हुआ है। इसके अलावा बालिका छात्रावास में शौचालय की समस्या है। शौचालय तक पानी नहीं पहुंचता। छात्राएं बाहर नहाने को मजबूर हैं। हॉस्टल में रहने वाली 10वीं की छात्रा ने बताया कि हॉस्टल के अंदर शौचालय तक पानी की व्यवस्था नहीं है। स्टूडेंट्स को सुबह 5-6 बजे शौच के लिए भी बाहर जाना पड़ता है। शिक्षिका ने बताया कि इन सभी समस्या को लेकर हॉस्टल वार्डन ने अधिकारियों को पत्र लिखा था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। निरीक्षण के दौरान मिली गड़बड़ी के बाद आम आदमी पार्टी के बस्तर लोकसभा अध्यक्ष नरेंद्र नाग ने कहा कि प्रशासन वन मंत्री के चहेतों को बचाने कार्रवाई नहीं कर रहा है बल्कि शिकायत को दरकिनार कर देता है। छात्रावास में बच्चे नर्क की जिंदगी जीने मजबूर है। एकलव्य आदर्श आवासीय बालिका विद्यालय में बालिकाओं के स्नान करने के क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरा लगाकर प्राचार्य क्या हासिल करना चाहते हैं। केंद्रीय विद्यालय का ये हाल है तो अंदरुनी इलाकों के स्कूलों का क्या हाल होगा। आम आदमी पार्टी ने बस्तर एकलव्य आदर्श बालक बालिका आवासीय विद्यालय के मामले पर जल्द कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही सीसीटीवी कैमरा लगवाने वाले प्राचार्य के ऊपर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

झारखंड में फेंगल तूफान का असर

रांची में छाए बादल, सिमडेगा-जगन्नाथपुर में हल्की बारिश

रांची, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के कई जिलों में फेंगल तूफान का असर दिख रहा है। राजधानी रांची में सोमवार सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने बताया है कि मंगलवार तक झारखंड में फेंगल तूफान का असर देखा जाएगा। कोल्हान, सिमडेगा, जगन्नाथपुर में फेंगल तूफान के चलते बारिश हो चुकी है। जमशेदपुर का तापमान सामान्य से 5 डिग्री अधिक रहा। झारखंड के कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। रविवार को कई जगह हल्की बारिश होने के चलते बादल छाए हुए दिख रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 4 दिसंबर से तापमान में गिरावट आएगी और ठंड बढ़ेगी। फेंगल तमिलनाडु और पुडुचेरी में कमजोर पड़ गया है।

रांची मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 2 दिसंबर को आसमान में बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। रविवार को रांची सहित कई जगहों पर बादल छाए रहे और हल्की बारिश हुई। इस दौरान अधिकतम तापमान लगभग 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 7 दिसंबर के बाद आसमान साफ होने और तापमान में बदलाव की उम्मीद है।

राज्य के दक्षिणी हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना है। सुबह हल्का कोहरा और बाद में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है। 3 से 7 दिसंबर तक सुबह हल्का कोहरा और बाद में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। इस दौरान मौसम शुष्क रहेगा। 4 दिसंबर से ठंड बढ़ने की संभावना है, क्योंकि न्यूनतम तापमान और नीचे जा सकता है।

पिछले 24 घंटों में राज्य के दक्षिणी हिस्से में हल्की बारिश दर्ज की गई। जगन्नाथपुर में 12 मिमी और सिमडेगा में 2.5 मिमी बारिश हुई। गोड्डा में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस और गढ़वा में सबसे कम न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कुछ जगहों पर तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया।

चक्रवात फेंगल के कारण झारखंड के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। हल्की बारिश और बादलों ने ठंड का एहसास करा दिया है। मौसम विभाग की चेतावनी है कि 4 दिसंबर से ठंड और बढ़ेगी। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। खासकर बुजुर्गों और बच्चों का ध्यान रखना जरूरी है।

बंदूक लेकर शिक्षिका को धमकाने पहुंचा हेड-मास्टर

स्कूल में गैरहाजिर बताने पर गोली मारने की दी धमकी, सस्पेंड

सूरजपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में हेड मास्टर का नशे में भरमार बंदूक दिखाकर शिक्षिका को धमकाने का मामला सामने आया है। टीचर ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। अब शिक्षिका की शिकायत पर शिक्षा विभाग ने प्रधान पाठक को निलंबित कर दिया है। मामला प्रतापपुर के बरबसपुर के प्राथमिक शाला मुसलमानपारा का है। वीडियो 21 नवंबर का है। शिक्षिका ने अपनी शिकायत में बताया कि, हेड मास्टर सुशील कुमार कौशिक नशे में राइफल लेकर स्कूल पहुंचे। मुझे अनुपस्थित क्यों किया गया कहते हुए गोली से उड़ाने की धमकी दी। सुशील कुमार 19 नवंबर को स्कूल नहीं आए थे, इसलिए संकुलवार दैनिक प्रतिवेदन में अनुपस्थित होने की जानकारी भेजी गई। जिस पर उन्हें कारण बताओ सूचना विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से नोटिस भेजा गया। इसलिए उन्होंने मुझे जिम्मेदार माना, इसलिए धमकी देने आ गए थे। शिक्षिका ने आगे बताया कि, इससे पहले भी सुशील कुमार कौशिक की शिकायत सरपंच, पंच और ग्रामीणों ने बीईओ से की थी। उसमें बताया गया कि, वे हमेशा नशे की हालत में स्कूल में रहते हैं। बच्चों को पढ़ाते भी नहीं हैं। इसलिए इस घटना से मैं डरी हुई हूं। मानसिक रूप से बहुत परेशान हूं। इसलिए उन पर कार्रवाई की जाए।

टीचर की शिकायत पर शिक्षा विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हेड मास्टर सुशील कुमार कौशिक को निलंबित कर दिया है।

यूक्रेन ने क्रीमिया पर दागीं 40 मिसाइल और ड्रोन

एक्सपर्ट बोले- ये बहुत बड़ी चाल का हिस्सा, क्या करेंगे पुतिन?

कीव, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन की ओर से क्रीमिया में रूसी ठिकानों पर भीषण हमला किया गया है। यूक्रेनी सेना ने शुक्रवार को 40 से ज्यादा क्रूज मिसाइलें, बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन इस क्षेत्र में दागे हैं। इस हमले ने रूसी नेतृत्व के बीच चिंता और लोगों के बीच डर बढ़ा दिया है। वॉर ट्रांसलेटिड के अनुसार, रूसी चैनल दहशत में हैं क्योंकि यह हमला बहुत बड़ा और जटिल किस्म का था। इस हमले से युद्ध में तेजी आने का अंदेशा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आक्रमकता दिखा सकते हैं।

फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन के हमले को उसकी चाल भी कहा जा रहा है, जिससे रूस को अपनी हवाई सुरक्षा को दूसरे हिस्सों से हटाकर क्रीमिया में लगाने पर मजबूर होना पड़े। ऐसा होने पर यूक्रेन को असली टारगेट पर हमले करने में आसानी होगी। यूक्रेन फिर पश्चिमी रूस के कुर्स्क ओब्लास्ट में रूसी कमांड

पोस्ट और सप्लाई लाइन पर हमला कर सकता है। इस क्षेत्र में यूक्रेनी और रूसी लड़ रहे हैं। डोनेट्स्क ओब्लास्ट में भी यूक्रेन हमला कर सकता है, जहां एक साल से रूसी हमला जारी है।

प्लान के तहत किया गया हमला?

रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले के लिए यूक्रेनी वायु सेना ने खुफिया विभाग और कमांडो यूनिट के साथ मिलकर अंजाम दिया है। इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर (आईएसडब्ल्यू) के मुताबिक, यूक्रेन ने इस हमले के लिए जिन हथियारों को जमा किया, उनमें ब्रिटिश निर्मित स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइलें थीं, जिन्हें सू-24 बमवर्षकों से दागा गया। एस-200 एयर डिफेंस मिसाइलों को जमीन से जमीन पर मार करने वाले हथियारों में बदला गया। इस दौरान ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों को सेना ने दागा। इससे रूस को हमले को रोकने में मुश्किल हुई।

एक्सपर्ट का कहना है कि पहली नजर में यूक्रेन का क्रीमिया में इतने सारे हथियार दागना बेकार लग सकता है। इसकी वजह ये है कि दक्षिणी मोर्चा पिछले एक साल से शांत है क्योंकि लड़ाई पूर्व और उत्तर में चल रही है। इसे ऐसे भी देख सकते हैं कि यह हमला एक बड़ी योजना का हिस्सा था। यूक्रेनी सेंटर फॉर डिफेंस स्ट्रैटेजीज का मानना है कि क्रीमिया में यूक्रेन के हमले रूस को संसाधन इस क्षेत्र में लगाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। यह हमला यूक्रेन के लिए इस लिहाज से बड़ी सफलता है कि इससे रूस को अपने हवाई सुरक्षा नेटवर्क पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। ऐसे में यूक्रेन को भविष्य में और हमले करने में मदद मिलेगी। यह घटनाक्रम युद्ध के बदलते स्वरूप को भी दिखाता है।

यूक्रेन अब आक्रामक रणनीति अपना रहा है। यह रूस के लिए चिंता का विषय है। रूस और यूक्रेन के बीच आने वाले दिनों में इस क्षेत्र में ज्यादा उथल-पुथल देखने को मिल सकती है।

54 इस्कॉन सदस्यों को भारत जाने से रोका

कहा- स्पेशल परमिशन नहीं है, धार्मिक समारोह में भाग लेने जा रहे थे

ढाका, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की इमिग्रेशन पुलिस ने वैध पासपोर्ट और वीजा के साथ भारत जा रहे इस्कॉन के 54 सदस्यों को बॉर्डर पर रोक दिया। ये लोग एक धार्मिक समारोह में भाग लेने भारत जा रहे थे। इसे लेकर इमिग्रेशन पुलिस का कहना है कि उनके पास भले ही वैध पासपोर्ट और वीजा थे, लेकिन गवर्नमेंट की स्पेशल परमिशन नहीं थी।

बेनापोल इमिग्रेशन पुलिस के एक अधिकारी ने द डेली स्टार अखबार से कहा- हमने पुलिस की स्पेशल ब्रांच से बात की। जहां से हमें इस्कॉन सदस्यों को बॉर्डर पार न जाने देने के निर्देश मिले। देश के अलग-अलग जिलों से आया श्रद्धालुओं का जत्था भारत जाने के लिए बेनापोल बॉर्डर पर पहुंचा था। वे बेनापोल में बॉर्डर पार जाने के लिए घंटों इंतजार करते रहे, लेकिन बाद में बताया गया कि उन्हें इसकी परमिशन नहीं है। इस्कॉन सदस्य सौरभ तपंदर चेली ने कहा- हम भारत

में हो रहे एक धार्मिक समारोह में भाग लेने जा रहे थे, लेकिन इमिग्रेशन अधिकारियों ने हमें सरकारी परमिशन न होने का हवाला देकर रोक दिया।

अब तक चार इस्कॉन सदस्यों की गिरफ्तारी का दावा

वहीं, दूसरी तरफ कोलकाता इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने बांग्लादेश में अब तक 4 इस्कॉन सदस्यों की गिरफ्तारी का दावा किया है। चार हिंदू पुजारियों की तस्वीर पोस्ट करते हुए राधारमण दास ने लिखा- क्या ये आतंकवादी जैसे दिखते हैं? इन सभी को बांग्लादेशी पुलिस ने बिना किसी कारण के गिरफ्तार कर लिया है।

हालांकि, चिन्मय प्रभु के अलावा अन्य इस्कॉन सदस्यों की गिरफ्तारी या हिरासत पर बांग्लादेश की तरफ से अब तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है।

बांग्लादेश इस्कॉन ने चिन्मय प्रभु से नाता तोड़ा

हिंदू धर्मगुरु चिन्मय प्रभु की रिहाई को लेकर बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन जारी है। वहीं, इस्कॉन बांग्लादेश ने चिन्मय प्रभु से खुद को अलग कर लिया है। महासचिव चारु चंद्र दास ब्रह्मचारी ने कहा कि अनुशासन भंग करने की वजह से चिन्मय को पहले ही संगठन के सभी पदों से हटा दिया गया था। यूनुस प्रशासन ने इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक अकाउंट्स 30 दिनों के लिए सीज कर दिए हैं। इसमें चिन्मय प्रभु का अकाउंट भी शामिल है।

बांग्लादेश फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट (बीएफआईयू) ने गुरुवार को अलग-अलग बैंकों को इसके निर्देश भेजे। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस एजेंसी ने सेंट्रल बांग्लादेश बैंक से इन सभी 17 लोगों से जुड़े अकाउंट्स से हुई लेन-देन की जानकारी 3 दिन के भीतर भेजने को कहा है।

रूस ने डिफेंस बजट बढ़ाकर 10.67 लाख करोड़ किया

यह कुल सरकारी खर्च का 32.5%, पिछले साल से 2.37 लाख करोड़ ज्यादा

मॉस्को, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस की संसद ड्यूमा ने साल 2025 के लिए 10 लाख 67 हजार करोड़ रुपए (126 बिलियन डॉलर) के डिफेंस बजट को मंजूरी दी है। जो कुल सरकारी खर्च का लगभग 32.5% है। यह रकम पिछले साल के डिफेंस बजट के मुकाबले 2 लाख 37 हजार करोड़ रुपए (28 बिलियन डॉलर) ज्यादा है। इस नए तीन वर्षीय बजट में साल 2026 और 2027 के लिए सैन्य खर्च में मामूली कटौती का भी अनुमान लगाया गया है। ड्यूमा के दोनों सदनों से बजट को मंजूरी मिल गई है। रूस ने पिछले दो सालों से डिफेंस बजट लगातार बढ़ोतरी की है। इसका असर रूसी इकॉनमी पर भी पढ़ रहा है। देश में महंगाई बहुत ज्यादा है और कंपनियों को लेबर की कमी से जूझना पड़ रहा है। हालात संभालने के लिए रूसी सेंट्रल बैंक ने अक्टूबर में ब्याज दरें बढ़ाकर 21% कर दी, जो दस साल में सबसे ज्यादा है। युद्ध की वजह से रूस की इकोनॉमी और आबादी पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। यूक्रेन से कहीं ज्यादा आबादी होने के बाद भी रूस को नए सैनिकों की भर्ती में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं दूसरी तरफ यूक्रेन को लगातार पश्चिमी देशों से आर्थिक और सामरिक मदद हासिल हो रही है। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने सोमवार को यूक्रेन को लगभग 5 हजार करोड़ रुपए (684 मिलियन डॉलर) के मिलिट्री इक्विपमेंट देने की घोषणा की।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने दोषी करार बेटे को माफ किया

अवैध तरीके से बंदूक खरीदने-टैक्स चोरी मामले में फंसे थे, 2 दिन बाद मिलती सजा

वॉशिंगटन, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने बेटे हंटर बाइडेन की सजा को माफ कर दिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक वे अवैध तरीके से बंदूक रखने और टैक्स चोरी के मामले में सजा का सामना कर रहे थे। राष्ट्रपति ने कहा, हंटर को बर्बाद करने की कोशिश में कुछ लोगों ने मुझे भी कमजोर करना चाहा। यह सब अभी नहीं रुकता, इसलिए मुझे अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करना पड़ा। अमेरिकी लोग समझेंगे कि एक पिता और राष्ट्रपति ने यह फैसला क्यों लिया।

हंटर को डेलावेयर कोर्ट में 4 दिसंबर को सजा सुनाई जानी थी। अवैध तरीके से बंदूक खरीदने के मामले में अधिकतम 25 साल तक की जेल हो सकती है, लेकिन कानून के कई जानकारों के मुताबिक पहला आपराधिक मामला होने की वजह से उन्हें 12 से 16 महीने तक की सजा हो सकती थी। सजा सुनाए जाने से ठीक 2 दिन पहले पिता बाइडेन ने अपनी राष्ट्रपति शक्तियों का

इस्तेमाल कर बेटे बाइडेन को बचा लिया। हंटर को जून में दोषी पाए जाने से पहले बाइडेन ने कहा था कि अगर दोषी पाया गया तो अपने बेटे को कभी माफ नहीं करेंगे।

टैक्स चोरी मामले में 16 दिसंबर को मिलने वाली थी सजा

दोष स्वीकार करने के बाद हंटर को अधिकतम 15 साल की सजा हो सकती थी। उन्हें 16 दिसंबर को कैलिफोर्निया में सजा सुनाई जाने वाली थी और करीब 11 करोड़ रुपए का जुर्माना देना पड़ सकता था। सजा सुनाए जाने से 14 दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने बेटे को माफी दे दी।

हंटर बाइडेन लॉबिस्ट वकील और विदेशी कंपनियों के लिए कंसल्टिंग का काम करते रहे हैं। वह इन्वेस्टमेंट बैंकर और आर्टिस्ट हैं। उन्हें हथियार मामले में दोषी ठहराने में उनकी पूर्व प्रेमिका की बड़ी भूमिका रही। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक हेली बाइडेन ने इसी साल जून में कोर्ट में गवाही दी कि उसने हंटर के कार की तलाशी ली थी।

इस दौरान उनसे एक गन मिली जिसे देख वो घबरा गई थी। हेली ने कोर्ट में ये भी कहा कि उसने कई बार हंटर को ड्रग्स का सेवन करते हुए पकड़ा था। हेली ने अदालत में यह भी कहा था कि हंटर की वजह से ही उन्हें भी ड्रग्स की लत लग गई थी। हेली बाइडेन ने हंटर बाइडेन के बड़े भाई बीयू बाइडेन से 2002 में शादी की थी। बीयू पेशे से वकील और डेमोक्रेटिक पार्टी के बड़े नेता थे। मई 2015 में बीयू की ब्रेन कैंसर से मौत हो गई थी।

इसके बाद साल 2016 में हेली बाइडेन और हंटर बाइडेन का अफेयर शुरू हुआ। यह रिश्ता 2019 तक चला था। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बाइडेन के फैसले पर नाराजगी जाहिर की है। ट्रम्प ने कहा कि बाइडेन ने हंटर को जो माफी दी है, क्या उनमें 6 जनवरी को कैपिटल दंगे के सिलसिले में हिरासत में लिए गए कैदी भी शामिल हैं, जो कई सालों से जेल में बंद हैं? यह 'शक्तियों का दुरुपयोग' है। राष्ट्रपति के क्षमादान के फैसले को अगला राष्ट्रपति रद्द नहीं कर सकता। यानी कि करीब डेढ़ महीने बाद राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले ट्रम्प चाहें तो भी बाइडेन का फैसला नहीं बदल सकते।

गल्फ एयर के विमान ने की इमरजेंसी लैंडिंग

24 घंटे तक बिना खाना-पानी के फंसे रहे भारतीय, दूतावास ने की मदद

कुवैत सिटी, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई से मैनचेस्टर की उड़ान भरने वाले लगभग 60 भारतीय यात्री रविवार को कुवैत अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग 24 घंटे तक फंसे रहे। यात्रियों का आरोप है कि लंबे इंतजार के दौरान उन्हें खाना-पानी, आवास या बुनियादी सहायता नहीं दी गई। तकनीकी खराबी के कारण गल्फ एयर की उड़ान जीएफ 005 को डायवर्ट किया गया था। लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक विमान 24 घंटे बाद फिर रवाना हो सका। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक फंसे हुए यात्रियों में से एक आरजू सिंह ने कहा कि वह लोग हवाई अड्डे को छोड़ने में असमर्थ थे। ऐसा इसलिए क्योंकि उनके पास ट्रांजिट वीजा नहीं था। जबकि यूके और यूएस पासपोर्ट धारकों को ट्रांजिट वीजा की उपलब्धता के कारण बाहर जाने की अनुमति थी। स्थिति तब बिगड़ गई जब यात्रियों ने सोशल मीडिया पर इसकी शिकायत करना शुरू किया। इसके बाद कुवैत में भारतीय दूतावास को हस्तक्षेप करना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक सोशल मीडिया पर इससे जुड़ा मुद्दा उठाने के बाद, कुवैत में भारतीय दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी हवाई अड्डे पर फंसे भारतीय यात्रियों तक पहुंचे। आरजू ने कहा कि चर्चा के बाद हवाई अड्डे के अधिकारी वरिष्ठ नागरिकों और शिशुओं के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों को हवाई अड्डे के अंदर बनी एक फैसिलिटी देने पर सहमत हुए। हालांकि उन्होंने इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी कि बाकी यात्रियों को कैसे सुविधा दी जाएगी। भारतीय दूतावास के अधिकारी वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था करने के लिए एयरलाइन से बातचीत कर रहे थे। शिवांश नाम के एक अन्य यात्री ने भी सोशल मीडिया के जरिए एयरपोर्ट पर फंसने के बारे में बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'बिना किसी मदद के कुवैत में फंसकर पढ़ रहा हूं, 'व्हाइ इंडिया मैटर्स'।

अमेरिकी आईलैंड में ताइवानी राष्ट्रपति के वेलकम से चीन नाराज

कहा- हमारी पूरे मामले पर बारीक नजर, जवाबी कार्रवाई करेंगे

हवाई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते एक हफ्ते के पैसिफिक आईलैंड्स के दौरे पर हैं। उन्होंने इसकी शुरुआत अमेरिका के हवाई प्रांत से की, जहां रेड कार्पेट बिछाकर उनका स्वागत किया गया। इसके साथ अमेरिका ने ताइवान को और अधिक हथियार बिक्री के प्रस्ताव को मंजूरी दी। अमेरिका का ये फैसला चीन को नागवार गुजरा है। अमेरिकी विदेश विभाग ने ताइवान को एफ-16 जेट विमानों और राडार के लिए स्पेयर पार्ट्स और सपोर्ट की लगभग 385 मिलियन डॉलर की बिक्री को मंजूरी दी है।

अलजजीरा के मुताबिक, चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस पूरे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखेगा और अपने देश की देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बचाने के लिए ठोस कदम उठाएगा। हथियार बिक्री के मुद्दे पर चीन ने कहा- अमेरिका का यह फैसला ताइवान इन्डेपेन्डेन्ट फोर्स को गलत मैसेज

देगा। हम इस पर जवाबी कार्रवाई करेंगे। लाई चिंग-ते ने पर्ल हार्बर में यूएसए एरिजोना मेमोरियल का दौरा किया। यहां उन्होंने कहा कि अमेरिका और ताइवान को युद्ध को रोकने के लिए एक साथ लड़ना चाहिए।

शांति अमूल्य है और युद्ध में कोई विजेता नहीं होता। हवाई के बाद लाई चिंग-ते मार्शल आइलैंड, तुवालु और पलाऊ का दौरा करेंगे।

पैसिफिक रीजन में ये राष्ट्र ही ताइवान को एक स्वतंत्र देश के तौर पर मान्यता देते हैं। 1940 के दशक में जब चीन का शासन कम्युनिस्ट पार्टी के हाथ में आया तो बचे हुए राष्ट्रवादी देश छोड़ ताइवान द्वीप पर जा बसे थे। इन राष्ट्रवादियों ने ताइवान में लोकतांत्रिक शासन लागू किया था। चीन ताइवान को अपना ही हिस्सा मानता है। जबकि ताइवान खुद को एक स्वतंत्र देश मानता है। चीन इसलिए ताइवान पर कब्जा करना चाहता है।

ताइवान पर कब्जा करके चीन पश्चिमी प्रशांत महासागर इलाके में अपना दबदबा दिखाने के लिए आजाद हो जाएगा।

ट्रम्प अपने समधी को फ्रांस में राजदूत बनाएंगे

टैक्स चोरी के मामले में जेल जा चुके हैं, ट्रम्प ने राष्ट्रपति रहते माफी दी

वाशिंगटन, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दामाद जैरेड कुशनर के पिता यानी अपने समधी चार्ल्स कुशनर को फ्रांस में अगले अमेरिकी राजदूत के तौर पर नॉमिनेट करने की घोषणा की है। ट्रम्प ने चार्ल्स कुशनर को बेहतरीन बिजनेस लीडर, परोपकारी और डीलमेकर बताया है। ट्रम्प और चार्ल्स कुशनर एक दूसरे को रियल एस्टेट बिजनेस से जानते हैं। साल 2009 में ट्रम्प की बेटी इवांका और चार्ल्स कुशनर के बेटे जैरेड कुशनर की शादी से ये पहचान रिश्तेदारी में बदल गई। चार्ल्स कुशनर को साल 2005 में गलत टैक्स रिटर्न तैयार करने और फेडरल इलेक्शन कमीशन को झूठा बयान देने का अपराधी पाया गया था। उन्होंने इस मामले में 16 महीने से ज्यादा जेल में बिताए। 2020 में ट्रम्प ने प्रेसिडेंट पावर का इस्तेमाल कर उन्हें माफ कर दिया था। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रम्प ने कहा- मुझे न्यू जर्सी के चार्ल्स कुशनर को फ्रांस में अमेरिकी राजदूत के तौर पर नॉमिनेट करते हुए बहुत खुशी हो रही है। वह एक बेहतरीन बिजनेस लीडर, परोपकारी और डीलमेकर हैं, जो हमारे देश और उसके हितों को पेश करने वाले एक मजबूत वकील होंगे। उन्होंने आगे लिखा कि चार्ली 'कुशनर कंपनियों' के फाउंडर और चेयरमैन हैं, जो देश की सबसे बड़ी और सबसे सफल प्राइवेट रियल एस्टेट फर्मों में से एक है। उन्हें अर्न्स्ट एंड यंग ने न्यू जर्सी एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर के तौर पर मान्यता दी। उन्होंने न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के पोर्ट अथॉरिटी के कमिश्नर और चेयरमैन के तौर भी काम किया, साथ ही एनवाईयू समेत हमारे टॉप इंस्टीट्यूशन के बोर्ड में भी काम किया।

पूर्व सीएम रायसानी बोले- आजादी चाहते हैं बलोच

कुर्रम हिंसा में 130 मरे, बम धमाके में 3 बच्चों की मौत

क्वेटा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बलूचिस्तान सेना के खिलाफ बढ़ते आक्रोश व लक्षित हमलों के बीच प्रांत के पूर्व मुख्यमंत्री व मौजूदा प्रांतीय एसेंबली के सदस्य नवाब असलम रायसानी ने कहा कि अधिकांश बलोच पाकिस्तान से आजादी का समर्थन करते हैं। रायसानी ने एक बयान में कहा कि बलोच राष्ट्र तीन गुटों में विभाजित है।

बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार रायसानी ने कहा, अधिकांश बलोच आजादी के पक्ष में हैं और राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

दूसरा गुट सेना के साथ है, जिसमें शामिल लोग निजी स्वार्थ की पूर्ति तथा ताकत की चाहत रखते हैं। तीसरा गुट राष्ट्रवादी दलों का है, जो संघ के भीतर स्वायत्तता व संसाधन नियंत्रण की वकालत करता है। हालांकि, यह गुट काफी कमजोर है और इसका प्रभाव सीमित है।

इस बीच खबर है कि पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को बम धमाके से कम से कम तीन बच्चों की मौत हो गई, जिनमें दो भाई भी शामिल हैं। घटना बन्नू के वजीर उपखंड के जानी खेल इलाके में हुई। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि बच्चे मदरसे से घर लौट रहे थे, तभी मोर्टार बम फट गया और इसमें दो भाइयों समेत तीन छात्रों की मौत हो गई। मोर्टार बम सुनसान इलाके में पड़ा था। बच्चों ने इसे खिलौना समझकर उठा लिया, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ।

देश के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में सांप्रदायिक हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 130 से अधिक हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने सुन्नी और शियाओं के बीच झड़पों में दर्जनों लोगों की मौत हो गई थी। जिला प्रशासन अधिकारी वाजिद हुसैन ने कहा कि पिछले डेढ़ सप्ताह में हमलों में अब तक कुल 133 लोग मारे गए हैं।

सेक्स वर्कर्स को अधिकार देने वाला पहला देश बना बेल्जियम

सिक लीव, मैटर्निटी लीव और पेंशन मिलेगी, कांट्रेक्ट पर काम कर सकेंगी

ब्रुसेल्स, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया में पहली बार बेल्जियम में सेक्स वर्कर्स को मैटर्निटी लीव, पेंशन, हेल्थ इंश्योरेंस और सिक लीव समेत कई अधिकार देने की घोषणा की गई है। बीबीसी के मुताबिक इस कानून के तहत सेक्स वर्कर्स को दूसरे कर्मचारियों के जैसे ही रोजगार और सिक्योरिटी देने की कोशिश की गई है। यह कानून 1 दिसंबर से लागू हो गया है। बेल्जियम में साल 2022 में सेक्स वर्क को अपराधमुक्त घोषित कर दिया गया था। इसके बाद से ही देश

में सेक्स वर्करों के लिए सुरक्षा, रोजगार, हेल्थ समेत कई अधिकार देने की मांग होने लगी थी। नए कानून के तहत, सेक्स वर्कर्स को रोजगार का कॉन्ट्रैक्ट मिलेगा। इसके अलावा काम के घंटों और कार्य स्थल की सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन करना होगा। हर कमरा जहां यौन कार्य होगा, वो साफ सुथरा होना चाहिए। इसके अलावा वहां एक अलार्म लगाना होगा जो वर्कर के रेफरेंस पर्सन से जुड़ा होगा।

नए कानून के तहत सेक्स व्यापार को कंट्रोल करने वाले दलालों को कानूनी रूप से काम करने की अनुमति है, लेकिन उन्हें सख्त नियमों का पालन करना होगा। मानव तस्करी, यौन उत्पीड़न, धोखाधड़ी जैसे मामलों में दोषी ठहराए गए व्यक्ति को सेक्स वर्कर रखने की अनुमति नहीं होगी।

लंबे समय से सुरक्षित संयुक्त सीमा

घबराए कनाडाई पीएम ट्रूडो का फ्लोरिडा में डोनाल्ड ट्रंप से वादा

ओटावा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा अब अमेरिका के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए संयुक्त सीमा पर नियंत्रण मजबूत करने की बात चल रही है। दरअसल, कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सख्त सीमा नियंत्रण का वादा किया। उन्होंने कहा कि कनाडा लंबे समय से सुरक्षित संयुक्त सीमा पर नियंत्रण मजबूत करेगा। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक बड़ा एलान किया। उनकी घोषणा से कनाडा और मैक्सिको की नींद उड़ गई थी।

शिया बनाम सुन्नी की जंग में विजेता बन रहा जुलानी

कौन है एचटीएस कमांडर जिसके आगे रूस और ईरान भी फेल

दमिश्क, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया में बीते एक हफ्ते से विद्रोही गुटों और बशर अल असद शासन की सेना के बीच भीषण लड़ाई हो रही है। सीरिया में तेज हुए गृह युद्ध के बीच अल वतन नाम के सीरियाई अखबार ने बताया है कि इदलिब में हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के मुख्यालय पर हमले में गुट का प्रमुख अबू मोहम्मद अल-जुलानी मारा गया है। हालांकि जुलानी की मौत की पुष्टि नहीं हुई है लेकिन इस दावे के बाद सवाल है कि सीरिया में क्या होने वाला है। जुलानी ही वह शख्स है, जिसे मौजूदा संघर्ष की वजह माना जा रहा है। सीरिया पर ना सिर्फ इराक, ईरान और रूस बल्कि इजरायल और अमेरिका की भी नजर है। इजरायली अखबार वायनेट के मुताबिक, सीरया का एचटीएस ऐसा गुट है, जो पूर्व में अल कायदा से जुड़ा रहा है। बीते कुछ वर्षों में एचटीएस जुलानी के नेतृत्व में सीरियाई शासन के खिलाफ लड़ने वाला प्रमुख विद्रोही गुट है। जुलानी बीते कई वर्षों से अल असद का शासन के लिए लगातार खतरा रहा है और उसके लड़ाके सेना को चुनौती देते रहे हैं। इस लड़ाई में शिया सुन्नी का भी पहलू रहा है। जुलानी सुन्नी तो राष्ट्रपति असद शिया मुस्लिम हैं। शिया बहुल ईरान भी असद को खुलकर समर्थन करता रहा है। सीरियाई गुट एचटीएस यानी हयात तहरीर अल शाम सीरियाई शासन और ईरान समर्थित मिलिशिया के खिलाफ लड़ने वाला सबसे बड़ा गुट है। इसने इदलिब, अलेप्पो और हमा क्षेत्रों में कई गांवों पर कब्जा कर लिया है। गुट का मौजूदा सैन्य कमांडर अबू मोहम्मद अल-जुलानी है।

हालांकि जुलानी की असली पहचान पर भी रहस्य है। कुछ सूत्र उसे अहमद हुसैन अल-शारा और ओसामा अल-वाहदी बताते हैं। ऐसे में जुलानी की मौत के दावे पर बहुत से लोग विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। अरब मीडिया के अनुसार, अल-जुलानी का जन्म 1981 या 1982 में हुआ और वह इदलिब क्षेत्र में पला बढ़ा है। जुलानी ने 2003 में इराक पर अमेरिकी हमले के बाद मेडिकल की पढ़ाई बीच में छोड़कर अल-कायदा ज्वाइन की थी। जुलानी अल कायदा में अबू मुसाब अल-जरकावी का करीबी रहा। 2006 में जरकावी की हत्या के बाद जुलानी ने लेबनान और इराक में समय बिताया। जुलानी को इराक में अमेरिकी सेना ने गिरफ्तार भी किया था, उसको 2008 में रिहा किया गया। रिहाई के बाद अल-जुलानी इराक के इस्लामिक स्टेट के साथ फिर से जुड़ा।

हिंदुत्व एजेंडे को धार देने में जुटे भजनलाल

संसद से राज्यों तक इस मुद्दे पर क्या हुआ

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तरप्रदेश के बाद राजस्थान में भी संघ के हिंदुत्व के एजेंडे को बेहद आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। राजस्थान में लोकसभा चुनावों से लेकर विधानसभा चुनावों तक बीजेपी ने लव जिहाद के मुद्दे को जबरदस्त तरीके से प्रचारित किया था, पिछले दिनों मथुरा में संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भी धर्मांतरण और लव जिहाद जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

अब राजस्थान की भजनलाल सरकार आने वाले विधानसभा सत्र में 'लव जिहाद' के खिलाफ प्रोविजन ऑफ अनलॉफुल कन्वर्जन ऑफ रिलीजन बिल- 2024 लाने जा रही है। शनिवार को कैबिनेट की बैठक में बिल के मसौदे को मंजूरी दे दी गई। यह केवल शुरुआत है। कैबिनेट के ऐलान के बाद रविवार को राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने प्रेस कांफ्रेंस करके लव जिहाद पर कानून लाए जाने को ऐतिहासिक फैसला बता दिया। यह सामान्य घटना नहीं है क्योंकि घनश्याम तिवाड़ी संघ पृष्ठभूमि से आते हैं और हो सकता है कि यह कांफ्रेंस संघ के एजेंडे के तहत ही की गई हो।

हालांकि राजस्थान में ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। पूर्ववर्ती वसुंधरा सरकार भी 2 बार 2006 व 2008 में धर्म स्वातंत्र्य विधेयक लाई थी लेकिन राष्ट्रपति से इसे मंजूरी नहीं मिली थी। पिछले 16 साल यह विधेयक राष्ट्रपति भवन में अटका रहा और राष्ट्रपति की अनुमति के बिना यह बिल कानून का रूप नहीं ले पाया। इसके बाद भजनलाल सरकार ने इसे वापस लेने का निर्णय लिया है।

राजस्थान से पहले कई राज्यों में धर्म के गैरकानूनी रूपांतरण को लेकर कानून बनाए जा चुके हैं। इनमें 27 नवंबर 2020 को उत्तरप्रदेश की योगी सरकार धर्म के गैरकानूनी परिवर्तन पर प्रतिबंध लगाने के लिए अध्यादेश लाई थी, इसके बाद मध्यप्रदेश सरकार ने जनवरी 2021 में मध्यप्रदेश धर्म की स्वतंत्रता अध्यादेश, 2020 लागू किया। हरियाणा में तत्कालीन मनोहरलाल खट्टर सरकार ने भी हरियाणा विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन निवारण नियम, 2022 बनाया।

देश में अब तक जिन राज्यों में भी धर्म परिवर्तन विरोधी कानून पारित हुए हैं, उनमें कानून धर्म को मानने, प्रचार करने और उसका पालन करने की स्वतंत्रता की गारंटी देता है और सभी धार्मिक वर्गों को धर्म के मामलों में अपने स्वयं के मामलों का प्रबंधन करने की अनुमति देता है। आज तक धार्मिक रूपांतरणों को प्रतिबंधित करने वाला कोई केंद्रीय कानून नहीं बना है। इसके अलावा 2015 में केंद्रीय कानून मंत्रालय ने कहा कि संसद के पास धर्मांतरण विरोधी कानून पारित करने की विधायी क्षमता नहीं है। हालांकि संसद में कई बार धर्म परिवर्तन को लेकर प्राइवेट मेंबर बिल पेश किए गए लेकिन कभी पास नहीं हो पाए।

पिछले कुछ वर्षों में कई राज्यों ने बल, धोखाधड़ी या प्रलोभन से किए गए धर्म परिवर्तन को प्रतिबंधित करने के लिए 'धर्म की स्वतंत्रता' कानून बनाए हैं। इनमें ओडिशा (1967), मध्यप्रदेश (1968), अरुणाचल प्रदेश (1978), छत्तीसगढ़ (2000 और 2006), गुजरात (2003), हिमाचल प्रदेश (2006 और 2019), झारखंड (2017) और उत्तराखंड (2018), हरियाणा (2022), मध्यप्रदेश (2020), उत्तरप्रदेश (2024) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश (2019) और उत्तराखंड के कानून भी ऐसे विवाह को अमान्य घोषित करते हैं, यदि यह केवल गैरकानूनी धर्मांतरण के उद्देश्य से किया गया था।

कांग्रेस चलेगी 'सेकंड लाइन' वाला दांव

डोटासरा अब डॉट बॉल नहीं, बीजेपी के खिलाफ बाउंसर की कर रहे तैयारी

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस को करारी शिकस्त मिली थी। सात में से कांग्रेस केवल एक सीट पर चुनाव जीतने में कामयाब रही। शेष सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस केवल चुनाव ही नहीं हारी बल्कि कई जगह तीसरे नंबर पर रही और जमानत भी जब्त हो गई थी। उपचुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने यह माना कि उनकी पार्टी में फर्स्ट लाइन के कद्दावर नेता हैं लेकिन उनके बाद सेकंड लाइन में मजबूत नेता नहीं हैं। डोटासरा ने कहा कि उपचुनाव के परिणाम ठीक नहीं रहे, हमें नई लीडरशिप तैयार करने की जरूरत है। पीसीसी चीफ डोटासरा ने कहा कि उपचुनाव में सात में पांच सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों की जीत राज्य सरकार के कार्य की बदौलत नहीं है। राज्य सरकार ने पिछले 11 महीने में ऐसा कोई कार्य किया ही नहीं जिसके आधार पर वह जनता से वोट मांग सके। डोटासरा ने कहा कि चूकि कांग्रेस के फर्स्ट लाइन के नेता सांसद बन गए। उनके केंद्र में चले जाने के बाद पार्टी को दूसरी लाइन के नेता तैयार करने थे। पार्टी ने वरिष्ठ और स्थापित नेताओं से राय लेकर उपचुनाव में टिकट वितरण किया था लेकिन चुनाव परिणाम आशा के अनुरूप नहीं आए।

देवली उनियारा में कांग्रेस प्रत्याशी केसी मीणा तीसरे स्थान पर रहे। वहां निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा कांग्रेस प्रत्याशी से बहुत आगे रहे। इस मामले में पीसीसी चीफ डोटासरा का कहना है कि नरेश मीणा के लिए बीजेपी ने फंडिंग की थी। उन्होंने कहा कि नरेश मीणा चुनाव से पहले उनके पास आए थे। उसने छबड़ा से ही तैयारी करने की बात कही थी। बाद में उसने दौसा से चुनाव लड़ने का मन बनाया लेकिन दौसा से चुनाव लड़ने के बजाय अचानक वह देवली उनियारा चला गया। डोटासरा ने कहा कि नरेश मीणा ने उपचुनाव में करोड़ों रुपये खर्च किए थे। उसके पास इतने रुपये कहां से आए। सब जानते हैं कि इसके पीछे बीजेपी का पूरा षड्यंत्र था जिसमें वह कामयाब रही।

छह महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी के साथ समझौता किया था लेकिन उपचुनाव में कोई समझौता नहीं हुआ। इसी कारण से कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था।

इस पर डोटासरा ने कहा कि आरएलपी और कम्युनिस्ट पार्टी केंद्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। उपचुनाव में आरएलपी और भारत आदिवासी पार्टी के किसी नेता ने आगे बढ़कर गठबंधन की बात नहीं की। पीसीसी अध्यक्ष होने के नाते क्षेत्रीय दलों के नेताओं को संपर्क करना चाहिए लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। डोटासरा ने हनुमान बेनीवाल के उस बयान को गलत करार दिया जिसमें उन्होंने कहा कि डोटासरा ने गठबंधन नहीं होने दिया।

'दरगाह में शिव मंदिर का मामला चाय के प्याले में तूफान जैसा'

अजमेर दरगाह विवाद पर राजेंद्र राठौड़ का बड़ा बयान

अजमेर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि सूफी संत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में शिव मंदिर का मामला चाय के प्याले में तूफान जैसा है। अभी संबंधित पक्षों को याचिका पर कोर्ट ने नोटिस दिए हैं। इसका प्रत्युत्तर आने से पहले बातें करना बेमानी है। इस बात को आगे नहीं बढ़ाना चहिए। राठौड़ ने यह बात सर्किट हाउस में पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि दरगाह को लेकर याचिका अभी प्रारंभिक चरण में है। संविधान में सबको अपनी बात रखने और याचिका लगाने का हक है। कोर्ट ने सिर्फ नोटिस देकर दूसरे पक्षों से जवाब मांगा है। उससे पहले किसी नतीजे पर नहीं पहुंचना चाहिए।

उपचुनाव में दूरी के सवाल पर भाजपा नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि वह पार्टी के साधारण कार्यकर्ता हैं। जितनी जिम्मेदारी दी गई उसका निर्वहन किया। मेरी नाराजगी अथवा प्रचार-प्रसार से दूर रहने की बातें कपोल कल्पित हैं। मंत्रीमंडल विस्तार के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह सीएम के अधिकार का मामला है। वे ही इसका फैसला करेंगे।

कांग्रेस के पास नहीं मुद्दे

कांग्रेस के मुख्य सचिव और ब्यूरोक्रेसी द्वारा अधिकांश फैसले लेने और पर्ची सरकार के आरोप-प्रत्यारोप पर राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा ही नहीं है। सरकार ने जनहित के कई फैसले लिए हैं। राज्य की अर्थव्यवस्था 38 हजार करोड़ तक पहुंचाने, 125 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन, धर्मांतरण और लव जिहाद रोकने के लिए विधेयक, एक जिला एक उत्पाद जैसे फैसले शानदार हैं।

पंचायती राज चुनाव नहीं कराने के सवाल पर राठौड़ ने कहा कि सरकार वन स्टेट, वन इलेक्शन को लेकर संकल्पित है। कांग्रेस ने सरपंच से जिला प्रमुख तक 13 माह चुनाव कराए। मैं किसी बोर्ड-निगम अथवा अन्य पद के लिए इच्छुक नहीं हूं।

बदसलूकी करने पर महिलाओं ने गार्ड को चप्पलों से पीटा

एक किमी पैदल घुमाते हुए ले गई थाने

अलवर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ (अलवर)। अल्पसंख्यक आवासीय स्कूल में खाना बनाने वाली महिलाओं ने बदसलूकी का आरोप लगाते हुए गार्ड को चप्पलों से पीटा और थाने ले गईं। महिलाओं ने पूरे रास्ते गार्ड को चप्पलों से जमकर पीटा। थाने में दोनों पक्षों ने मामला दर्ज कराया है। रामगढ एसएचओ सवाईसिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से दी गर्ड रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित महिला ने रिपोर्ट में बताया कि वो और पांच अन्य महिलाएं हॉस्टल में अलग-अलग जगह खाना बनाने की तैयारी कर रही थीं। इस दौरान आरोपी यूनुस खान वहां आया और उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। पीड़िता ने विरोध किया तो वह मारपीट करने लगा।

उसने शोर मचाया तो अन्य महिलाएं वहां आई और उसे बचाया। इस दौरान गार्ड ने उनके साथ भी मारपीट और बदसलूकी की। मारपीट और शोरगुल सुनकर वहां लोग आ गए और गार्ड को पकड़ लिया। इसके बाद महिलाएं गार्ड को एक किलोमीटर तक चप्पलों से पीटते हुए पैदल ही थाने ले गई और पुलिस के हवाले किया। महिला ने गार्ड पर मंगलसूत्र छीनने का भी आरोप लगाया है। थानाप्रभारी के अनुसार गार्ड यूनुस खान ने भी थाने में रिपोर्ट दी है। जिसमें बताया कि वह अल्पसंख्यक छात्रावास में गार्ड का काम करता है। ये सभी महिलाएं हॉस्टल में खाना बनाने के लिए आई और आते ही कहने लगी कि हमारी सैलरी आप अटका रहे हो। मैंने इन महिलाओं से कहा कि आप हॉस्टल के कर्मचारी सपात से बात कर लो। इसके बाद ये सभी मुझसे गाली-गलौज करने लगी। मना करने पर ये सभी मुझसे मारपीट करने लगी और वीडियो भी बनाया। मैं इसके बाद छत पर जाकर छिप गया। मैं सपात और राजू के कहने पर नीचे आया, लेकिन मेरे नीचे आते ही इन्होंने फिर मारपीट शुरू कर दी। ये महिलाएं मुझे चप्पलों से पीटते हुए थाने ले आई। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

पाक हैंडलर के इशारे पर आतंकियों ने बरसाई थीं गोलियां, जयपुर आई कश्मीर पुलिस

पीड़ितों से करवाई आतंकियों की शिनाख्त

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर से कश्मीर घूमने गए दंपती पर छह माह पूर्व हमला करने वाले आतंकियों को कश्मीर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कश्मीर पुलिस के इंस्पेक्टर वसीम, सब इंस्पेक्टर जावेद अहमद सहित सात पुलिसकर्मी और मजिस्ट्रेट जयपुर पहुंचे और पीड़ितों के बयान रिकॉर्ड किए। इस दौरान सात आतंकियों को खड़ा करके वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये शिनाख्त परेड करवाई। पठानों का चौक निवासी पीड़ित परवेज, एजाज खान, सुरूख खान ने इनमें से चार हमलावरों को पहचान लिया। पुलिस ने आतंकी हमले में एक आंख गंवाने वाले सन्नी उर्फ तबरेज के भी बयान दर्ज किए। अनंतनाग में हमला पाकिस्तानी आकाओं के इशारे पर आतंकियों ने किया था। कश्मीर पुलिस ने इन आतंकियों फिरदौस अहमद,

अदनान मोहम्मद बेग, आसिफ हसन और वसीम अहमद शाह को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पाकिस्तानी हैंडलर अली साजिद जट् के इशारे पर काम कर रहे थे। पकड़ा गया फिरदौस अहमद पुलिसकर्मी था।

पीड़ित सन्नी उर्फ तबरेज ने बताया कि कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग आकर बयान देने को कहा था। इसके लिए जयपुर पुलिस की तरफ से भी फोन आया था। लेकिन कश्मीर में जो कुछ हमारे साथ हुआ उसके बाद जाने की हिम्मत नहीं हुई। वहीं दूसरी आंख का भी जल्द ही ऑपरेशन होना है। इस कारण वहां नहीं गए।

तबरेज के अनुसार उसकी दूसरी आंख से मामूली ही दिखता है। बिना सहारे चलना मुश्किल हो गया है। ऐसे में बाहर आना-जाना बंद ही कर दिया है। आतंकी हमले के कारण बहुत कुछ खोया है। घर की आर्थिक स्थिति भी डावांडोल हो गई। आंख के इलाज के लिए मकान तक बेचना पड़ा।

नाकाबंदी तोड़कर भागी कार से 53 किलो डोडा पोस्त जब्त

मौके से फरार हुआ चालक

सिरोही, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। अवैध मादक पदार्थों और शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नाकाबंदी तोड़कर डोडा पोस्त ले जा रही एक कार से 53 किलो डोडा पोस्त जब्त की गई है। पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवाराम चौधरी और पिंडवाड़ा वृताधिकारी भंवरलाल चौधरी के सुपरविजन में रोहिड़ा थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह की टीम ने नाकाबंदी की थी।

नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध ईको स्पोर्ट्स कार को रोकने का प्रयास किया गया लेकिन चालक ने रुकने के बजाय कार भगा ली। पुलिस ने पीछा किया और आगे जाकर कार एक गड्ढे में गिर गई। आसपास का इलाका जंगल और पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण चालक वहां से फरार हो गया। कार की तलाशी के दौरान उसमें से तीन कट्टों में 53.100 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने इसे जब्त कर मामला दर्ज किया है और फरार चालक की तलाश जारी है।

सालासर जा रहे श्रद्धालुओं की कार पलटी

दो महिलाओं की मौत, 5 जयपुर रैफर

सीकर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। नेछवा थाना इलाके के काछवा और छतरी स्टैंड के बीच एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराते हुई सड़क से नीचे उतर कर पलट गई। हादसे में दो महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई। वहीं, हादसे में घायल 5 लोगों को जयपुर रैफर किया गया है। बताया जा रहा है कि सड़क पर कुत्ते को बचाने के प्रयास में यह बड़ा हादसा हो गया।

जानकारी के मुताबिक हादसे के वक्त कार में दो बच्चों समेत सात जने सवार थे, जो दिल्ली से खाटूश्याम व सालासर दर्शनों के लिए आए थे। खाटूश्याम से सालासर दर्शनों के लिए जाते समय रास्ते में दौड़ते हुए श्वान को बचाने के चक्कर में गाड़ी अनियंत्रित हो गई और पेड़ से टकरा कर पलट गई।

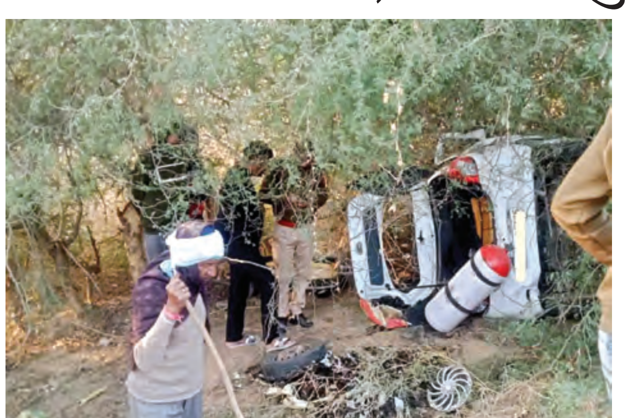

108 एंबुलेंस के पायलट सुरेश कुमार व ईएमटी मुकेश कुमार ने बताया कि सभी को नेछवा व फागलवा 108 एंबुलेंस की मदद से सीकर के कल्याण अस्पताल भर्ती करवाया गया। जहां इलाज के दौरान दो महिलाएं दिल्ली के तिलक नगर निवासी निलिमा पत्नी भरत मल्होत्रा (33) व महक जुनेजा पत्नी प्रिंस जुनेजा (26) की मौत हो गई। मृतकों के शव सीकर एसके अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं।

थानाधिकारी रामकिशन यादव ने बताया कि घायल मधू जुनेजा (55), प्रिंस जुनेजा (29), मयन (6), तक्ष (8), सौरभ (22) को सीकर एसके अस्पताल के भर्ती कराया गया। जहां से गंभीर हालत में सभी को जयपुर रैफर कर दिया है। हादसे के शिकार लोगों के परिजनों को सूचना भिजवा दी गई है।

बेटे ने ही मां को पीट-पीट कर मार डाला

देवर ने लिखाई मर्डर की रिपोर्ट

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर के विराटनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बलेसर में नशे में बेटे ने पीट-पीट कर मां की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिली थी कि बलेसर में हंसराज ज्योतिषी मां से मारपीट कर रहा है।

पुलिस मौके पर पहुंची तो अनिता देवी ज्योतिषी (70) बेहोश मिली। पीड़िता को गंभीर हालत में विराटनगर सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए। देवर मालीराम ने हंसराज के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी तीन बेटों में सबसे छोटा है। वह प्रायः नशे में धुत रहता है और मां से झगड़ा करता था। महिला के पति ओमप्रकाश की कई वर्षों पूर्व मौत हो चुकी है।

वहीं जयपुर के चित्रकूट थाना इलाके में बाइक सवार बदमाश बदमाश एक बुजुर्ग महिला को धक्का देकर गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन लूट ले गए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने बताया कि मुन्नी देवी (60) यहां सेक्टर-6 चित्रकूट में रहती है। शनिवार शाम घर के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान हेलमेट लगाकर बाइक से दो बदमाश उसके पास पहुंचे। वह कुछ समझती उससे पहले ही पीछे बैठे लुटेरे ने गले पर झपट्टा मारा। मुन्नी देवी ने संभलने का प्रयास किया तो लुटेरे ने जोर से धक्का दिया और सोने की चेन तोड़ ली।

जमीन विवाद के कारण वृद्ध की हत्या

पुलिस ने 48 घंटे में किया मामले का खुलासा, 2 आरोपी गिरफ्तार

पाली , 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सोजत सिटी थाना क्षेत्र में स्थित पूरणेश्वर धाम मन्दिर के आगे पिताई ढीमडी खसरा में वृद्ध बुद्धाराम घांची की हत्या कर दी गई थी। हत्या के खुलासे के लिए गठित विशेष टीम ने वृद्ध की हत्या की वारदात में शामिल 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार पिताई ढीमडी खसरा की जमीन पर एक वृद्ध का शव पड़े होने की सूचना मिली थी, जिसके पर चोट के निशान थे। मामले में मैना पत्नी बुद्धाराम ने सोजत सिटी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि सोजत चक प्रथम में पूरणेश्वर धाम के आगे पीताई ढीमडी पर खसरा नंबर 574 की जमीन उसके पति के नाम से है। आज सुबह करीब 10 बजे उसके पति बुधाराम खेत में जाने का कहकर घर से निकले थे। दिन में फोन करने पर जब उन्होंने फोन नहीं उठाया तो वह अपनी पुत्रवधू सीतादेवी को साथ लेकर खेत पर गई, जहां उसके पति बुधाराम का शव खेत में पड़ा मिला।

मृतक की पत्नी ने पति बुधाराम की हत्या को लेकर कुकाराम पुत्र देवाराम, कोलाराम उर्फ जवरीलाल पुत्र देवाराम, धन्नाराम पुत्र देवाराम एवं मंगलाराम पुत्र लिम्बाराम, शांति पत्नी धन्नाराम, दरियाव पत्नी कुकाराम, लीला पत्नी मंगलाराम जातियान घांची के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मृतक की पत्नी का कहना है कि इन लोगों ने मिलकर लाठी से पीट-पीटकर उसके पति की हत्या कर दी क्योंकि मृतक ने एक दिन पहले ही इन लोगों के खिलाफ तहसीलदार सोजत के समक्ष अपनी कृषि भूमि पर कब्जा किए जाने की रिपोर्ट दी थी। हत्या की इस सनसनीखेज वारदात को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने एक विशेष टीम का गठन कर वारदात में शामिल अभियुक्तों के निवास स्थानों व संभावित स्थानों पर दबिश दी और हत्या में शामिल मंगलाराम व कुकाराम को दस्तयाब कर पूछताछ की तो इन्होंने इस वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस अब वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

लघुशंका के लिए बस से उतरे व्यापारी के बैग से उड़ाए 15 लाख, सीसीटीवी में कैद हुए संदिग्ध

हनुमानगढ़, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के रावतसर में लघुशंका के लिए बस से नीचे उतरे व्यापारी के बैग से 15 लाख रुपए चोरी हो गए। पीड़ित ने रावतसर पुलिस थाने में अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। व्यापारी लघुशंका के लिए बस से नीचे उतरा था, वापस आया तो पैसे गायब मिले। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

जानकारी के अनुसार नई धान मंडी रावतसर निवासी अमित कुमार पुत्र सुशील कुमार खारीवाल ने मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि 29 नवंबर को मेरे बहनोई 15 लाख रुपये देने के लिए रात में रावतसर से जयपुर के लिए कड़वासरा बस सर्विस की बस से रवाना हुआ था। बस में मैं स्लीपर नंबर चार पर बैठा था और मेरे पास बैग में अपने कपड़ों के अलावा एक थैले में 500 व 200 रुपये की गड्डियों में 15 लाख रुपये थे। बस रावतसर से रवाना होकर 10-15 मिनट बाद बत्रा होटल धनासर कैंची पर रुकी तो मैं अपना बैग स्लीपर में रखकर लघुशंका के लिए होटल में गया। थोड़ी देर बाद वापस आया तो मेरे बैग की चेन खुली थी और कपड़े आदि बिखरे हुए थे और रुपयों का थैला गायब था।

धन्नासर चौकी पुलिस को सूचना देने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे तो बस के इर्दगिर्द चार संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए, जिसमें से एक व्यक्ति बाहर बस के नीचे खड़ा नजर आया व तीन व्यक्तियों ने बस के स्लीपर में बैग में रखे 15 लाख रुपये चुरा लिए और मौके से फरार होते नजर आए। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच सहायक उपनिरीक्षक मांगेराम को सौंपी है।

कश्मीर की बर्फबारी का असर जल्द ही मैदानों पर

ठंडी हवाओं से बदलेगा मौसम

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में कुछ इलाकों में तेज सर्दी का प्रभाव नजर आने लगा है। प्रदेश के कई शहरों में न्यूनतम पारे में बीते एक सप्ताह में 3 से 4 डिग्री तक का इजाफा हुआ है। जयपुर मौसम केंद्र के ताजा अपडेट के अनुसार प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा और आने वाले 4 दिनों तक तापमान कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। हालांकि हिमालय पर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से कश्मीर में बर्फबारी शुरू हो गई है। इसका असर अगले कुछ दिनों में मैदानों पर भी नजर आएगा। उत्तर से चलने वाली ठंडी हवाओं से प्रदेश के तापमान में भी तेज गिरावट आ सकती है। बीते 24 घंटों में प्रदेश के अधिकतम और न्यूनतम तापमान की बात करें तो हिल स्टेशन माउंट आबू सबसे ठंडा इलाका रहा। यहां न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री दर्ज किया गया। बीते दिनों यहां का न्यूनतम पारा 5 डिग्री से भी नीचे तक जा चुका है। जैसलमेर प्रदेश का सबसे गर्म इलाका रहा। यहां अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस रहा। शहरों में सबसे ठंडा इलाफा सिरोही रहा, यहां न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

सीएम के सिद्दीपेट दौरे से पहले हुई घटना

सिद्दीपेट, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के लिए बड़ी शर्मिंदगी की बात यह रही कि सोमवार को गजवेल निर्वाचन क्षेत्र में रेवंत रेड्डी के दौरे के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के दो गुटों में मारपीट हो गई।

जब पुलिस ने गजवेल के पूर्व विधायक तुमकुंटा नरसा रेड्डी के समर्थकों को कोका कोला फैक्ट्री में प्रवेश से मना कर दिया, जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री ने किया था, तो पार्टी कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। उन्होंने अपने नेता के समर्थन में और उनके प्रतिद्वंद्वी भंडारू श्रीकांत राव के खिलाफ नारे लगाए, जो निर्वाचन क्षेत्र में एक अन्य कांग्रेस गुट का नेतृत्व करते हैं।

कैडर ने श्रीकांत राव द्वारा लगाए गए फ्लेक्स को फाड़ दिया, जिस पर रेवंत रेड्डी की बड़ी-बड़ी तस्वीरें लगी हुई थीं। कैडर को नियंत्रित करने में असमर्थ पुलिस ने लाठीचार्ज किया और उन्हें खदेड़ दिया। इस घटना से पुलिस आयुक्त डॉ.बी अनुराधा खुद नरसा रेड्डी के साथ मुख्यमंत्री के पास आईं, जहां उन्होंने आरोप लगाया कि उनके साथ बुरा व्यवहार किया गया। जब श्रीकांत राव अपने समर्थकों के साथ बैठक स्थल पर पहुंचे, तो राव के समर्थकों को अंदर जाने दिया गया। हालांकि, पुलिस ने नरसा रेड्डी के समर्थकों को अंदर जाने से मना कर दिया, जिसके कारण यह घटना हुई। इन दोनों गुटों के बीच मतभेद काफी समय से निर्वाचन क्षेत्र में चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान दोनों नेताओं ने अपनी ताकत दिखाने की कोशिश की, जिससे यह मामला गंभीर हो गया। नरसा रेड्डी ने 2023 में गजवेल निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए, जबकि श्रीकांत राव इस पद के प्रबल दावेदार थे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान हंगामा मच गया। जब रेवंत रेड्डी को इस घटना के बारे में पता चला, तो उन्होंने नरसा रेड्डी को फैक्ट्री के अंदर बुलाया और घटना के बारे में पूछताछ की।

वैन ने बाइक को रौंदा फोटोग्राफर की मौके पर ही मौत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 32 वर्षीय फोटोग्राफर बीमानधाम जीवन की सोमवार को कागजनगर कस्बे में टीजीएसआरटीसी बस स्टैंड के पास एक वैन द्वारा मोटरसाइकिल को कुचल दिए जाने से मौत हो गई। कागजनगर के सब-इंस्पेक्टर डी कोंडा रमेश ने बताया कि शहर के ओल्ड कॉलोनी निवासी जीवन को सिर में गंभीर चोटें आईं और वह वैन की टक्कर के बाद बाइक से गिर गया, जिससे उसका काफी खून बह गया। उसकी मौत हो गई। कुछ लोगों ने स्थानीय पुलिस को दुर्घटना के बारे में सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सिरपुर (टी) मंडल केंद्र के सरकारी अस्पताल में भेज दिया।

जीवन के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा है। जीवन के भाई साईं की शिकायत के आधार पर वैन के ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच शुरू की गई। हादसे के बाद फरार आरोपी की तलाश शुरू की गई।

निर्मल में गुप्त गांजा की खेती के लिए 6 गिरफ्तार

70 लाख रुपये मूल्य के गांजे के पौधे जब्त

निर्मल, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को पुलिस अधीक्षक डॉ. जानकी शर्मिला और उनकी टीम द्वारा कदमपेद्दूर मंडल के सुदूर अलमपल्ली और आसपास की बस्तियों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान अपने खेतों में अंतरफसल के रूप में गांजा की खेती करने के आरोप में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया। खेतों से 70 लाख रुपये मूल्य के गांजे के पौधे जब्त किए गए।

शर्मिला ने कहा कि कदमपेद्दूर मंडल के मंगलसिंह थांडा के तकादा इंदल, कसावथ सजनलाल, गोथी रविंदर, कचकंद संतोष, बामने नरेंद्र, पेलिया प्रताप सिंह को अपने खेतों में गुप्त रूप से गांजा की खेती करने के लिए पकड़ा गया था, जब उन्होंने अपने कर्मचारियों के साथ खेतों पर छापेमारी की थी। पूछताछ के दौरान, छहों ने जल्दी से जल्दी पैसा कमाने के लिए अपराध करने की बात कबूल की। उन्होंने अपने खेतों में अंतर-फसल के रूप में गांजा की खेती करने और उसी गांव और आस-पास की बस्तियों में दूसरों के खेत किराए पर लेकर काफी समय से खेती करने की बात स्वीकार की। वे चुपके से अरहर की फसल के बीच गांजा की फसल उगा रहे थे।

छापेमारी के समय इंदल को आलमपल्ली के पास बाबूनाइक थांडा में दो खेतों में पिछले चार सालों से 83 गांजा के पौधे उगाते हुए पाया गया, जिनका वजन 48.64 किलोग्राम था। पेड़ों की कीमत 41.50 लाख रुपये आंकी गई। साजनलाल और बाकी आरोपी पौधे उगा रहे थे जिनका वजन करीब 12 किलोग्राम था और जिनकी कीमत 31.36 लाख रुपये थी। शर्मिला निर्मल डीएसपी प्रभाकर, खानपुर इंस्पेक्टर सैदाराव, कदमपेद्दूर सब-इंस्पेक्टर कृष्णसागर, आरएसआई रवि कुमार, खोजी कुत्ते दस्ते के कर्मचारी, विरुपति, गणेश, सेंट्रल क्राइम स्टेशन के सतीश, हेड कांस्टेबल कैलाश, कांस्टेबल भीम राव और होमगार्ड श्रीनिवास और वेंकटेश के साथ मोटरसाइकिल से दूरदराज के गांव तक पहुंचने में कामयाब रहीं।

किसानों के कल्याण पर भ्रामक बयान दे रही सरकार : हरीश

7 दिसंबर को एक व्यापक आरोपपत्र जारी करेगी बीआरएस

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने सोमवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए उन पर दोहरे मानदंड अपनाने और तेलंगाना और उसके लोगों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर भ्रामक बयान देने का आरोप लगाया, जबकि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के पहले साल के दौरान उन्होंने भ्रामक शासन दिया। उन्होंने घोषणा की कि बीआरएस 7 दिसंबर को एक व्यापक आरोपपत्र जारी करेगी, जिसमें पिछले एक साल में कांग्रेस सरकार की विफलताओं के बारे में बताया जाएगा।

उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी दोमुंहे नेता हैं। हम दोधारी तलवार से तो निपट सकते हैं, लेकिन रेवंत रेड्डी से नहीं, जो लगातार अलग-अलग मुद्दों पर अपना रुख बदलते रहते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री किसानों, महिलाओं और बेरोजगारों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं। हरीश राव ने व्यंग्यात्मक रूप से टिप्पणी की कि रेवंत रेड्डी ने दोहरी बातें करने और अपनी जरूरतों के अनुसार बयान बदलने में पीएचडी कर ली है, उन्होंने ऐसे उदाहरणों की ओर इशारा किया जहां टीपीसीसी अध्यक्ष के रूप में रेवंत रेड्डी के बयान मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यों के बिल्कुल विपरीत थे।

एयर कमोडोर विकासशील सिंह सैनी ने एयर ऑफिसर कमांडिंग का पदभार संभाला

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एयर कमोडोर विकासशील सिंह सैनी ने सोमवार को एयर कमोडोर पंकज जैन से वायु सेना स्टेशन, हकीमपेट के एयर ऑफिसर कमांडिंग का पदभार संभाला। एयर कमोडोर विकासशील सिंह सैनी को 20 जून 1998 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू शाखा में शामिल किया गया था।

एयर ऑफिसर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र और रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) के स्नातक हैं। कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर (सीएडब्ल्यू) सिकंदराबाद में हायर एयर कमांड कोर्स पूरा करने के बाद, एयर ऑफिसर ने इस प्रमुख संस्थान में डायरेक्टिंग स्टाफ के रूप में कार्यकाल पूरा किया था। विभिन्न लड़ाकू और प्रशिक्षक विमानों पर 2100 घंटे से अधिक के पेशेवर उड़ान अनुभव वाले एक योग्य उड़ान प्रशिक्षक, जिसमें मिग-29, मिग-29 यूपीजी, मिग-21, एचजेटी-16 और एचपीटी-32 शामिल हैं, वे विशिष्ट सूर्य किरण एरोबैटिक टीम के सदस्य भी रहे हैं।

अपने शानदार कैरियर के दौरान, उन्होंने विभिन्न कमांड और स्टाफ नियुक्तियों को संभाला है, जिसमें पश्चिमी क्षेत्र में एक प्रमुख अग्रिम बेस की कमान और एक फ्रंटलाइन फाइटर स्क्वाड्रन की कमान शामिल है, जिसमें उन्होंने सभी भूमिकाओं में नए अपग्रेड किए गए मिग-29 विमान के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एयर ऑफिसर ने वर्तमान नियुक्ति को संभालने से पहले दक्षिण सूडान (यूएनएमआईएसएस) में संयुक्त राष्ट्र मिशन के हिस्से के रूप में एविएशन स्टाफ ऑफिसर के रूप में एक स्टाफ नियुक्ति और पूर्वी वायु कमान और दक्षिण पश्चिमी वायु कमान में अन्य स्टाफ नियुक्तियों को संभाला है। उनकी विशिष्ट सेवा के लिए, वायु अधिकारी को 26 जनवरी 2018 को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा वायु सेना पदक से सम्मानित किया गया।

मेगा बिजनेस मीट आयोजित

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग ने 30 नवंबर को टी-हब में हिंदू व्यापारियों के लाभ के लिए एक मेगा बिजनेस मीट का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में हैदराबाद के लगभग 300 हिंदू व्यापारियों ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य एक दूसरे की मदद करना है। विभिन्न समुदायों के सभी हिंदू व्यवसायी एक छत के नीचे एक साथ आएं और एक-दूसरे की मदद करें और व्यक्तिगत व्यवसाय विकसित करें। कार्यक्रम के विशेष अतिथि फिल्म अभिनेता केवी प्रदीप, भाजपा के विजय सुराणा, प्रवासी सेल भाजपा के सुभाष अग्रवाल, ग्लोबल ट्री के सीईओ श्रीकर अलापति, जसमत भाई पटेल थे। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रसिद्ध उद्योगपति के हाथों हुआ। कार्यक्रम में गोपाल बलदवा, एडमिरल लॉजिस्टिक्स के डीसी चव्हाण, अक्षय देशपांडे और एच2एच बिजनेस नेटवर्किंग के सभी सदस्यों ने शामिल हो कर सहयोग दिया।

थैलेसीमिया रोगियों के लिए रक्तदान शिविर आयोजित

शिविर में 632 रक्त यूनिट एकत्र करना बड़ी उपलब्धि

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय पयाम-ए-इंसानियत फाउंडेशन ने आज मलकपेट में थैलेसीमिया रोगियों के लिए मेगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। अनिल कुमार यादव, सांसद और मलकपेट विधायक अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला ने रक्तदान शिविर का दौरा किया और कई अन्य लोगों ने रक्तदान शिविर का दौरा किया। अबू ऐमल और टीएसएसीएस के समर्पित कर्मचारियों ने दान शिविर में भाग लिया, जहां एकत्र की गई रक्त यूनिट थैलेसीमिया रोगियों के लिए होंगी, जिन्हें जीवित रहने के लिए हर 15 दिनों में रक्त की आवश्यकता होती है और कैंसर रोगियों के लिए भी। टीएसएसीएस के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल ने सांसद और विधायक से अपील की कि वे हर गर्भवती महिला के लिए अनिवार्य प्रसवपूर्व जांच- एचबीएस2 के लिए जीओ जारी करने में मदद करें, ताकि थैलेसीमिया मेजर बच्चों के जन्म को रोकने में मदद मिल सके, ताकि भारत में थैलेसीमिया मुक्त पहला राज्य घोषित किया जा सके। टीएसएसीएस के संयुक्त सचिव एम ए अलीम बेग ने तेलंगाना में थैलेसीमिया की स्थिति और थैलेसीमिया रोगियों को रक्त चढ़ाने के लिए रक्तदाताओं के आगे आने की आवश्यकता के बारे में अनिल कुमार यादव, सांसद और मलकपेट विधायक अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला को जानकारी दी। एकत्रित रक्त का उपयोग उन रोगियों के लिए किया जाएगा जिन्हें नियमित अंतराल पर रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, हम 632 रक्तदाताओं और अन्य लोगों के प्रति वास्तव में आभारी हैं, जिन्होंने थैलेसीमिया रोगियों की रक्त की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आगे आकर रक्तदान किया है। रक्तदान शिविर के बारे में बोलते हुए अबू ऐमल ने कहा, टीएसएसीएस हैदराबाद में मेगा रक्तदान शिविर आयोजित करने में सबसे आगे रहा है। हम उन सभी मेहमानों और दानदाताओं का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने हमें अपना समर्थन दिया है और थैलेसीमिया और इसके उन्मूलन के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने का भी वादा किया है।

लोहिया विचार मंच का विचार मंथन होगा

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। समाजवाद, समाजवादियों की नजर में विषय पर संगोष्ठी तथा पंचम राष्ट्रीय विचार मंथन का आयोजन 6 व 7 दिसंबर को लोहिया विचार संस्थान (मंच) द्वारा बद्री विशाल पित्ती प्रो. केशव राव जाधव सभागार फिटकी भवन, रेड हिल्स में आयोजित होगा। सेवानिवृत न्यायाधीश, टी. गोपाल सिंह, अध्यक्ष लोहिया विचार मंच द्वारा जारी विज्ञप्ति में इस आशय की जानकारी दी गई है। पंचम राष्ट्रीय विचार मंथन व सम्मेलन का उद्घाटन तेलंगाना के गवर्नर जिष्णुदेव वर्मा करेंगे तथा अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी सुदर्शन रेड्डी करेंगे। इस अवसर पर जदयू नेता केसी त्यागी एवं शरद बद्री विशाल पित्ती बतौर विशेष अतिथि मौजूद होंगे। दूसरे सत्र में विख्यात लोहियावादी व गांधीवाद के प्रवर्तक रघु ठाकुर, बद्री विशाल पित्ती तथा डॉ. राममनोहर लोहिया पर दिखाए जाने वाले एक वृत्तचित्र की स्क्रीनिंग का उद्घाटन करेंगे। दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रख्यात समाजवादियों में बलिया से मोहन सिंह, मुजफ्फरपुर से क्रांति प्रकाश, नई दिल्ली से मदनलाल हिंद, विनय कुमार सिन्हा, इलाहाबाद से सतीश अग्रवाल, सतना से सुरेंद्र शर्मा, इंदौर से रामबाबू अग्रवाल तथा लखनऊ से शाहनवाज कादरी सहित अनेक विचारक संबोधित करेंगे।

असम स्थापना दिवस संस्कृतियों से परिचित होने में मदद करेगा : राज्यपाल

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजभवन, हैदराबाद में सोमवार को असम का स्थापना दिवस उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और राज्य की प्रथम महिला सुधा देव वर्मा ने राज्य में रह रहे असम के लोगों के साथ समारोह में भाग लिया। राज्यपाल ने असम के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में इस विशेष अवसर पर प्रतिभागियों और आमंत्रितों को बधाई दी। उन्होंने असम राज्य के निर्माण में योगदान देने वाले सभी नेताओं और राज्य के नागरिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने बताया कि कैसे अन्य राज्यों के स्थापना दिवसों को साझा करना और मनाना एक-दूसरे की संस्कृतियों और विरासत से परिचित होने में मदद करेगा।

इस अवसर पर, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने 2047 तक विकसित भारत बनने के हमारे लक्ष्य को दोहराया। इस संबंध में, उन्होंने देश के युवाओं और छात्रों से अभिनव विचारों के लिए प्रधानमंत्री के आह्वान को दोहराया। राज्यपाल ने हमारे बंधन को और मजबूत बनाने के लिए एक-दूसरे की संस्कृतियों को सीखने और मनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता की आवश्यकता पर भी बल दिया। असम के स्थापना दिवस के उत्सव कार्यक्रम की शुरुआत असम के माननीय राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के वीडियो संदेश के प्रदर्शन के साथ हुई, भाग लेने वाले राज्य के प्रतिनिधियों ने अपने मूल राज्य के बारे में संक्षिप्त भाषण साझा किए। इस उत्सव कार्यक्रम में पारंपरिक नृत्य और विशेष प्रदर्शन भी प्रदर्शित किए गए। कार्यक्रम में राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव बी. वेंकटेशम, आईएएस, राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी और हैदराबाद में बसे असम के निवासी उपस्थित थे।

हाईस्कूल के छात्रों ने जिला विज्ञान प्रदर्शनी में बनाया दबदबा

मंचेरियल, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कार्मेल कॉन्वेंट हाई स्कूल के 3 छात्रों ने शनिवार और रविवार को यहां आयोजित 52वीं जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में अपना जलवा बिखेरा। स्कूल की प्रिंसिपल सिस्टर रिन्सी और वाइस प्रिंसिपल सिस्टर टिस्सी ने एक बयान में बताया कि जूनियर वर्ग में तरुणी प्रथम स्थान पर रही, जबकि सीनियर वर्ग में श्री मणि दीपिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए हुआ। इसी तरह सीनियर वर्ग में महाति ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। शिक्षकों और सहपाठियों ने छात्रों को बधाई दी।

अमावस्या के अवसर पर मेडचल रोड, कालाकल स्थित देवी श्रीआईजी गौशाला में गौ सेवा करते हुए गौ भक्त। इस अवसर पर सुचित्रा महिला मंडल द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर उपस्थित गौ भक्त तारा राम सीरवी, रूपराम, सोहनलाल, मदनलाल, केसाराम, नारायणलाल, खिया राम, लखाराम, अमराराम, दिनेश कुमार, मनोज, सुरेश, प्यारी बाई, मंजुला, गवरी बाई, दाकु बाई, कमला बाई, लीला देवी, राधा, गीता, शायरी व अन्य।

गौमाता को राष्ट्र माता घोषित करने के लिए सभी गौशाला का समर्थन मिला

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश भर में गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने साधु संत गौ भक्त कर रहे है गौ आंदोलन इस कड़ी में हैदराबाद में 15 दिसंबर को श्री दक्षणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में विशाल गौ माता मैराथन का भव्य आयोजन सर्वदलीय गौरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जयपाल सिंह नयाल सनातनी के अनुरोध पर होने जा रहा है। कल रविवार अमावस्या तिथि पर गौ मैराथन 5के रन फॉर गौ माता की 4 टीमें विभिन्न गौशालाओं में जाकर गौभक्तों के बीच गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मुहिम का समर्थन जुटाने पहुंची। जिनमें श्री आईजी गौशाला, विश्व मंगल गौशाला, या देवी श्री आईजी गौशाला 2, वेंकटेश्वरा गौशाला और श्री ब्रह्मरम्भा मल्लिकार्जुन स्वामी गौशाला की समितियां का विशेष समर्थन मिला।

हैदराबाद के ही एक गौ योद्धा पूज्य बाला कृष्णा गुरु स्वामी कश्मीर से कन्याकुमारी तक पैदल पद यात्रा गौमाता को साथ लेकर कर रहे है जिनका सर्वदलीय गौरक्षा मंच ने पूर्ण समर्थन और सहयोग किया कल रात्रि गुरुस्वामी जी गृहमंत्री अमितशाह जी के बाद कल नागपुर में केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी जी से मिले जिन्होंने उनको गौ रक्षा पर पूर्ण समर्थन और सहयोग का वादा किया। इससे पहले पूज्य गुरु स्वामी देश के शंकराचार्यों और बड़े बड़े संतों पूज्य बागेश्वर धाम वाले बाबा जी का भी समर्थन जुटा चुके है। दिसंबर में 6 दिसंबर को गुरु स्वामी तेलंगाना की धरती पर 2 महीने बाद आ रहे है यहां से उनकी कन्याकुमारी तक की और 4 महीने की यात्रा लगभग रहेगी।

करीमनगर में बेकार हो गए भूमिगत कूड़ेदान

करीमनगर, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर शहर के अलग-अलग इलाकों में लगाए गए भूमिगत कूड़ेदान बेकार हो गए हैं। सड़कें साफ-सुथरी रहें और कूड़ा-कचरा इधर-उधर न फैले, इसके लिए करीमनगर नगर निगम ने दो साल पहले करीमनगर स्मार्ट सिटी कार्यक्रम के तहत भूमिगत कूड़ेदान लगाए थे। एक करोड़ रुपये खर्च करके छह जगहों पर चौदह कूड़ेदान लगाए गए। छह में से केवल 3 जगहों पर ही कूड़ेदान लगाए गए। कूड़ेदानों की हालत और भी खराब हो गई है, क्योंकि कूड़ा हटाने के लिए खरीदी गई गाड़ी का भी इस्तेमाल नहीं किया गया। हालांकि कुछ जगहों पर भूमिगत कूड़ेदान हैं, लेकिन लोग अभी भी सड़कों पर कचरा फेंक रहे हैं क्योंकि कूड़ेदानों को नियमित रूप से साफ नहीं किया जाता है। जागरूकता की कमी भी सड़कों पर कचरा फेंकने के कारणों में से एक है। इलाके में फैली दुर्गंध के कारण बस स्टैंड के पीछे के इलाके से गुजरना बहुत मुश्किल है, जहां सड़क पर कचरा फेंका जा रहा है। हालांकि इलाके में दो भूमिगत कूड़ेदान हैं, लेकिन लोग सड़क पर कचरा फेंक रहे हैं। चूंकि दो कूड़ेदान पूरी तरह से भर गए हैं, इसलिए नगर निगम अधिकारियों ने सोमवार को दो कर्मचारियों को तैनात किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोग सड़क पर कचरा न फेंकें।

आसिफाबाद के किसान करो या मरो की स्थिति में

बाघ और कपास के बीच फंसे किसान

कुमराम भीम आसिफाबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कई गांवों में कपास उत्पादक किसान करो या मरो की स्थिति में फंस गए हैं जबकि उनकी कपास की फसल कटाई के लिए तैयार है, कपास की गेंदें काटने के लिए खेतों में जाना जोखिम भरा काम हो गया है, क्योंकि एक से अधिक बाघ घात लगाए बैठे हैं। एक महिला पहले ही बाघ के हमले में अपनी जान गंवा चुकी है, जबकि एक अन्य किसान अभी भी अस्पताल में है, क्योंकि वह एक बड़े बाघ के जबड़े से बाल-बाल बच गया।

सर्दियों के मौसम में कपास के किसान उम्मीद करते हैं कि वे अपनी उगाई गई व्यावसायिक फसल की कटाई करके धन कमाएंगे, लेकिन इसके लिए उन्हें कई तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ता है और अत्यधिक ब्याज दरों पर ऋण लेना पड़ता है। वे चार महीने तक दिन भर मेहनत करके फसल उगाते हैं। फसल उगाने और उसे बचाने के लिए वे जहरीले कीटनाशकों के छिड़काव और भारी बारिश और ठंडे मौसम की वजह से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को भी झेलते हैं।

नवंबर और दिसंबर के महीनों में 'सफेद सोना' मानी जाने वाली कपास की फसल की कटाई न करने पर किसान अपना गुजारा नहीं कर सकते। उन्हें अपनी उपज व्यापारी को बेचकर कर्ज चुकाना पड़ता है। उन्हें अपनी कमाई का निवेश करके अगले सीजन के लिए खेतों को किराए पर देना पड़ता है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने के बाद सिंधू के हौसले बुलंद

कहा- अगले कुछ वर्षों तक खेलूंगी

लखनऊ, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने कहा कि वह निश्चित रूप से अगले कुछ वर्षों तक खेलती रहेंगी और उनके दिमाग में 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक बना रहेगा। सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट जीतकर लंबे समय से चले आ रहे खिताबी सूखे को खत्म करने के बाद राहत व्यक्त की और उम्मीद जताई कि यह परिणाम उनके शानदार करियर में एक और सफल दौर की शुरुआत करेगा।

'मेरा मुख्य लक्ष्य चोट से मुक्त रहना है'

पूर्व विश्व चैंपियन ने अपने करियर के अंतिम चरण में चोट से मुक्त रहने की जरूरत पर जोर दिया। सिंधू ने कहा, इस जीत से निश्चित रूप से मेरा आत्मविश्वास बढ़ेगा। 29 वर्ष का होना कई मायनों में फायदेमंद है क्योंकि मेरे पास बहुत अनुभव है। स्मार्ट और अनुभवी होना महत्वपूर्ण है और मैं निश्चित रूप से अगले कुछ वर्षों तक खेलूंगी।

उन्होंने कहा, मेरा मुख्य लक्ष्य चोट से मुक्त रहना है जो बहुत महत्वपूर्ण है। लॉस एंजिलिस ओलंपिक अब भी बहुत दूर हैं। मैं निश्चित रूप से खेलूंगी, लेकिन अहम चीज चोट से मुक्त रहना और खेल का आनंद लेना है। अगर मैं फिट रहती हूं तो क्यों नहीं?

तीसरी बार जीता महिला एकल का खिताब

सिंधू ने फाइनल में चीन की विश्व नंबर 119 वू लुओ यू को 21-14, 21-16 से हराकर टूर्नामेंट में तीसरी बार महिला एकल का खिताब जीता। इससे पहले उन्होंने 2017 और 2022 में भी खिताब जीता था। उन्होंने आगे कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैं जीत गई। अब बस आराम करने और जनवरी में फिर से शुरुआत करने का समय है। मुझे उम्मीद है कि यह वापसी होगी और मैं कई और जीत की उम्मीद कर रही हूं।

सिंधू ने कहा, मैं मलयेशिया, भारत, इंडोनेशिया और थाईलैंड में आगामी टूर्नामेंट में खेलूंगी। निश्चित रूप से हमें टूर्नामेंट चुनने होंगे क्योंकि मुझे यह तय करने के लिए काफी समझदार होना होगा कि क्या खेलना है और क्या नहीं। मुझे इस मामले में बहुत समझदार होने की जरूरत है।

'मेरे लिए यह जीत हासिल करना महत्वपूर्ण था'

सिंधू ने अपना आखिरी खिताब जुलाई 2022 में सिंगापुर ओपन में जीता था। दुनिया की 18वें नंबर की खिलाड़ी ने कहा, कभी कभी जीत के बहुत करीब होते हुए भी बहुत दूर होती थी। पहले भी अच्छे मैच हुए लेकिन वे जीत में नहीं बदल पाए। मैं वापस आई और कड़ी मेहनत की। मेरे लिए यह जीत हासिल करना महत्वपूर्ण था। अब मैं राहत महसूस कर रही हूं। यह साल का अंत है और जीत के साथ साल खत्म करना शानदार है।

गिनी में फुटबॉल मैच के दौरान भिड़े फैंस 100 से ज्यादा के मरने की आशंका पुलिस स्टेशन भी जलाया

कोनाक्री, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। गिनी के दूसरे सबसे बड़े शहर एन'जेरेकोर में एक फुटबॉल मैच के दौरान प्रशंसकों के बीच हुई झड़प में दर्जनों लोगों की मौत हो गई। हालांकि, एक डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर मीडिया से बात करते हुए एएफपी को बताया, 'अस्पताल में जहां तक आंख देख सकती है, वहां शव कतार में पड़े हैं। मुर्दाघर भरा हुआ है। लगभग 100 लोग मारे गए हैं।'

पुलिस स्टेशन भी जलाया

सोशल मीडिया पर इस हिंसा के कई वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। इस वीडियो में मैच के बाहर सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल दिख रहा है और कई शव जमीन पर पड़े हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने एन'जेरेकोर पुलिस स्टेशन में भी तोड़फोड़ की और आग लगा दी।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताई पूरी कहानी

एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, 'यह हिंसा मैच रेफरी द्वारा एक विवादित निर्णय के साथ शुरू हुआ। इसके बाद फैंस ने पिच पर हमला कर दिया।' स्थानीय मीडिया ने कहा कि यह मैच गिनी के जुंटा नेता ममादी डौंबौया के सम्मान में आयोजित एक टूर्नामेंट का हिस्सा था। डौंबौया 2021 के तख्तापलट में सत्ता पर कब्जा कर लिया था और खुद को राष्ट्रपति के रूप में स्थापित किया था। पश्चिम अफ्रीकी देश में इस तरह के टूर्नामेंट आम हो गए हैं। डौंबौया की नजरें अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में संभावित चुनाव लड़ने और राजनीतिक गठबंधन बनाने पर टिकी हैं।

डौंबौया ने राष्ट्रपति को बलपूर्वक हटाया था

डौंबौया ने सितंबर 2021 में राष्ट्रपति अल्फा कोंडे को उखाड़ फेंककर बलपूर्वक सत्ता पर कब्जा कर लिया था। हैरान करने वाली बात यह है कि अल्फा ने ही डौंबौया को कर्नल के पद पर रखा था ताकि वह इस तरह के तख्तापलट से राज्य और उनकी रक्षा करने का काम करें। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय दबाव में डौंबौया ने 2024 के अंत तक एक नागरिक सरकार को सत्ता वापस सौंपने का वादा किय था, लेकिन अब उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वह ऐसा नहीं करेंगे।

डौंबौया ने सत्ता पर कब्जा किया

सैन्य नेता ने जनवरी में असाधारण रूप से खुद को लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर पदोन्नत किया और पिछले महीने उन्होंने खुद को सेना के जनरल के पद पर पदोन्नत किया। डौंबौया ने हाल फिलहाल में कई विपक्षी नेताओं को हिरासत में रखवाया है, अदालतों में पेश किया या निर्वासन के लिए मजबूर कर दिया। इसके बावजूद डौंबौया के समर्थकों ने हाल ही में अगले राष्ट्रपति चुनाव में उनकी उम्मीदवारी के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। अपने काफी प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद, गिनी एक गरीब राष्ट्र बना हुआ है। यह दशकों से सत्तावादी सरकारों द्वारा शासित है। डौंबौया उन कई अधिकारियों में से एक हैं, जिन्होंने माली, बुर्किना फासो और नाइजर में साथी सैन्य नेताओं के साथ 2020 से पश्चिम अफ्रीका में सत्ता पर कब्जा किया है। गिनी के दक्षिण-पूर्व में स्थित एन'जेरेकोर, जहां संघर्ष हुआ, वहां की आबादी लगभग 200,000 लोगों की है।

चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर शोएब अख्तर ने दिया धधकता हुआ बयान

'इंडिया को वहीं पर मार के आओ'

इस्लामाबाद, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल होना है, लेकिन अभी तक उसे लेकर तस्वीर साफ नहीं है कि टूर्नामेंट होगा कहां? हाईब्रिड मॉडल पर तैयार हुए पाकिस्तान की नई डिमांड आईसीसी मानेगा या नहीं? पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाईब्रिड मॉडल अपनाने की बात करते हुए एक तो आईसीसी से रेवेन्यू बढ़ाने की मांग की है. वहीं दूसरी ओर उसने कहा है कि 2031 तक भारत में होने वाले सारे आईसीसी इवेंट हाईब्रिड मॉडल में हों. सवालों से भरे इन हालातों के बीच अब पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने एक तड़कता भड़कता बयान

दिया है. उन्होंने हाईब्रिड मॉडल अपनाने के बाद रेवेन्यू बढ़ाने की मांग को जायज ठहराया है.

पाकिस्तान की 2 शर्तों में एक में शोएब अख्तर की राय जुदा

शोएब अख्तर ने पाकिस्तानी चैनल से इंटरव्यू देते हुए कहा कि टूर्नामेंट के हाईब्रिड मॉडल में खेले जाने पर वो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की रेवेन्यू बढ़ाने वाली बात से सहमत हैं. हालांकि वो पीसीबी की दूसरी डिमांड से सहमत नहीं हैं. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की टीम क्यों नहीं जाएगी इंडिया, जरूर जानी चाहिए.

'उनको वहीं मार के आओ'- शोएब अख्तर

अख्तर ने कहा कि ज्यादा रेवेन्यू मिले, इस पर पाकिस्तान का फैसला एकदम सही है. लेकिन बात अगर भविष्य में भारत जाकर आईसीसी टूर्नामेंट खेलने की है तो लगता है कि उस पर पाकिस्तान पीछे नहीं हटना चाहिए. उसे दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहिए और वहां जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि इंडिया जाओ, वहीं खेलो और उन्हें वहीं मारके आओ.

चैंपियंस ट्रॉफी पर ताजा अपडेट

अब सवाल है कि चैंपियंस ट्रॉफी पर ताजा अपडेट क्या है? ताजा डेवलपमेंट के अनुसार भारत के मैच दुबई में होंगे. उसके अलावा भारत अगर सेमीफाइनल और फाइनस में पहुंचता है तो वो दोनों मैच भी वहीं होंगे. लेकिन, अगर भारत सेमीफाइनल और फाइनल में नहां पहुंचा तो फिर वो दोनों मैच पाकिस्तान में होंगे.

वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप-गुकेश और लिरेन का छठा मैच बराबर रहा

सिंगापुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंड मास्टर डी गुकेश और विश्व चैंपियन डिंग लिरेन के बीच सिंगापुर में खेले जा रही एफआईडिई वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप फाइनल का छठा मुकाबला बराबरी पर रहा। दोनों ने लगातार तीसरा ड्रॉ मैच खेला है। इससे पहले चौथा, पांचवां मैच भी बराबरी पर छूटा था। 14 मैचों के फाइनल में अब तक चार मैच ड्रॉ हो चुके हैं।

खेले गए ड्रॉ मैच के बाद दोनों प्लेयर्स के पास 3-3 अंक हैं। उन्हें चैंपियनशिप जीतने के लिए और 4.5 अंक चाहिए। पहले 7.5 अंक तक पहुंचाने वाला इसे जीत लेगा और वर्ल्ड चैंपियन का टाइटल हासिल कर लेगा।

18 साल के गुकेश ने 46 चालों के बाद लिरेन को ड्रॉ के लिए मजबूर किया। 32 साल के लिरेन ने पहली बाजी अपने नाम की थी, जबकि गुकेश तीसरी बाजी को जीतने में सफल रहे थे।

फाइनल स्कोर 3-3 की बराबरी पर

इस ड्रॉ के बाद गुकेश और लिरेन के बीच का फाइनल स्कोर 3-3 की बराबरी पर है। इस मुकाबले से दोनों खिलाड़ियों को 0.5-0.5 अंक मिले।

बता दें चेस में एक मैच जीतने पर एक अंक मिलते हैं, जबकि ड्रॉ मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों को 0.5-0.5 अंक दिए जाते हैं। अब तक दोनों प्लेयर्स एक-एक मुकाबले ही जीत सके हैं।

अंडर-19 एशिया कप में भारत ने जापान को हराया

शारजाह, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने अंडर-19 एशिया कप में जापान को 211 रन से हरा दिया। शारजाह के मैदान में जापान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट पर 339 रन बनाए। यह टूर्नामेंट के मौजूदा सीजन का सबसे बड़ा स्कोर है।

इससे पहले 30 नवंबर को यूएई ने जापान के खिलाफ 324 रन का स्कोर बनाया था। जवाब में जापान 50 ओवर में 8 विकेट पर 128 रन ही बना पाई। ह्यूज केली ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए। भारत की ओर से हार्दिक राज, केपी कार्तिकेय और चेतन शर्मा को 2-2 विकेट मिले। भारतीय टीम की ओर से कप्तान मोहम्मद अमान ने 116 बॉल पर नाबाद 122 रन की पारी खेली। अमान के अलावा, ओपनर आयुष म्हात्रे ने 29 बॉल पर 54, कार्तिकेय केपी ने 50 बॉल पर 50 रनों की पारियां खेलीं। जापान की ओर से कीफर यामामोटो लेके और ह्यूज केली को 2-2 विकेट मिले। भारत का अगला मुकाबला 4 दिसंबर कोयूएई के खिलाफ होगा।

'जसप्रीत बुमराह एक मजाक...', भारतीय तेज गेंदबाज को लेकर इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर स्टीवन फिन का सनसनीखेज बयान

लंदन, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जसप्रीत बुमराह की गिनती वर्ल्ड के बेस्ट तेज गेंदबाजों में होती है। विश्व क्रिकेट में बूम-बूम बुमराह के नाम का डंका बजता है। पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट में भी भारतीय तेज गेंदबाज ने जमकर कहर बरपाया और टीम को जीत दिलाने में अहम किरदार निभाया। अपनी घातक गेंदबाजी के बूते कंगारू बैटिंग ऑर्डर को तहस-नहस करने वाले बुमराह की हर तरफ जमकर तारीफ हो रही है। हालांकि, इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज ने बुमराह की तारीफ करते हुए कुछ ऐसा कह डाला है, जो किसी भी भारतीय क्रिकेट फैन को रास नहीं आएगा।

पूर्व इंग्लिश फास्ट बॉलर स्टीवन फिन ने टीएनटी स्पोर्ट्स पर बातचीत करते हुए बुमराह की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा,

"यशस्वी जायसवाल ने 161 रन की लाजवाब पारी खेली। मगर जिस खिलाड़ी को खेलते हुए देखना मुझे सबसे ज्यादा पसंद है, जो वर्ल्ड का बेस्ट प्लेयर है, वो कोई और नहीं, बल्कि जसप्रीत बुमराह हैं। मैं ईमानदारी से कहूं तो वह एक मजाक हैं। आप जब उन्हें गेंदबाजी करते हुए देखते हैं, तो यही सोचते हैं कि मैं लकी हूं कि मुझे पैड नहीं बांधना पड़ेगा। मैं काफी हैरान था कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया में जाकर उन्हें हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया में जाकर जीत दर्ज करना कोई आसान बात नहीं है। मुझे पता है कि पर्थ वो पुराना वाला वाका नहीं है और यह नया स्टेडियम बना है। हालांकि, फिर भी ऑस्ट्रेलिया यहां बहुत कम मैच हारती है। मुझे लगता है कि इंडिया काफी बहादुरी से खेली।"

पर्थ में बुमराह ने बरपाया था कहर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह पर्थ में मिली ऐतिहासिक जीत के नायक रहे थे। बुमराह ने पहली पारी में पांच विकेट अपने नाम किए थे। वहीं, दूसरी इनिंग में भारतीय तेज गेंदबाज ने कहर बरपाते हुए कंगारू टीम के तीन बैटर्स को पवेलियन की राह दिखाई थी। बुमराह की कप्तानी में टीम इंडिया का प्रदर्शन कमाल का रहा था। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने दूसरी इनिंग में रिकॉर्ड 201 रन की साझेदारी जमाई थी। वहीं, विराट कोहली ने भी 16 महीने का सूखा खत्म करते हुए शतकीय पारी खेली थी। सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच एडिलेड के मैदान पर खेला जाना है, जहां टीम इंडिया बुमराह से एक बार फिर धांसू प्रदर्शन की उम्मीद करेगी।

3 छक्के, 3 चौके, मैच विनिंग पारी

अनसोल्ड रहने के बाद पृथ्वी शॉ ने बरपाया कहर

नई दिल्ली,, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में इस बार युवा सलामी बल्लेबाजी पृथ्वी शॉ को किसी भी टीम ने नहीं खरीदा है। उससे पहले पृथ्वी को रणजी ट्रॉफी से भी ड्रॉप कर दिया था। अपनी फिटनेस को लेकर पृथ्वी अक्सर सवालों के घेरे में रहते हैं। वहीं आईपीएल में अनसोल्ड रहने के बाद अब इस स्टार खिलाड़ी ने बल्ले से कहर बरपाया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पृथ्वी ने मुंबई की तरफ से ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए चौके-छक्कों की बरसात की।

पृथ्वी ने खेली मैच विनिंग पारी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 में मुंबई और नागालैंड के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए नागालैंड की टीम 19.4 ओवर में महज 107 रनों पर ही ढेर हो गई थी। जिसके बाद मुंबई की तरफ से ओपनिंग करने आए पृथ्वी शॉ ने कमाल की पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में पृथ्वी ने 29 गेंदों पर 40 रनों की पारी खेली। अपनी पारी के दौरान पृथ्वी ने 3 चौके और 3 छक्के भी लगाए थे।

आईपीएल 2025 में अजिंक्य रहाणे को मिल सकती है केकेआर की कमान

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। केकेआर ने सबसे महंगा खिलाड़ी 23.75 करोड़ रुपये का खरीदा. उसने ये रकम वेंकटेश अय्यर पर लुटाए. इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बाद लगा यही था कि कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम कप्तान भी उन्हें ही बनाएगी. खुद वेंकटेश अय्यर भी रकम मिलने के बाद दिए इंटरव्यू में कप्तानी करने का इरादा जता चुके थे. लेकिन, अब खबर कुछ और ही आ रही है. खबर है कि KKR वेंकटेश अय्यर को नहीं बल्कि जिसे उनसे 22.25 करोड़ कम रकम देकर खरीदा है, उसे अपना कप्तान बनाने की सोच रही है. केकेआर नए कप्तान के तौर पर अजिंक्य रहाणे की ओर देख रही है.

रहाणे को 1.5 करोड़ में केकेआर ने खरीदा

कोलकाता नाइट राइडर्स ने अजिंक्य रहाणे को उनके बेस प्राइस पर खरीदा है, जो कि 1.5 करोड़ रुपये थी. रहाणे इससे पहले सीएसके का हिस्सा थे, जहां वो रिटेन नहीं हुए.

रहाणे के पास आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स, मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स , राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स और सीएसके की भी कप्तानी करने का अनुभव है. ऐसे में केकेआर अगर उन्हें कप्तानी

देने का मन बना रही है तो जाहिर है उनका अनुभव उसके काम आएगा.

90 फीसद कन्फर्म... रहाणे बन सकते हैं कप्तान

टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों के हवाले से लिखा कि फिलहाल ये बात 90 फीसद कन्फर्म है कि अजिंक्य रहाणे केकेआर के नए कप्तान हो सकते हैं. केकेआर ने खास तौर पर उन्हें उसी वजह से खरीदा है. हालांकि, इस पर आधिकारिक मुहर लगना अभी बाकी है.

अजिंक्य रहाणे का 3 बार के आईपीएल चैंपियन केकेआर के साथ ये दूसरा टर्म होगा. इससे पहले आईपीएल 2022 में वो इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 103.91 की स्ट्राइक रेट से 7 मैचों में 133 रन बनाए थे.

आईपीएल 2023 में रहाणे सीएसके का हिस्सा बने, जहां उन्होंने 14 मैचों में 172.49 की स्ट्राइक रेट से 326 रन बनाए. इस साल सीएसके ने रिकॉर्ड 5वीं बार आईपीएल का खिताब भी जीता था. आईपीएल 2024 रहाणे के लिए अच्छा नहीं गुजरा, जहां उन्होंने 123.47 की स्ट्राइक रेट से सीएसके के लिए 242 रन ही बनाए. इस साल टीम प्लेऑफ के लिए भी क्वालिफाई नहीं कर सकी थी.

वेस्टइंडीज के गेंदबाज ने 5 रन पर गिराए 4 विकेट

भारतीय खिलाड़ी का तोड़ा रिकॉर्ड, टेस्ट में 46 साल बाद हुआ ऐसा

किंग्स्टन, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ किंग्स्टन में खेले जा रहे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज का एक गेंदबाज ऐसा बरसा कि रिकॉर्ड ही टूट गया. ऐसा कुछ देखने को मिला जो क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में बीते 46 सालों में हुई पहली घटना रही. उसके बरपाए कहर का असर कुछ ऐसा हुआ कि बांग्लादेश की टीम दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 200 रन के मार्क से काफी दूर रह गई. इससे मेजबान वेस्टइंडीज की टीम को मैच पर पकड़ बनाने का मौका मिल गया. वेस्टइंडीज की टीम अपने जिस खिलाड़ी के चलते दूसरे टेस्ट में मजबूत पोजिशन में है वो जायडेन सील्स हैं, जिन्होंने भारतीय गेंदबाज का रिकॉर्ड तोड़ते हुए बांग्लादेश के खिलाफ इतिहास रचा है. जायडेन सील्स ने बांग्लादेश के खिलाफ पहली पारी में 15.5 ओवर गेंदबाजी करते हुए 10 मेडन फेंके और 5 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए. इस दौरान उनकी इकॉनमी 0.31 की रही जो कि मेंस टेस्ट क्रिकेट में 1978 के बाद दर्ज हुई सबसे बेहतरीन इकॉनमी है. इसी पहले ये रिकॉर्ड भारत के तेज गेंदबाज उमेश यादव के नाम था, जिन्होंने साल 2015 में खेले टेस्ट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 0.42 की इकॉनमी से गेंदबाजी की थी. उमेश ने 21 ओवर में 16 मेडन फेंके थे और 9 रन देकर 3 विकेट लिए थे. लेकिन उमेश के रिकॉर्ड को जायडेन सील्स ने अब तोड़ दिया है. बांग्लादेश के जो बल्लेबाज उनका शिकार बने उनमें लिटन दास, तस्कीन अहमद, मेहदी हसन और नाहिद राणा का नाम शामिल रहा. जायडेन सील्स को गेंदबाजी में दूसरे छोर से शेमार जोसेफ और केमार रोच का भी पूरा साथ मिला. नतीजा ये हुआ कि बांग्लादेश की टीम पहली पारी में सिर्फ 164 रन बनाकर आउट हो गई.

पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने सोमवार को बाचुपल्ली में पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया। 100 एकड़ में फैले इस परिसर का निर्माण 35 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 39वें स्थापना दिवस का जश्न भी मनाया गया। उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए श्रीधर बाबू ने छात्रों की प्रौद्योगिकी में दक्षता बढ़ाने के लिए 100 कंप्यूटर आवंटित करने की घोषणा की। उन्होंने छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया और स्नातक होने से पहले अपने चुने हुए क्षेत्रों में कौशल विकास प्रशिक्षण का वादा किया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार के फोकस पर प्रकाश डालते हुए श्रीधर बाबू ने बेरोजगारों के लिए रोजगार और आजीविका के अवसर पैदा करने के प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने दोहराया कि विश्वविद्यालय की स्थापना तेलुगु संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने और भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। कार्यक्रम के दौरान, पद्म भूषण पुरस्कार विजेता वरप्रसाद रेड्डी को एक प्रतिष्ठित पुरस्कार और 1 लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बदले में वरप्रसाद रेड्डी ने विश्वविद्यालय के विकास के लिए 1 करोड़ रुपये का दान दिया।

मंत्री ने विश्वविद्यालय के छात्रों की कलात्मक प्रतिभा की भी प्रशंसा की, संयुक्त राज्य अमेरिका और मलेशिया जैसे देशों में अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में उनकी भागीदारी का उल्लेख किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को बढ़ाने और तेलुगु भाषा को वैश्विक मान्यता दिलाने वाले अतीत के दिग्गजों के योगदान को स्वीकार किया। श्रीधर बाबू ने कुलपति नित्यानंद राव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के और अधिक विकास की आशा व्यक्त की।

ड्रग पार्टी का भंडाफोड़, कोरियोग्राफर कान्हा गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने एक होटल में ड्रग पार्टी का भंडाफोड़ किया और माधापुर में कोरियोग्राफर कान्हा महंती को गिरफ्तार किया। यह जानकारी सोमवार को अधिकारियों ने दी। जानकारी के अनुसार, इस पार्टी का आयोजन प्रसिद्ध वास्तुकार प्रियंका रेड्डी ने किया था और इसमें उपस्थित लोगों में प्रसिद्ध कोरियोग्राफर कान्हा महंती भी शामिल थे, जिन्होंने लोकप्रिय टीवी शो में काम किया है। माधापुर पुलिस ने पार्टी में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एमडीएमए के अलावा, अधिकारियों ने दो अन्य प्रकार की ड्रग्स भी जब्त की हैं।

सीएम ने वर्षा जल संचयन कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बाढ़ को रोकने के लिए लेक व्यू गेस्ट हाउस के पास किए जा रहे वर्षा जल संचयन कार्यों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने बाढ़ की रोकथाम के उपायों पर अधिकारियों को कई सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ के पानी को डायवर्ट करने से शहर में ट्रैफिक जाम कम हो सकता है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को आदेश दिया कि अगले मानसून तक सभी जगहों पर काम पूरा हो जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को वर्षा जल संचयन के डिजाइन को बदलने का भी सुझाव दिया। हैदराबाद में पहचाने गए 141 जलभराव बिंदुओं के पास वर्षा जल संचयन के निर्माण के आदेश जारी किए गए हैं। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर, खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र, नगर विभाग के प्रमुख सचिव दाना किशोर, जीएचएमसी आयुक्त इलमबर्थी और सीएम के विशेष सचिव अजित रेड्डी भी मौजूद हैं।

धार्मिक स्थल का चरित्र नहीं बदला जा सकता

संभल विवाद पर बोले ओवैसी

छत्रपति संभाजीनगर, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश के संभल में मुगलकालीन मस्जिद को लेकर दायर याचिका में प्रवेश के अधिकार की मांग की गई थी, तो वहां की एक अदालत ने ढांचे का सर्वेक्षण करने का आदेश क्यों दिया? सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा कि ऐसे मुद्दे देश को कमजोर करते हैं, जो महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की आत्महत्या और अन्य मुद्दों का सामना कर रहा है। 19 नवंबर को संभल के सिविल जज (वरिष्ठ डिवीजन) की अदालत ने शाही जामा मस्जिद का एडवोकेट कमिश्नर द्वारा सर्वेक्षण कराने के लिए एकपक्षीय आदेश पारित किया था। यह आदेश हिंदू पक्ष की उस याचिका पर संज्ञान लेने के बाद पारित किया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि मस्जिद का निर्माण मुगल सम्राट बाबर ने 1526 में एक मंदिर को ध्वस्त करके कराया था।

जीएचएमसी प्रजावाणी में लोगों की समस्याओं की सुनवाई

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में जीएचएमसी के मुख्य कार्यालय और छह क्षेत्रों में कुल 132 शिकायतें प्राप्त हुईं। अतिरिक्त आयुक्तों ने सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित सार्वजनिक संबोधन कार्यक्रम में भाग लिया और विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग करने आए लोगों से आवेदन प्राप्त किए। प्रजावाणी फोन इन कार्यक्रम के माध्यम से 6 अनुरोध प्राप्त हुए और उन्हें समाधान के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में, 38 अनुरोध प्राप्त हुए, जिनमें से टाउन प्लानिंग विभाग के लिए 17, एसी राजस्व, एसी प्रशासन के लिए चार-चार, सीई रखरखाव, पशु चिकित्सा, एलएओ, स्वच्छता, स्वास्थ्य, यू.बी. के लिए 3-3 अनुरोध प्राप्त हुए। जीएचएमसी के तहत छह क्षेत्रों में कुल 94 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से कुकटपल्ली जोन में 65, एलबीनगर जोन में 10, सिकंदराबाद जोन में 8, सेरिलिंगमपल्ली जोन में 7, खैरताबाद और चारमीनार जोन में दो-दो शिकायतें प्राप्त हुईं। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त शिव कुमार नायुडू, नलिनी पद्मावती, गीता राधिका, पंकजा, रघु प्रसाद, सुभद्रा देवी, चंद्रकांत रेड्डी, यादगिरी राव, सीसीपी श्रीनिवास, अतिरिक्त सीसीपी प्रदीप कुमार और संबंधित विभागों के अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

2030 तक 10 बिलियन डॉलर के व्यापार का लक्ष्य

भारत-अमेरिका भू-स्थानिक गठबंधन

हैदराबाद, 2 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच गहरी होती रणनीतिक साझेदारी को दर्शाते हुए एक ऐतिहासिक क्षण में, भारत-अमेरिका अंतरिक्ष और भू-स्थानिक व्यापार शिखर सम्मेलन सोमवार को एचआईसीसी माधापुर में आयोजित किया गया। जियोस्पेशियल वर्ल्ड के सहयोग से जियोस्पेशियल वर्ल्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित इस उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन में सरकार, उद्योग, शिक्षा और अनुसंधान से जुड़े प्रमुख हितधारकों को नवाचार, आर्थिक विकास और स्थिरता के लिए जियोस्पेशियल और अंतरिक्ष क्षेत्रों की संभावनाओं का पता लगाने और उसे बढ़ाने के लिए एक साथ लाया गया।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि भू-स्थानिक और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों में द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 2.5 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2030 तक 10 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। शिखर सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया गया कि किस प्रकार प्रौद्योगिकी, नीति सरेखण और विनिर्माण में साझा निवेश वैश्विक प्रगति को गति दे सकता है। जियोस्पेशियल वर्ल्ड के सीईओ संजय कुमार ने भारत के संपन्न जियोस्पेशियल सेक्टर पर प्रकाश डाला, जिसका मूल्य 1.92 बिलियन डॉलर है, जो लागत-प्रभावी जियोस्पेशियल सेवाओं के लिए वैश्विक केंद्र है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी व्यापार, रक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा सहित कई क्षेत्रों में फैली हुई है, जो नवाचार के लिए एक मजबूत ढांचे को मजबूत करती है।

तेलंगाना में बिजली की मांग बढ़ी

हाई अलर्ट पर डिस्कॉम

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ महीनों में राज्य में बिजली की मांग में वृद्धि के मद्देनजर, राज्य में बढ़ती मांग से निपटने के लिए राज्य संचालित बिजली वितरण कंपनियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त में 15,573 मेगावाट बिजली की मांग के साथ तेलंगाना राजस्थान, कर्नाटक और पंजाब को पीछे छोड़कर पांचवें स्थान पर पहुंच गया। 29,126 मेगावाट के साथ उत्तर प्रदेश, 25,855 मेगावाट के साथ महाराष्ट्र, 21,918 मेगावाट के साथ गुजरात और 17,843 मेगावाट के साथ तमिलनाडु पहले चार स्थान पर हैं।

यद्यपि डिस्कॉम्स बिना किसी परेशानी के आपूर्ति का प्रबंधन कर रही हैं, लेकिन ऊर्जा विभाग के शीर्ष अधिकारियों ने डिस्कॉम्स को आगाह किया है कि वे आने वाले महीनों में, विशेषकर गर्मियों के दौरान, मांग में और वृद्धि को संभालने के लिए तैयार रहें। अधिकारियों का कहना है कि राज्य में, खासकर हैदराबाद और उसके आसपास के क्षेत्रों में उद्योगों, आईटी उद्योगों, घरेलू, वाणिज्यिक और कृषि की बिजली की खपत तेजी से बढ़ रही है। हाल के दिनों में ग्रेटर हैदराबाद की सीमा में बिजली की मांग में 23 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। आम तौर पर, हर साल इसमें 12 प्रतिशत की वृद्धि होती है और गर्मियों के दौरान बिजली की अधिकतम मांग देखी जाती है। हालांकि, इस बार, नवंबर के महीने में मौजूदा मौसम की स्थिति के कारण बिजली की भारी मांग देखी गई, बिजली अधिकारियों ने बताया। अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल ग्रेटर हैदराबाद में बिजली की अधिकतम मांग 3,756 मेगावाट तक पहुंच गई थी, जो इस साल बढ़कर 4,352 मेगावाट हो गई। इसी तरह बिजली की खपत 79 मिलियन यूनिट से बढ़कर 90 एमयू हो गई, जो 15 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि मांग को पूरा करने के लिए डिस्कॉम हर महीने नेशनल एनर्जी एक्सचेंज से बिजली खरीदने पर 1,000 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं।

बेगमपेट स्नैचिंग में 3 लोग गिरफ्तार

नौकरी से संतुष्ट नहीं थे स्नैचर

हैदराबाद, 2 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट पुलिस ने सोमवार को एक स्नैचिंग मामले में कथित संलिप्तता के लिए 3 लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 2 लाख रुपये की नकदी जब्त की। गिरफ्तार किए गए लोगों में बेगमपेट के रसूलपुरा के बी साईराम, उप्पल के चिलुकानगर के एम शेट्टी श्रीहरि और चव्हाण लोकेश शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, तीनों अपनी कम तनख्वाह वाली नौकरी से मिलने वाली आय से संतुष्ट नहीं थे और आसानी से पैसे कमाने के लिए अपराध करने का फैसला किया।

अपनी योजना के तहत, हाल ही में उन्होंने आनंद थिएटर के पास एक व्यक्ति को निशाना बनाया, जिसके पास 2.1 लाख रुपये की नकदी थी और बैग छीनकर मौके से भाग गए। शिकायत के आधार पर बेगमपेट पुलिस ने मामला दर्ज किया और निगरानी कैमरों की मदद से संदिग्धों की पहचान की, उन्हें पकड़ लिया और उनसे नकदी और अन्य सामग्री जब्त कर ली।

अस्पताल ने दान किए कंबल, मच्छरदानी और स्नैक्स

आदिवासी परिवारों को मिली राहत

कोत्तागुडेम, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैप्पी टू हेल्प यू फाउंडेशन के तत्वावधान में आदिवासियों को कंबल और मच्छरदानी वितरित की गई। पिछले कुछ दिनों से ठंड बढ़ने के कारण आदिवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए सोमवार को जिले के मुलकालापल्ली मंडल के कोमाराम भीम नगर में अमृता अस्पताल के संस्थापक डॉ. बाबू और डॉ. जया ने आदिवासियों को कंबल, मच्छरदानी और नाश्ता वितरित किया। डॉ. जया, फाउंडेशन के सदस्य विनय, रवि तेजा, दिलीप, कीर्तन, लेंटिल लीन्स, कल्याण, राहुल व अन्य उपस्थित थे।

राजभवन में नागालैंड और असम का स्थापना दिवस मना

विजयवाड़ा, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने सोमवार को यहां राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित नागालैंड और असम राज्यों के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। यह आयोजन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल अब्दुल नजीर ने कहा कि 1 दिसंबर को अपना स्थापना दिवस मनाने वाला नागालैंड देश का एक अनूठा राज्य है, क्योंकि यह 17 प्रमुख जनजातियों का घर है, जिनमें से प्रत्येक जनजाति रीति-रिवाजों, भाषा और पहनावे के मामले में एक-दूसरे से अलग है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के रूप में जाना जाने वाला हॉर्नबिल उत्सव नागालैंड की समृद्ध संस्कृति, जीवन शैली और खान-पान की आदतों को दर्शाता है। राज्यपाल ने कहा कि 2 दिसंबर को अपना स्थापना दिवस मनाने वाला असम हरियाली की खूबसूरत चादरों से सजा हुआ है और जब हम असमिया संस्कृति की बात करते हैं तो सबसे पहले बिहू त्योहार दिमाग में आता है। उन्होंने यह भी कहा कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम हमें विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं के ज्ञान को साझा करने में सक्षम बनाता है, जिससे राज्यों के बीच बेहतर समझ और संबंध बनते हैं, जिससे एकता की अवधारणा के माध्यम से भारत की एकता और अखंडता मजबूत होती है। कार्यक्रम की शुरूआत नागालैंड के राज्यपाल ला गणेशन और असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के वीडियो संदेशों के साथ हुई, जिसके बाद सिम्स गुंटूर और विज्ञान विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा नागालैंड और असम के गीत और लोक नृत्य प्रस्तुत किए गए। राज्यपाल के सचिव डॉ.एम. हरि जवाहरलाल, राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी, विजयवाड़ा और उसके आसपास के शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाले नागालैंड और असम के छात्र कार्यक्रम में शामिल हुए।

'सम्मान' के लिए महिला कांस्टेबल की हत्या

अंतरजातीय विवाह के खिलाफ था भाई

हैदराबाद, 2 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को रंगारेड्डी जिले के इब्राहिमपटनम में शहर के बाहरी इलाके में संदिग्ध ऑनर किलिंग के एक मामले में एक महिला पुलिस कांस्टेबल की उसके भाई ने हत्या कर दी। यह घटना उस समय घटी जब पीड़िता, हयातनगर पुलिस स्टेशन में तैनात पुलिस कांस्टेबल नागमणि, इब्राहिमपटनम के पास रायपोल से मन्नेगुडा की ओर अपनी स्कूटी से जा रही थी। सूत्रों के अनुसार, जब नागमणि रायपोल पहुंची, तो उसके भाई परमेश ने, जो उसके अंतरजातीय विवाह के खिलाफ था, अपनी कार से उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी। जब वह सड़क पर गिर गई, तो उसने उसे कुल्हाड़ी से काटकर मार डाला। वह गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस को संदेह है कि परमेश नागमणि के अंतरजातीय विवाह से नाराज था। पुलिस घटना की जांच कर रही है। नागमणि ने एक महीने पहले अपने परिवार वालों की मर्जी के खिलाफ प्रेम विवाह किया था।

सब-इंस्पेक्टर ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

मुलुगु, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाजेडू पुलिस स्टेशन में कार्यरत एक सब-इंस्पेक्टर ने सोमवार सुबह एतुरनगरम मंडल के मुल्लाकट्टा गांव के निकट एक रिसॉर्ट में कथित तौर पर रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। एसआई हरीश को रिसॉर्ट के एक कमरे में अपनी सर्विस रिवॉल्वर से कथित तौर पर खुद को गोली मारने के बाद मृत पाया गया। हालांकि उनके इस कदम के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन पुलिस को संदेह है कि व्यक्तिगत समस्याओं के कारण उन्होंने आत्महत्या की होगी।

ब्रेन डेड घोषित गृहिणी के अंग किए गए दान

हैदराबाद, 2 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले के थल्लाडा के नारायणपुरम निवासी 24 वर्षीय गृहिणी कोमागंती यमुना, जिन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था, के परिवार के सदस्यों ने राज्य द्वारा संचालित जीवनदान अंग दान पहल के तहत जरूरतमंद मरीजों को उनके अंग दान करने की सहमति दे दी है।

युवा गृहिणी 27 नवंबर को सुबह 10.56 बजे अपने घर में बेहोश हो गई और 30 नवंबर को सुबह 12.23 बजे डॉक्टरों की टीम ने उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। जीवनदान की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मृतक गृहिणी के पति मोंडीथोका कमलाकर ने उनके अंग दान करने की सहमति दे दी है।

सर्जनों ने एक लीवर, दो किडनी और फेफड़े (कुल 4 अंग) निकाले और उन्हें जीवनदान अंग दान दिशा-निर्देशों के आधार पर जरूरतमंद मरीजों को आवंटित किया। जीवनदान के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों ने कोमागंती यमुना के परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके नेक फैसले ने कई लोगों की जान बचाई है।

साइबर सुरक्षा जागरूकता के महत्व पर हुई चर्चा

'डिजिटल केयर हब' साइबर सुरक्षा सेल के माध्यम से दी गई जानकारी

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस और हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल द्वारा विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस के अवसर पर सोमवार को, विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में, सेंट जोसेफ डिग्री और पीजी कॉलेज, किंग कोटी, हैदराबाद ने 'डिजिटल केयर हब' नामक अपने साइबर सुरक्षा सेल का उद्घाटन किया। कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य डिजिटल सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाना, छात्रों, जनता और कानून प्रवर्तन के बीच संपर्क के रूप में कार्य करना और छात्रों को परिसर के भीतर और बाहर साइबर सुरक्षा मानकों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षित करना है। कार्यक्रम की शुरूआत कंप्यूटर विज्ञान विभाग की प्रमुख एम. किरण ज्योति के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने नव स्थापित साइबर सुरक्षा सेल के मुख्य उद्देश्यों को रेखांकित किया। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों द्वारा अपने समुदायों की डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि 'डिजिटल केयर हब' बढ़ते साइबर खतरों से परिसर की सुरक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एस. श्रीकांत, सत्र समन्वयक और अतिरिक्त आईक्यूएसी समन्वयक, ने साइबर सुरक्षा के बढ़ते महत्व को संबोधित किया। अपने भाषण में, उन्होंने डिजिटल प्लेटफार्मों पर बढ़ती निर्भरता और साइबर खतरों में इसी वृद्धि पर प्रकाश डाला, डिजिटल सुरक्षा के लिए जागरूकता-संचालित दृष्टिकोण बनाने के महत्व पर बल दिया। इस अवसर पर प्रिंसिपल फादर एंथनी सागयाराजा ने दिया। उन्होंने छात्रों, शिक्षकों और बड़े पैमाने पर समुदाय के लिए एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण बनाने में "डिजिटल केयर हब" के महत्व को रेखांकित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण हैदराबाद की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) डी. कविता गारू द्वारा डिजिटल केयर हब के आधिकारिक लोगो का अनावरण था।

श्री सखी बाबा मठ

स्थान : 19-1-920, पुरानापूल श्मशान वाटिका के सामने, हैदराबाद

विवाह पंचमी रथ महोत्सव

सामूहिक सत्यनारायण भगवान की कथा

दिनांक 5-12-24 को 4.00 बजे से और हल्दी अभिषेक 5.30 बजे

स्थान : 19-1-920, पुरानापूल श्मशान वाटिका के सामने, हैदराबाद

निवेदक : महन्त ठाकूरदासजी (संदीप मिश्रा)

सभी भक्तगण सादर आमंत्रित है । संपर्क : 7207252733

भक्त मंडली : विवेक झवार, राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, राकेश जायसवाल, सुशिल जायसवाल, शुभ वीर कांत जायसवाल

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा

ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP

मुख्यमंत्री कल पेद्दापल्ली में 'युवा विकासम' कार्यक्रम में शामिल होंगे

मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों के साथ टेलीकांफ्रेंस की

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 4 दिसंबर को पेद्दापल्ली में युवा विकासम कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां वे करीब 9,000 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने सोमवार को यहां सचिवालय से जिला कलेक्टरों और अन्य अधिकारियों के साथ टेलीकांफ्रेंस की। मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि युवाओं को समर्पित यह विशेष कार्यक्रम राज्य के प्रजा विजयोत्सवम समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित किया जा रहा है और मुख्यमंत्री सिंगरेनी कोलियरीज में ग्रुप 4 पदों, सिविल असिस्टेंट सर्जन और अन्य नौकरियों के लिए हाल ही में चयनित लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। बैठक के दौरान, राज्य के कौशल विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करने वाली सात एजेंसियों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर, डिजिटल रोजगार कार्यालय का उद्घाटन और सीएम कप की शुरूआत मुख्यमंत्री की उपस्थिति में की जाएगी। रेवंत रेड्डी सैकड़ों करोड़ रुपये के विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारंभ करेंगे। इसके अलावा, विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर के अवसरों को प्रदर्शित करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर कई स्टॉल लगाए जाएंगे। उपस्थित लोगों के लिए विशेष बसों की व्यवस्था की जाएगी ताकि वे दोपहर 2:30 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुंच सकें। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से सुगम परिवहन और कार्यक्रम में समय पर भागीदारी की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्था करने का आग्रह किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.